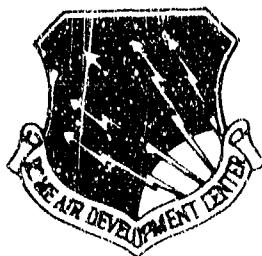


12
RADC-TR-82-161
Final Technical Report
June 1982



ADVANCED IMAGING TRACKER

AD

Adaptive Optics Associates, Inc.

Sponsored by
Defense Advanced Research Projects Agency (DOD)
ARPA Order No. 3503

APPROVED FOR PUBLIC RELEASE; DISTRIBUTION UNLIMITED

The views and conclusions contained in this document are those of the authors and should not be interpreted as necessarily representing the official policies, either expressed or implied, of the Defense Advanced Research Projects Agency or the U.S. Government.

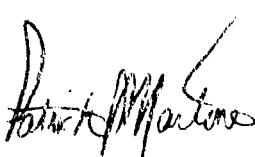
ROME AIR DEVELOPMENT CENTER
Air Force Systems Command
Griffiss Air Force Base, NY 13441

1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200
201
202
203
204
205
206
207
208
209
210
211
212
213
214
215
216
217
218
219
220
221
222
223
224
225
226
227
228
229
230
231
232
233
234
235
236
237
238
239
240
241
242
243
244
245
246
247
248
249
250
251
252
253
254
255
256
257
258
259
260
261
262
263
264
265
266
267
268
269
270
271
272
273
274
275
276
277
278
279
280
281
282
283
284
285
286
287
288
289
290
291
292
293
294
295
296
297
298
299
300
301
302
303
304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
7010
7011
7012
7013
7014
7015
7016
7017
7018
7019
7020
7021
7022
7023
7024
7025
7026
7027
7028
7029
7030
7031
7032
7033
7034
7035
7036
7037
7038
7039
7040
7041
7042
7043
7044
7045
7046
7047
7048
7049
7050
7051
7052
7053
7054
7055
7056
7057
7058
7059
7060
7061
7062
7063
7064
7065
7066
7067
7068
7069
7070
7071
7072
7073
7074
7075
7076
7077
7078
7079
7080
7081
7082
7083
7084
7085
7086
7087
7088
7089
7090
7091
7092
7093
7094
7095
7096
7097
7098
7099
70100
70101
70102
70103
70104
70105
70106
70107
70108
70109
70110
70111
70112
70113
70114
70115
70116
70117
70118
70119
70120
70121
70122
70123
70124
70125
70126
70127
70128
70129
70130
70131
70132
70133
70134
70135
70136
70137
70138
70139
70140
70141
70142
70143
70144
70145
70146
70147
70148
70149
70150
70151
70152
70153
70154
70155
70156
70157
70158
70159
70160
70161
70162
70163
70164
70165
70166
70167
70168
70169
70170
70171
70172
70173
70174
70175
70176
70177
70178
70179
70180
70181
70182
70183
70184
70185
70186
70187
70188
70189
70190
70191
70192
70193
70194
70195
70196
70197
70198
70199
70200
70201
70202
70203
70204
70205
70206
70207
70208
70209
70210
70211
70212
70213
70214
70215
70216
70217
70218
70219
70220
70221
70222
70223
70224
70225
70226
70227
70228
70229
70230
70231
70232
70233
70234
70235
70236
70237
70238
70239
70240
70241
70242
70243
70244
70245
70246
70247
70248
70249
70250
70251
70252
70253
70254
70255
70256
70257
70258
70259
70260
70261
70262
70263
70264
70265
70266
70267
70268
70269
70270
70271
70272
70273
70274
70275
70276
70277
70278
70279
70280
70281
70282
70283
70284
70285
70286
70287
70288
70289
70290
70291
70292
70293
70294
70295
70296
70297
70298
70299
70300
70301
70302
70303
70304
70305
70306
70307
70308
70309
70310
70311
70312
70313
70314
70315
70316
70317
70318
70319
70320
70321
70322
70323
70324
70325
70326
70327
70328
70329
70330
70331
70332
70333
70334
70335
70336
70337
70338
70339
70340
70341
70342
70343
70344
70345
70346
70347
70348
70349
70350
70351
70352
70353
70354
70355
70356
70357
70358
70359
70360
70361
70362
70363
70364
70365
70366
70367
70368
70369
70370
70371
70372
70373
70374
70375
70376
70377
70378
70379
70380
70381
70382
70383
70384
70385
70386
70387
70388
70389
70390
70391
70392
70393
70394
70395
70396
70397
70398
70399
70400
70401
70402
70403
70404
70405
70406
70407
70408
70409
70410
70411
70412
70413
70414
70415
70416
70417
70418
70419
70420
70421
70422
70423
70424
70425
70426
70427
70428
70429
70430
70431
70432
70433
70434
70435
70436
70437
70438
70439
70440
70441
70442
70443
70444
70445
70446
70447
70448
70449
70450
70451
70452
70453
70454
70455
70456
70457
70458
70459
70460
70461
70462
70463
70464
70465
70466
70467
70468
70469
70470
70471
70472
70473
70474
70475
70476
70477
70478
70479
70480
70481
70482
70483
70484
70485
70486
70487
70488
70489
70490
70491
70492
70493
70494
70495
70496
70497
70498
70499
70500
70501
70502
70503
70504
70505
70506
70507
70508
70509
70510
70511
70512
70513
70514
70515
70516
70517
70518
70519
70520
70521
70522
70523
70524
70525
70526
70527
70528
70529
70530
70531
70532
70533
70534
70535
70536
70537
70538
70539
70540
70541
70542
70543
70544
70545
70546
70547
70548
70549
70550
70551
70552
70553
70554
70555
70556
70557
70558
70559
70560
70561
70562
70563
70564
70565
70566
70567
70568
70569
70570
70571
70572
70573
70574
70575
70576
70577
70578
70579
70580
70581
70582
70583
70584
70585
70586
70587
70588
70589
70590
70591
70592
70593
70594
70595
70596
70597
70598
70599
70600
70601
70602
70603
70604
70605
70606
70607
70608
70609
70610
70611
70612
70613
70614
70615
70616
70617
70618
70619
70620
70621
70622
70623
70624
70625
70626
70627
70628
70629
70630
70631
70632
70633
70634
70635
70636
70637
70638
70639
70640
70641
70642
70643
70644
70645
70646
70647
70648
70649
70650
70651
70652
70653
70654
70655
70656
70657
70658
70659
70660
70661
70662
70663
70664
70665
70666
70667
70668
70669
70670
70671
70672
70673
70674
70675
70676
70677
70678
70679
70680
70681
70682
70683
70684
70685
70686
70687
70688
70689
70690
70691
70692
70693
70694
70695
70696
70697
70698
70699
70700
70701
70702
70703
70704
70705
70706
70707
70708
70709
70710
70711
70712
70713
70714
70715
70716
70717
70718
70719
70720
70721
70722
70723
70724
70725
70726
70727
70728
70729
70730
70731
70732
70733
70734
70735
70736
70737
70738
70739
70740
70741
70742
70743
70744
70745
70746
70747
70748
70749
70750
70751
70752
70753
70754
70755
70756
70757
70758
70759
70760
70761
70762
70763
70764
70765
70766
70767
70768
70769
70770
70771
70772
70773
70774
70775
70776
70777
70778
70779
70780
70781
70782
70783
70784
70785
70786
70787
70788
70789
70790
70791
70792
70793
70794
70795
70796
70797
70798
70799
70800
70801
70802
70803
70804
70805
70806
70807
70808
70809
70810
70811
70812
70813
70814
70815
70816
70817
70818
70819
70820
70821
70822
70823
70824
70825
70826
70827
70828
70829
70830
70831
70832
70833
70834
70835
70836
70837
70838
70839
70840
70841
70842
70843
70844
70845
70846
70847
70848
70849
70850
70851
70852
70853
70854
70855
70856
70857
70858
70859
70860
70861
70862
70863
70864
70865
70866
70867
70868
70869
70870
70871
70872
70873
70874
70875
70876
70877
70878
70879
70880
70881
70882
70883
70884
70885
70886
70887
70888
70889
70890
70891
70892
70893
70894
70895
70896
70897
70898
70899
70900
70901
70902
70903
70904
70905
70906
70907
70908
70909
70910
70911
70912
70913
70914
70915
70916
70917
70918
70919
70920
70921
70922
70923
70924
70925
70926
70927
70928
70929
70930
70931
70932
70933
70934
70935
70936
70937
70938
70939
70940
70941
70942
70943
70944
70945
70946
70947
70948
70949
70950
70951
70952
70953
70954
70955
70956
70957
70958
70959
70960
70961
70962
70963
70964
70965
70966
70967
70968
70969
70970

This report has been reviewed by the RADC Public Affairs Office (PA) and is releasable to the National Technical Information Service (NTIS). At NTIS it will be releasable to the general public, including foreign nations.

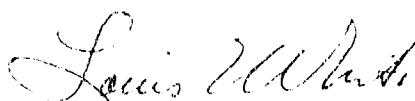
RADC-TR-82-161 has been reviewed and is approved for publication.

APPROVED:



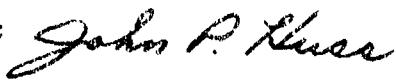
PATRICK J. MARTONE, Capt, USAF
Project Engineer

APPROVED:



LOUIS E. WHITE, Lt Col, USAF
Acting Chief
Surveillance Division

FOR THE COMMANDER:



JOHN P. HUSS
Acting Chief, Plans Office

If your address has changed or if you wish to be removed from the RADC mailing list, or if the addressee is no longer employed by your organization, please notify RADC (OCSE) Griffiss AFB NY 13441. This will assist us in maintaining a current mailing list.

Do not return copies of this report unless contractual obligations or notices on a specific document requires that it be returned.

ADVANCED IMAGING TRACKER

Dr. L. E. Schmutz

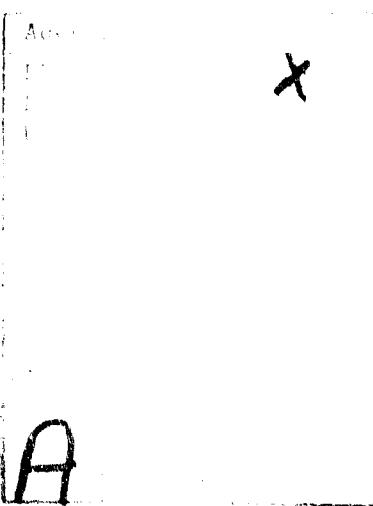
Contractor: Adaptive Optics Associates, Inc.
Contract Number: F30602-80-C-0216
Effective Date of Contract: 23 June 1980
Contract Expiration Date: 31 January 1982
Short Title of Work: Advanced Imaging Tracker
Program Code Number: 1E20
Period of Work Covered: Jun 80 - Dec 81

Principal Investigator: Dr. Larry Schmutz
Phone: 617 547-2786

Project Engineer: Captain Patrick J. Martone
Phone: 315 330-3145

Approved for public release; distribution unlimited.

This research was supported by the Defense Advanced Research Projects Agency of the Department of Defense and was monitored by Capt Patrick J. Martone (RADC/OCSE), Griffiss AFB NY 13441 under Contract F30602-80-C-0216.



UNCLASSIFIED

SECURITY CLASSIFICATION OF THIS PAGE (Refers to entire document)

REPORT DOCUMENTATION PAGE		READ INSTRUCTIONS BEFORE COMPLETING FCRM
1. REPORT NUMBER RADC-TR-82-161	2. GOVT ACCESSION NO. AD-A229045	3. RECIPIENT'S CATALOG NUMBER
4. TITLE (and Subtitle) ADVANCED IMAGING TRACKER	5. TYPE OF REPORT & PERIOD COVERED Final Technical Report 10 Jun 80 - 31 Dec 81	
7. AUTHOR(s) Dr. L. E. Schmutz	8. PERFORMING ORG. REPORT NUMBER N/A	
9. PERFORMING ORGANIZATION NAME AND ADDRESS Adaptive Optics Associates, Inc. 2336 Massachusetts Avenue Cambridge MA 02140	10. PROGRAM ELEMENT, PROJECT, TASK AREA & WORK UNIT NUMBERS 62301E C5030106	
11. CONTROLLING OFFICE NAME AND ADDRESS Defense Advanced Research Projects Agency 1400 Wilson Blvd Arlington VA 22209	12. REPORT DATE June 1982	
14. MONITORING AGENCY NAME & ADDRESS (if different from Controlling Office) Rome Air Development Center (OCSE) Griffiss AFB NY 13441	13. NUMBER OF PAGES 186	
16. DISTRIBUTION STATEMENT (of this Report) Approved for public release; distribution unlimited.	15. SECURITY CLASS. (of this report) UNCLASSIFIED	
17. DISTRIBUTION STATEMENT (of the abstract entered in Block 20, if different from Report) Same	15M. DECLASSIFICATION/DOWNGRADING SCHEDULE N/A	
18. SUPPLEMENTARY NOTES RADC Project Engineer: Patrick J. Martone, Capt, USAF (OCSE)		
19. KEY WORDS (Continue on reverse side if necessary and identify by block number) Imaging Tracking Infrared Image Processing Digital Signal Processing Quad Cell		
20. ABSTRACT (Continue on reverse side if necessary and identify by block number) A new imaging-tracker device capable of tracking a distant optical or infrared target at response rates of 8 KHz, and imaging that target at frame rates of 30 Hz to 8x8 pixel resolution has been developed and demonstrated in computer simulation and in hardware implementation. The system uses a simple quad cell detector for both tracking and imaging, employing an advanced scanner system and reconstruction technique to perform imaging image reconstruction and centroid tracking algorithms have been defined		

DD FORM 1 JAN 73 1473 EDITION OF 1 NOV 65 IS OBSOLETE.

UNCLASSIFIED

SECURITY CLASSIFICATION OF THIS PAGE (When Data Entered)

UNCLASSIFIED

SECURITY CLASSIFICATION OF THIS PAGE (When Data Entered)

and characterized analytically and numerically in terms of accuracy and signal-to-noise performance. A dedicated high-speed digital processor system was developed and used to implement the imaging and tracking algorithms in conjunction with a specially designed optical breadboard of the imager-tracker system.

UNCLASSIFIED

SECURITY CLASSIFICATION OF THIS PAGE (When Data Entered)

SUMMARY

This technical report describes the results of a two-year investigation into the Advanced Imaging Tracker (AIT), a novel infrared tracking concept which attempts to provide low resolution imagery at frame rates comparable to contemporary FLIR's with simultaneous high-bandwidth target centroid estimation. The initial motivation was to find useful alternative passive tracking systems for the DARPA Talon Gold and LODE programs.

The program was divided into two phases. Phase I, a concept feasibility study, was completed in December 1980. The results of this phase were combined in an Interim Report. The Phase II program effort centered on fabricating a working AIT portable breadboard, containing all optics, electronics, processing hardware and software needed for conducting an AIT experimental test program.

The breadboard was constructed and AIT imaging and tracking demonstrated. During Phase II new classes of imaging and tracking algorithms were defined, analyzed, characterized by computer simulation and implemented in hardware. A special purpose high-speed digital signal processing system, the Programmable Microcoded Processor (PMP), was designed, fabricated, tested and coded. The optical system is capable of visible and IR operation, and includes a dynamic target simulator for system testing. An extensive software base was written to support algorithm development, system simulation, experimental data analysis, and interactive control. A color display system was integrated with the breadboard system for pseudo-color image output and diagnostic display. The system is ready for use in an experimental program of AIT imaging and tracking performance.

TABLE OF CONTENTS

	<u>Page</u>
1.0 INTRODUCTION	1
1.1 AIT Concept	1
1.2 Aim-Point Maintenance	4
1.3 AIT Program Goals	7
2.0 THEORETICAL FORMULATION: IMAGING	9
2.1 The I ³ Sensor	9
2.2 Nutation of Extended Objects	12
2.3 The AIT Image Reconstruction Algorithm	13
2.4 Properties of the Reconstruction Algorithm . .	21
3.0 THEORETICAL FORMULATION: TRACKING	25
3.1 Algorithm Constraints	25
3.2 The SCS Algorithm	28
3.3 The AIT Tracking Algorithm	33
3.4 AIT Tracker S/N	40
4.0 SOFTWARE SIMULATION AND PERFORMANCE CHARACTERIZATION: IMAGING	42
4.1 Computer System	42
4.2 Simulation Structure	45
4.3 Generation of the Back Matrix	48
4.4 Image Quality	51
4.5 Evaluation of Image Noise	53
4.6 Simulation Results	58
4.7 Algorithm Parameter Sensitivity	64
5.0 SOFTWARE SIMULATION: TRACKING	71
5.1 Tracking Performance	77
6.0 BREADBOARD HARDWARE: OPTICAL SYSTEM	81
6.1 Optical Layout	81
6.2 Nutation	86
6.3 Interface Electronics	97

TABLE OF CONTENTS (continued)

	<u>Page</u>
7.0 BREADBOARD HARDWARE: ELECTRONIC PROCESSOR	99
7.1 Processor Requirements	99
7.2 PMP Architecture	100
7.3 AIT Microprogram Structure	104
7.4 Processor Performance	111
7.5 Vector Matrix Multiplier	116
8.0 EXPERIMENTAL SOFTWARE	120
8.1 PMP Support	121
8.2 Bench Support	124
8.3 The Genisco Color Display	126
8.4 General Disk File Handling Utilities	128
9.0 EXPERIMENTAL BREADBOARD RESULTS	129
10.0 SUMMARY AND CONCLUSIONS	136
REFERENCES	139
APPENDIX I: SOFTWARE SUMMARY	140

1.0 INTRODUCTION

1.1 AIT Concept

The Advanced Imaging Tracker (AIT) program undertook to develop a novel tracker-imager concept. The scheme employs a quad-cell detector and an image scanning device to extract from a received optical image its centroid and a low-resolution reconstruction of the image. The system was originally intended as an advance on scanning-FLIR type imaging trackers, since it could provide a much higher centroid tracking rate (4-8 kHz, as opposed to 30 Hz for video-rate FLIR's) while retaining the FLIR image rate (30 Hz).

The AIT concept is described in somewhat more detail in Figure 1.1. Passive infrared radiation (dashed line) from a distant target is received by a telescope and transmitted to the AIT through some optical relay system including, in this case, a set of fast tilt mirrors for fine track on the target. In this example, the telescope is part of an HEL beam director system, so that a Shared Aperture Device is included in the optical path.

The optical layout of the AIT itself is shown figuratively at bottom left in the diagram. Here the major components of the AIT are shown. A carefully prepared optical plane wave (solid), whose amplitude may be controlled by a modulator, is combined with the incoming IR from the telescope, and reflected into the remaining tracker optics. The plane wave is used as a highly accurate tilt reference, which may be used for differential measurement of the image centroid in the focal plane, removing measurement errors

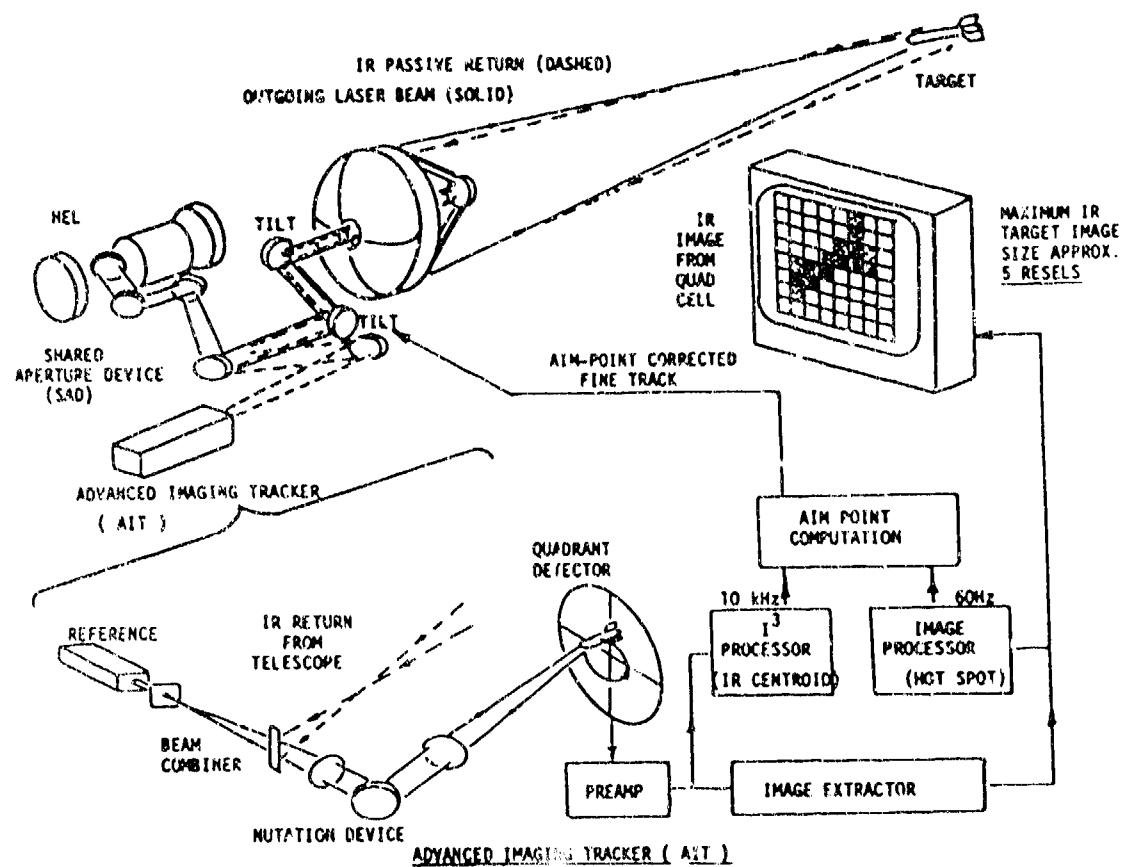


FIGURE 1.1

induced by motion of the AIT optical components, electronics offsets, etc.

The combined beam is passed through a high speed nutation device, depicted here as a tip-tilt mirror. This device deflects the beam in a complex pattern in the focal plane, where it is detected by a simple quadrant detector. The result is a set of four output waveforms, one from each detector, which are passed to a pair of signal processors.

The first of these is based on the centroid extraction technique (the Synchronous Centroid Sampling, or SCS, algorithm) which was developed by AOA for the I³ Sensor wavefront sensor. The details of this process will be discussed in Section 3, but its purpose is to determine the IR centroid of the image, and hence angular position of the target object.

The second processor is used to reconstruct the target image from the detector waveforms. The image information, obtained at relatively slow speed, can then be combined with the high speed centroid data to determine the appropriate aim point for the HEL beam on the target object. The computed aim point results are then applied to the tip-tilt mirrors to maintain system track.

The AIT process therefore consists of three basic steps:

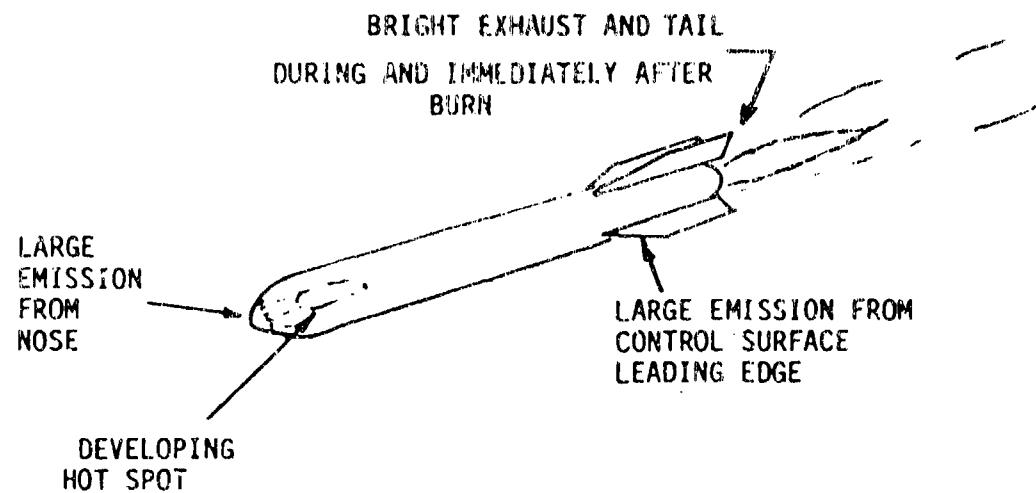
- 1) Nutate the image on a quadrant detector to produce the output waveforms which carry the centroid and image information.
- 2) Process the waveforms for centroid data.
- 3) Process the waveforms for image reconstruction.

1.2 Aim-Point Maintenance

The need for both image and centroid data is outlined in Figure 1.2. Whereas the centroid of the image may be obtained at high speed (at least using the AIT technique) it does not provide sufficient information to stabilize an HEL beam on a relatively small region of an extended target. This is because the target will in general be thermally dynamic; that is, its temperature profile will change in time due both to its intrinsic characteristics and its interaction with the impinging HEL beam. In the example of Figure 1.2, the target is an atmospheric missile. Due to air frictional heating and the different thrust phases of its flight, the temperature distribution on the target will change significantly as the leading edges heat up, the engine area warms, and the exhaust plume vanishes at burnout.

Besides these intrinsic effects, the target will develop a hot spot at the point of initial contact with the HEL beam. For a tracker system in which the HEL aim point is not coincident with the centroid measurement, the contact point would be offset from the centroid of the IR emission of the target alone. As the hot spot develops, however, the centroid will be shifted towards the hot spot, which will in turn change the aim point. This interaction will cause the hot spot to drift on the object, greatly reducing the effectiveness of the HEL.

If information from the full image is available in addition to its centroid, the HEL aimpoint may be calculated as an offset to the IR centroid. This offset can then be updated as the target



AIM POINT MAINTENANCE IS REQUIRED BECAUSE
IR CENTROID CHANGES POSITION ON OBJECT DURING DIFFERENT
PHASES OF FLIGHT AND AS HOT SPOT DEVELOPS. TO KEEP
HOT SPOT STABLE ON OBJECT, AIM POINT OFFSETS FROM IR
CENTROID CAN BE CALCULATED FROM IR IMAGE INFORMATION.

FIGURE 1.2

temperature profile changes, stabilizing the HEL aimpoint. Since the temperature profile is governed by thermal time constants, it varies slowly, on the order of tens of milliseconds, compared with the sub-millisecond jitter rates of the centroid itself (due to effects such as atmospheric disturbance and telescope bearing jitter).

The ATT is therefore intended to yield the combination of fast centroid tracking and slower image reconstruction (at a ratio of about 100:1) required for aim-point maintenance.

1.3 AIT Program Goals

The AIT program was designed to analyze the concept and identify the relevant theoretical and technological issues, characterize the problems and develop solutions, and finally implement the results in a working breadboard imager-tracker.

The problems of imaging and tracking were addressed separately. The tracking problem was treated as an extension of the I³ Sensor measurement technique, and the basic system constraints imposed by the need to track were determined. The imaging problem was then analyzed subject to the tracking constraints, and a formal procedure for obtaining image reconstruction developed. The tracking and imaging algorithms were then evaluated by extensive computer simulation to verify the analytical results. A processing architecture capable of implementing the algorithms was adopted, and a complete processor designed and fabricated, and coded to execute both imaging and tracking processes. A breadboard version of the optical sensor head itself was then constructed, and integrated with a specially built target simulator to test the performance of a complete system. Finally, operation of all components was demonstrated, and image reconstruction experimentally achieved.

In the following sections each of the major areas of program effort are described and results presented. The material is organized topically rather than chronologically, since many of the efforts were parallel; the time sequence implied by the section numbers is however roughly correct.

The AIT program was divided into two parts: a Phase I feasibility study which extended from June 1980 to December 1980, and a Phase II breadboard fabrication and test program conducted from January 1981 to January 1982. The results of Phase I have been repeated and extended, so that this report documents the output of both phases.

2.0 THEORETICAL FORMULATION: IMAGING

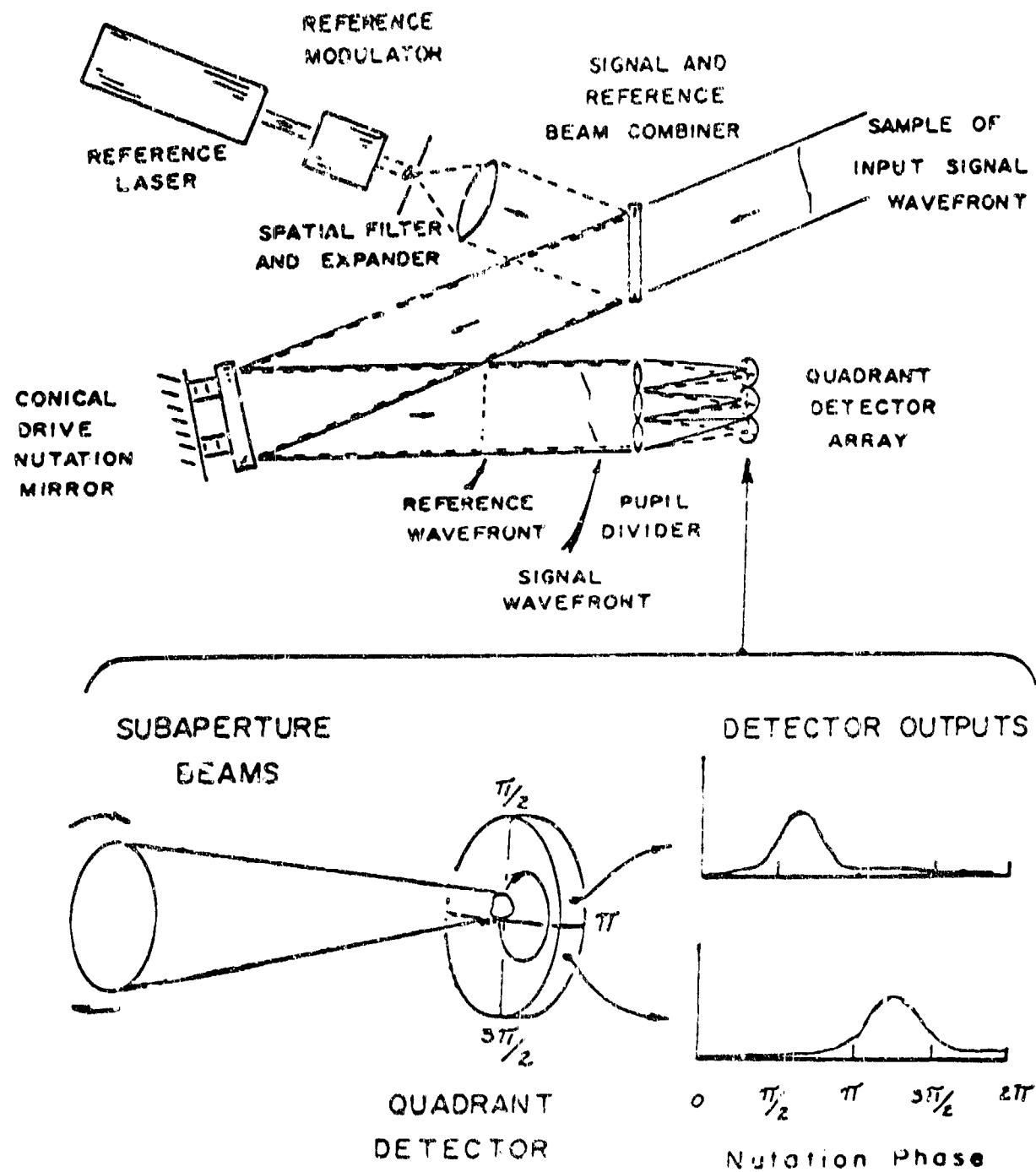
2.1 The I³ Sensor

The AIT tracker-imager is an extension of the I³ Sensor⁽¹⁾ centroid tracker, and it is useful to first examine the simpler I³ Sensor for insight into the operation of the AIT.

Figure 2.1 is a schematic view of the I³ Sensor. Designed as an optical wavefront sensor, it is, in its simplest form, an array of tilt sensors, each measuring the mean tilt in a sub-aperture of the instrument's full input aperture. The resulting 2-D array of wavefront slope measurements can then be used to obtain an estimate of the original wavefront shape.

In operation, the input wavefront is combined with a plane wave which acts as a tilt reference. The reference is switchable, and is used only a small fraction of the time to calibrate the sensor for its own optical and electronic drifts. The wavefronts are then relayed through a nutation device, in the case of the I³ sensor, which imposes a simple circular scan on the beams. The full aperture is then divided into subapertures by an array of sampling lenslets. At the focal plane of each lenslet is a quadrant detector.

The detector focal plane is shown enlarged at the bottom of the figure. As the subaperture focal spot moves in the circular pattern induced by the nutation scan, the detector quadrant outputs vary. The intensity in each quadrant increases as the spot moves

I^3 SENSOR*Principles of Operation

*U.S. Patent No. 4,141,652

FIGURE 2.1

into that quadrant; at the same time the intensity in the adjacent quadrant decreases as the spot leaves. When appropriately demodulated, as described in Section 3, the centroid of the unnnutated focal spot (or the centroid of the circular orbit) is obtained in each subaperture.

Taken individually, each subaperture tilt sensor is a complete centroid tracker. Under the Advanced Imaging Adaptive Optics (AIAO) program, it was shown that the variance σ on the angular measurement is given by

$$\sigma^2 = \frac{2}{\text{SNR}} \left(\frac{\lambda}{D}\right)^2 \text{ (Radians)}^2 \quad (2.1)$$

where SNR = signal-to-noise ratio of the full four-quadrant detector area in the operating bandwidth

λ = wavelength of incident radiation

 D = the subaperture diameter

or, for photon-noise limited operation

$$\sigma^2 = \frac{2}{N} \left(\frac{\lambda}{D}\right)^2 \text{ (radians)}^2 \quad (2.2)$$

where N = number of photons detected during observation period

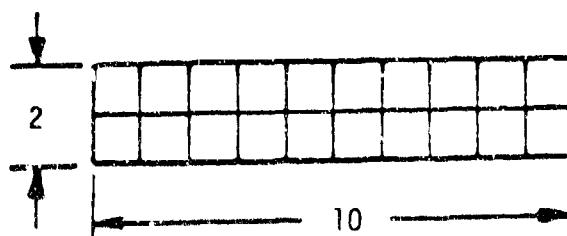
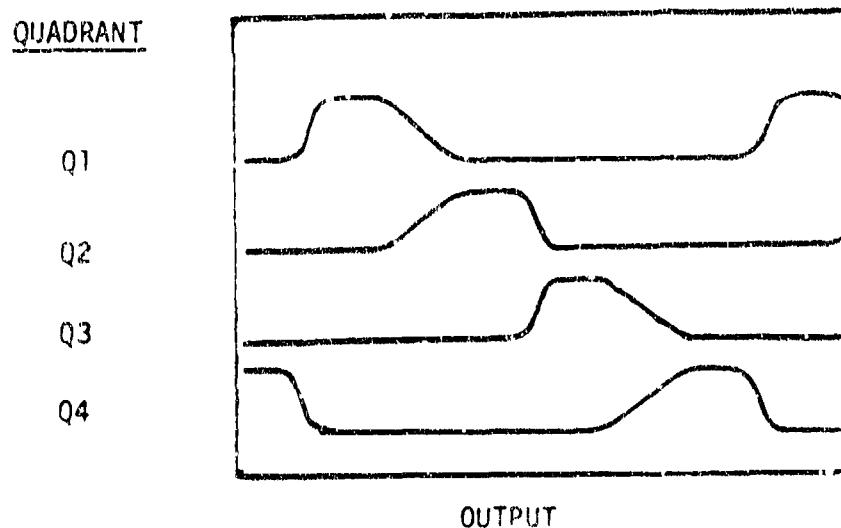
This is within a factor of two of the theoretical performance limit for quad-cell type detection, (2) so that the I³ sensor is a near-optimal centroid tracker.

2.2 Nutation of Extended Objects

By examination of the detector waveforms for an extended object, it can be seen that more information than just centroid data has been encoded by the nutated quad-cell process. Figure 2.2 shows the quad cell outputs for a horizontal bar target having a 5:1 aspect ratio. The waveforms were experimentally measured on a breadboard sensor set-up. The oblong nature of the bar is apparent by the slope differences in the waveforms for, say, the Q1-Q2 transition and the Q2-Q3 transition. As the long axis of the bar crosses between quadrants the transition is gradual, while the transition is abrupt when the narrow axis moves across the quadrant boundary.

The nature of the transformation between image and nutation may be quantified by considering the object to be composed of pixel elements of varying intensity in the image plane. An illustration of the results of such a decomposition is shown in Figures 2.3 and 2.4. In Figure 2.3, three different pixels from a field of 8×8 are shown illuminated. Because of their differing displacements from the quad cell origin, the arcs described by each will result in different residence times for each pixel in the four quadrants. Simulated quadrant outputs for each pixel are shown in Figure 2.4. From these considerations one is invited to make a one-to-one correspondence between each pixel and its characteristic set of waveforms. In the next subsection, the time sampled versions of these waveforms will be called pixel vectors.

NUTATED QUAD CELL OUTPUT FOR EXTENDED OBJECT



OBJECT SHAPE

FIGURE 2.2

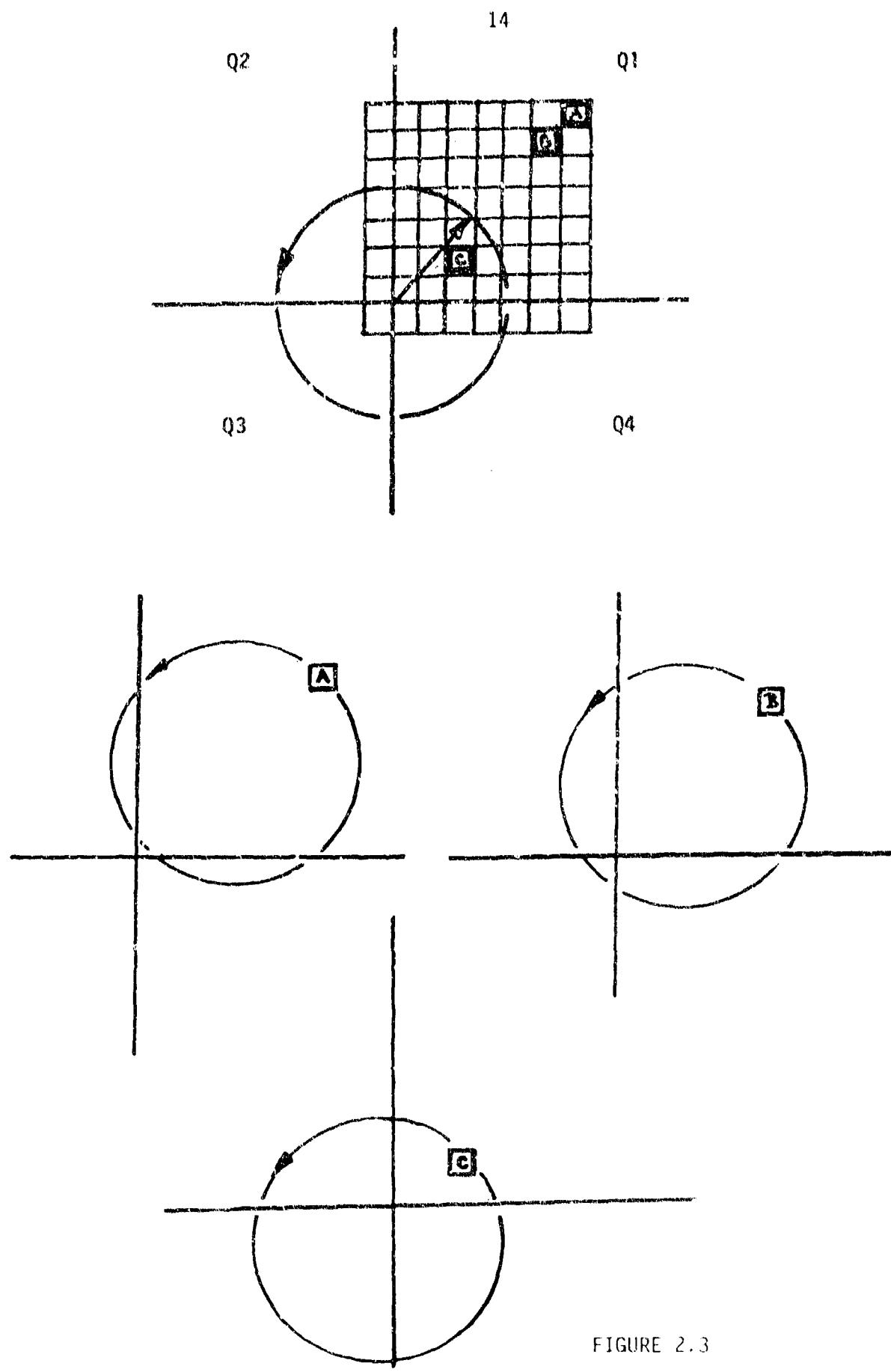


FIGURE 2.3

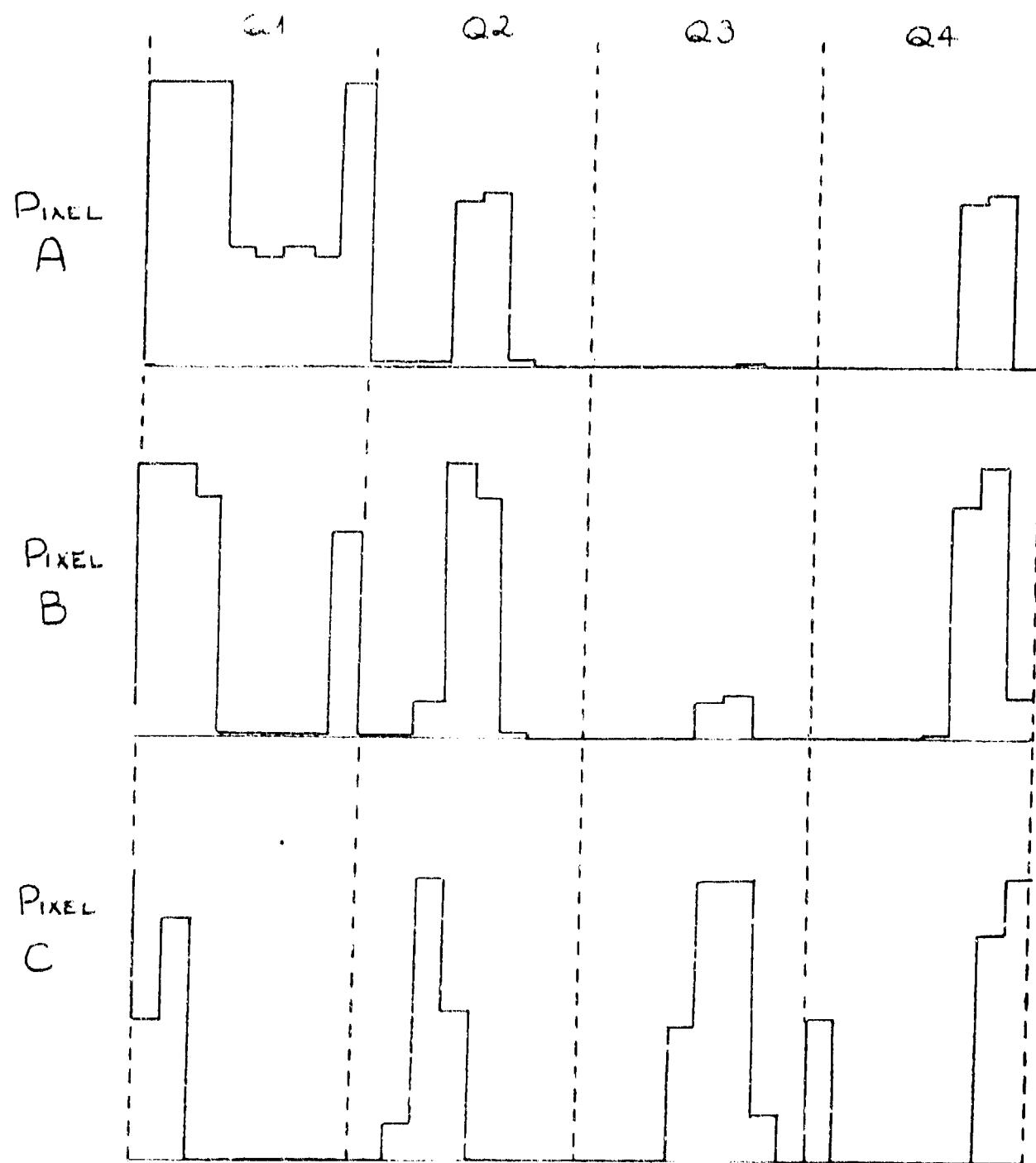


FIGURE 2.4

The process of nutation and quad cell detection can therefore be viewed as a linear transformation between the pixel representation of the image and a pixel vector representation. This concept is illustrated in Figure 2.5. In order that the pixel vector representation be complete, certain sampling constraints must be observed. As will be seen in subsection 2.3, this consideration leads to the use of more complex nutation patterns than the circle (which likewise complicates the tracking process, as seen in Section 3). The image reconstruction problem is then seen as analogous to using an inverse transformation of the nutation process to obtain the original image. In the next section a procedure for finding this transformation is developed.

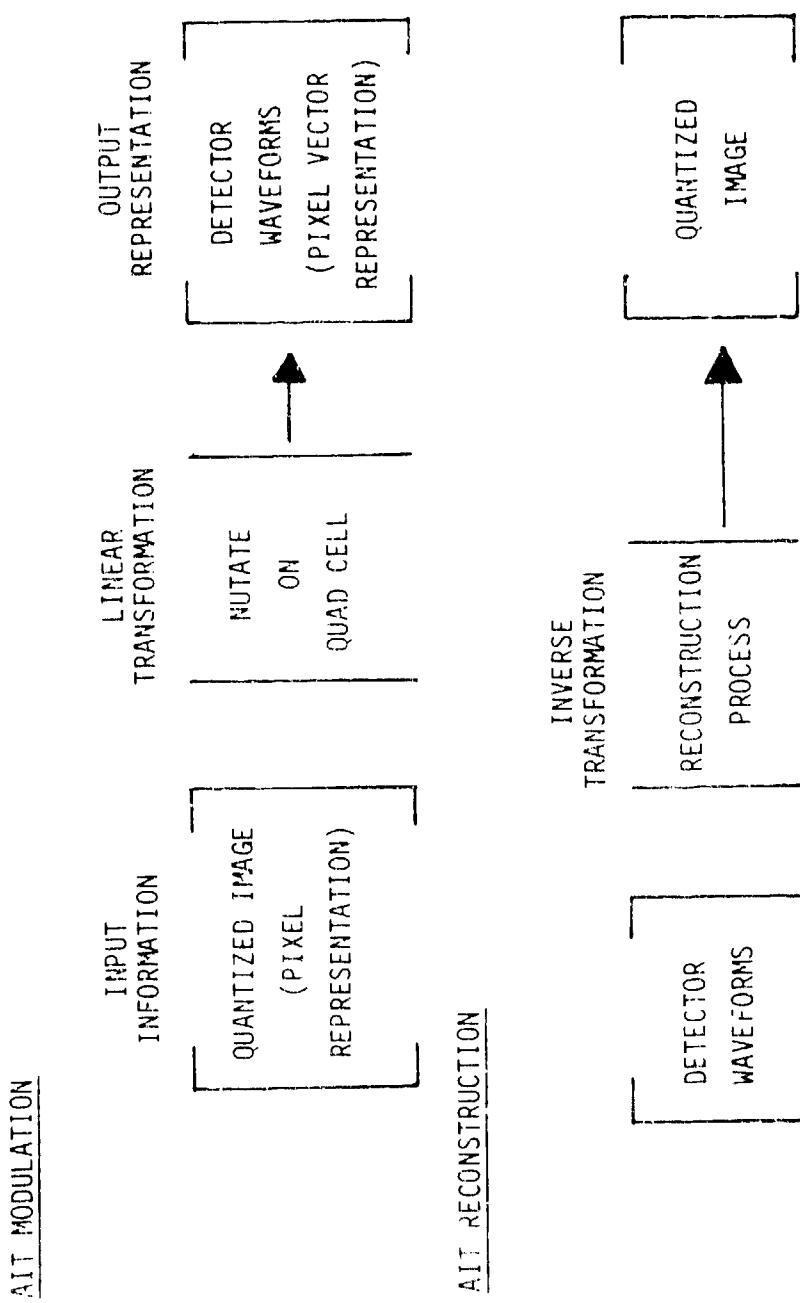


FIGURE 2.5

2.3 The AIT Image Reconstruction Algorithm

The AIT imaging algorithm reconstructs the input image by solution of the matrix equation which relates the detector output waveforms to the image intensity distribution for a given nutation pattern. In order to define this equation, we consider an $N \times N$ element square pixel field which will contain the image. If the amplitude of the i^{th} pixel is given by the scalar A_i , then the entire image can be defined by a vector containing all pixel amplitudes.

$$\begin{aligned} \vec{A} = & A_1 \\ & \cdot \\ & \cdot \\ & A_N^2 \end{aligned} \tag{2.3}$$

Consider an image in which only the i^{th} pixel is illuminated with unit amplitude, i.e.,

$$\begin{aligned} A_i &= 1 \\ A_{k \neq i} &= 0 \end{aligned} \tag{2.4}$$

This will result in a specific detector output waveform when nutated on the quad cell. If the four detector outputs are time sampled with $4N^2$ samples taken as a full nutation pattern is scanned, the $16N^2$ detector output samples corresponding to unit illumination of the i^{th} pixel define the vector, called a pixel vector:

$$\begin{aligned}
 \vec{p}_i &= p_{11} \\
 &\vdots \\
 &Q = 1 - 4 \text{ Quadrant number} \\
 p_{QM} & \\
 &\vdots \\
 &M = 1 - 4N^2 \text{ Time sample number} \\
 p_{4N^2} &
 \end{aligned} \tag{2.5}$$

There is a unique pixel vector \vec{p} associated with each pixel in the image field. The detector output vector \vec{D} is defined similarly to \vec{p} but is the response to a general image input \vec{A} . The vector \vec{D} can be described as a linear combination of the unit pixel vectors \vec{p} , and this relationship can be formalized by arranging the pixel vectors to form a forward matrix \underline{F}

$$\underline{F} = \vec{p}_1 \dots \vec{p}_{N^2} \tag{2.6}$$

The relationship between the input image \vec{A} and detector outputs \vec{D} can be stated

$$\underline{F} \vec{A} = \vec{D} \tag{2.7}$$

Since \vec{D} is the measured variable and \vec{A} the desired result (the image), this equation must be solved for \vec{A} . This can be done formally by defining a backward matrix \underline{B} which is an inverse of \underline{F} .

$$\underline{B} \underline{F} = \underline{I} \quad \underline{I} \text{ is the identity matrix} \tag{2.8}$$

That gives

$$\begin{array}{c}
 \vec{A} = \underline{B} \vec{D} \\
 \text{matrix} \quad \text{backward} \quad \vec{D} \\
 \text{matrix} \quad \text{vector}
 \end{array} \tag{2.9}$$

The matrix \underline{F} is non-square (having dimension $N^2 \times 16N^2$ for a nutation pattern with ideal sampling), so that \underline{B} can be any of the possible pseudo-inverses of \underline{F} . The pseudo-inverse having minimum variance for noisy input is defined by

$$\underline{B}_{\min} = (\underline{F}^T \underline{F})^{-1} \underline{F}^T \quad (2.10)$$

Reconstruction of an image from quadrant detector outputs requires a nutation pattern sufficiently complex to unambiguously sample all pixels in the required reconstruction field. That is, the spatial Nyquist criterion of at least two samples per linear dimension per pixel must be obtained. In terms of AIT, the image must be nutated so that the quad cell axes fall at four distinct sample points in each pixel. For perfectly uniform sampling, this implies $4N^2$ samples per quadrant for a total of $16N^2$ samples needed for an alias-free reconstruction, where N is the number of pixels across one edge of a square field.

Here the spatial Nyquist criteria of sufficient sampling is specified by the existence of the inverse $(\underline{F}^T \underline{F})^{-1}$.

2.4 Properties of the Reconstruction Algorithm

As stated earlier, the back matrix B (equation 2.10) will yield the minimum norm estimate of the image from the input data D .⁽³⁾ The exact relationship between the variance on the reconstructed image pixels and the system noise is derived below.

2.4.1 AIT Imaging Noise

The AIT imaging process is a multiplexed detector approach. Although the nutated quad cell detector arrangement yields a very efficient centroid tracker, its use as an imager is a compromise from a signal-to-noise standpoint. In the following sections an expression for the noise propagator from detector output to image output is derived.

AIT Noise Propagator

We will use the definitions:

A_i = amplitude of i^{th} pixel in input image (i^{th} entry of image vector)

ΔA_i = noise in i^{th} pixel (zero mean random variable)

B_{ij} = back matrix coefficient for i^{th} pixel and j^{th} detector sample

D_j = j^{th} detector sample (j^{th} entry of detector vector)

ΔD_j = detector sample noise (zero mean random variable)

We wish to determine the variance squared in the i^{th} pixel after one frame. This will be given by

$$\langle (A_i + \Delta A_i)^2 \rangle = \langle \left(\sum_j B_{ij} (D_j + \Delta D_j) \right)^2 \rangle \quad (2.11)$$

where $\langle \rangle$ denotes expected value, and the sum is over the j detector values.

Expanding

$$\langle (A_i)^2 + 2\Delta A_i A_i + (\Delta A_i)^2 \rangle = \langle \left(\sum_j B_{ij} D_j + \sum_j B_{ij} \Delta D_j \right)^2 \rangle$$

$$\langle (A_i)^2 \rangle + \cancel{\langle (2\Delta A_i A_i) \rangle} + \langle (\Delta A_i)^2 \rangle = \langle \left(\sum_j B_{ij} D_j \right)^2 + 0 \text{ since } \Delta A_i \text{ has zero mean} \rangle$$

$$2 \left(\sum_j B_{ij} D_j \sum_j B_{ij} \Delta D_j \right) + \langle \left(\sum_j B_{ij} \Delta D_j \right)^2 \rangle$$

$$\langle (A_i)^2 \rangle + \langle (\Delta A_i)^2 \rangle = \langle (A_i)^2 \rangle + \langle 2 \left(\sum_j B_{ij} D_j \sum_j B_{ij} \Delta D_j \right) \rangle + \langle \left(\sum_j B_{ij} \Delta D_j \right)^2 \rangle$$

$$\langle (\Delta A_i)^2 \rangle = \langle 2 A_i \cancel{\sum_j \Delta D_j} + \langle \left(\sum_j B_{ij} \Delta D_j \right)^2 \rangle \rangle$$

variance squared
in i^{th} pixel

0
since ΔD_j has
zero mean

$$= \langle \left(\sum_j B_{ij} \Delta D_j \right)^2 \rangle \quad (2.12)$$

$$= \langle \left(\sum_j B_{ij} \Delta D_j \right) \left(\sum_j B_{ij} \Delta D_j \right) \rangle$$

$$= \left\langle \left(\sum_j (B_{ij} \Delta D_j) \right)^2 \right\rangle \quad (2.13)$$

because terms like $\left\langle B_{ik} \Delta D_k B_{il} \Delta D_l \right\rangle = 0$
since ΔD_j is a random variable.

$$\begin{aligned} &= \sum_j \left\langle (B_{ij} \Delta D_j)^2 \right\rangle \\ \left\langle (\Delta A_i)^2 \right\rangle &= \sum_j B_{ij}^2 \left\langle \Delta D_j^2 \right\rangle \quad (2.14) \end{aligned}$$

We have the result that the variance squared in the i^{th} pixel brightness is given by the variance squared on the detector samples times the sum of the squares of the i^{th} column of the back matrix.

The quantity $\left\langle \Delta D_j^2 \right\rangle$ can be related to the detector noise power by the expression

$$\left\langle \Delta D_j^2 \right\rangle = \frac{N_{TAIT}}{\Delta T_{\text{FRAME}}} (P_{NAIT})^2$$

where N_{TAIT} = number of time steps in nutation pattern;
minimum $4N$, where N is total # of pixels

ΔT_{FRAME} = duration of nutation pattern (frame time)

P_{NAIT} = noise power for detectors in $(\text{Hz})^{-\frac{1}{2}}$
(detector must cover full 8×8 F.O.V.)

∴ for AIT

$$\left\langle (\Delta A_i)^2 \right\rangle_{AIT} = \sum_j B_{ij}^2 \frac{N_{TAIT}}{\Delta T_{\text{FRAME}}} (P_{NAIT})^2 \quad (2.15)$$

2.4.2 AIT image conditioning characteristics

The formulation of the reconstruction algorithm allows a certain amount of image conditioning to be included in the back matrix \underline{B} , which can have significant engineering implications. Specifically if the forward matrix \underline{E} is generated by a particular hardware AIT system by sequentially presenting the system with point source illumination in each of the pixels in the input representation field and recording the detector outputs, \underline{E} will contain all the effects of the system optical transfer function. The back matrix \underline{B} will include the inverse of the OTF. As a result, resolution loss due to optical aberration, image distortion, and other image defects can be removed in the reconstruction process. The extent to which this can be done depends ~~on~~ the characteristics of the system OTF; significant amounts of deblurring have been achieved using similar techniques. (4) This image conditioning property arises as a desirable side benefit of this reconstruction approach.

3.0 THEORETICAL FORMULATION: TRACKING

3.1 Algorithm Constraints

The twin needs of imaging and tracking act as competitive constraints on the nutation pattern used to scan the object. The spatial Nyquist criteria (Section 2.3) dictate the sampling density needed to provide imagery at a specific resolution. The desire for fast tracking, using an I³ Sensor-like tracker algorithm, requires a sampling sequence which circles the quad cell origin many times for each complete sample set in order to get many centroid estimates per image estimate. In addition, engineering limitations on the nutation device itself, which will be discussed in Section 7, have led to use of a specific class of compound Lissajous figures for nutation patterns. The image field is deflected according to the following set of parametric equations:

$$x_{\text{nut}} = D_{\text{max}} \{ (\sin 2\pi f_n t) (\cos 2\pi (f_n/s)t) \} \quad (3.1)$$

$$y_{\text{nut}} = D_{\text{max}} \{ (\cos 2\pi f_n t) (\sin 2\pi (f_n/s)t) \}$$

D_{max} = pattern size,

f_n = nutation frequency,

S = number of spirals per pattern.

This pattern, referred to as the collapsing ellipse pattern, can be seen as composed of a circular nutation pattern of nutation frequency f_n , multiplied by an amplitude modulation function at frequency f_n/s . The sampling sequence therefore makes S circuits about the quad cell center for every complete pattern. An example

of this pattern, which was used as the benchmark throughout the program, is shown in Figure 3.1. The pattern was designed to cover an 8×8 pixel imaging field. The parameter $S = 15$, and there are 31 sample points taken every spiral, for a total of $31 \times 15 = 465$ samples per image.

Given these basic nutation characteristics, a tracking algorithm can be defined.

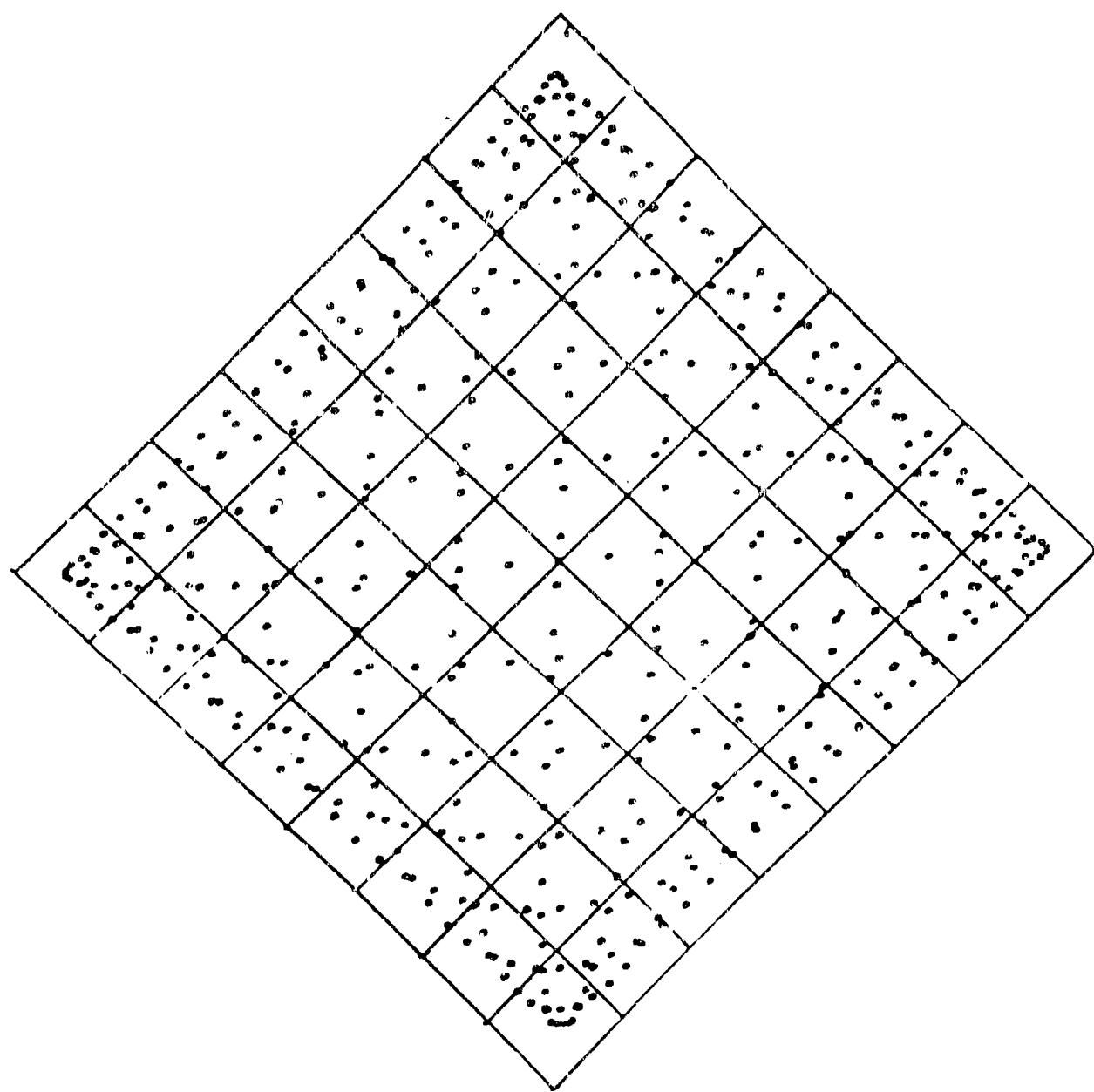


FIGURE 3.1

3.2 The SCS Algorithm

The SCS algorithm can be defined by reference to Figure 3.2. A focal spot corresponding to the target image is nutated on a quad cell. The quadrants are labeled $Q_1 - Q_4$. Four intervals in the nutation cycle are also defined, as periods $T_1 - T_4$, or nutation angular intervals $\theta_1 - \theta_4$, which are equivalent since with circular nutation the spot velocity is constant. Measurements of spot centroid displacement are made at different times for the two axes; x -displacement is measured during periods T_1 and T_3 , while y is measured during T_2 and T_4 . The algorithm defines the spot position, and therefore input tilt, by a numerator proportional to displacement and brightness, and a denominator proportional to brightness only:

$$x_{\text{NUM}} = (Q_1(T_2) - Q_2(T_2)) - (Q_4(T_2) - Q_3(T_2)) + (Q_4(T_4) - Q_3(T_4)) - (Q_1(T_4) - Q_2(T_4)) \quad (3.2)$$

$$x_{\text{DEN}} = (Q_1(T_2) + Q_2(T_2)) - (Q_4(T_2) + Q_3(T_2)) + (Q_4(T_4) + Q_3(T_4)) + (Q_1(T_4) + Q_2(T_4)) \quad (3.3)$$

$$x = \frac{x_{\text{NUM}}}{x_{\text{DEN}}} \quad (3.4)$$

The motivation for this definition can be seen by separately examining the effects of each term. The differences $Q_1(T_2) - Q_2(T_2)$ and $Q_4(T_4) - Q_3(T_4)$ correspond to measuring the intensity imbalance between right and left half-planes, during those times when the spot is expected in those quadrants, which occurs due to spot displacement. The imbalance occurs because a shift of the spot appears as a shift in the center of the nutation circle, as shown

in Figure 3.3. The imbalance between the signals integrated from each quadrant can be interpreted as proportional to the differences in arc lengths bounded by the integration intervals and quad cell boundaries, as shown in the figure.

The other numerator terms $Q_4(T_2) - Q_3(T_2)$ and $Q_1(T_4) - Q_2(T_4)$ are the power differences seen when the focal spot is not present in the respective quadrants. For an ideal, sharply bounded spot, the second set of terms should represent differences only in background radiation or detector responses, and serve to cancel these contributions from the first set, so that the numerator becomes sensitive to the spot only. For spots whose radii exceed the size of the nutation radius, or for less well bounded spots (such as the Airy pattern or Gaussian distributions commonly encountered) the spot intensity is never wholly absent from a quadrant even though nutation may have moved the spot farthest away from that quadrant during a cycle; in these cases spot power as well as background power is cancelled from the numerator, and modulation efficiency is reduced. The relationship between object size and nutation radius is therefore an important consideration.

For objects smaller than the nutation radius, the scale of the displacement is given by the nutation radius, that is, the output of the algorithm gives displacements as fractions of the nutation radius. The response of the algorithm as a function of nutation radius is summarized in Figure 3.4. At small radii, the sensitivity is determined by the spot size, while at large radii the nutation radius sets the sensitivity.

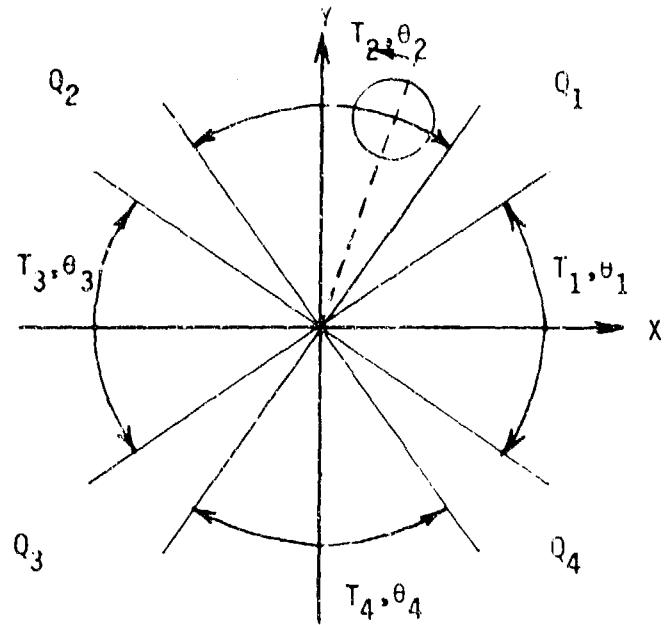


FIGURE 3.2

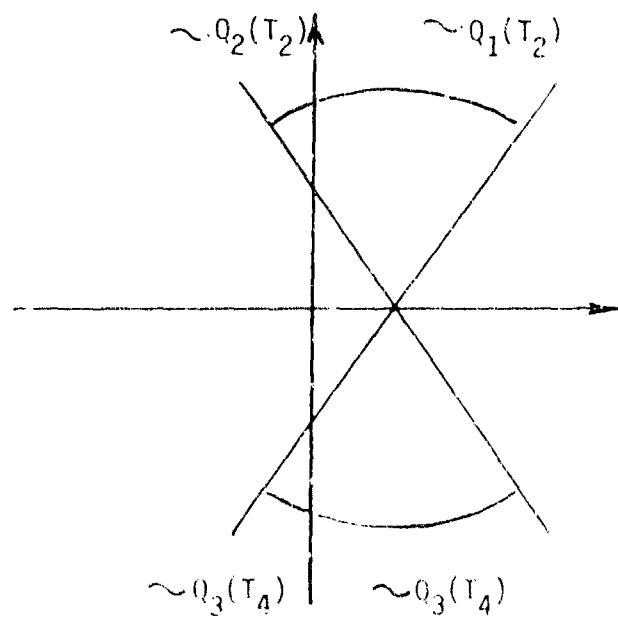


FIGURE 3.3

The function of the denominator is to normalize the output to spot brightness. It can be seen as a sum of left and right half-plane terms, rather than a difference as in the numerator. Background cancelling terms are still present.

The algorithm for y-axis information is similarly defined, using the time intervals T_1 and T_4 . Note that y-axis information is obtained 90° out of phase with x-axis information during the cycle.

It is important to emphasize that the background-cancelling terms make the SCS algorithm an AC algorithm. The position information is impressed on a carrier at the nutation rate. Out of band noise, in particular $1/f$ noise, is rejected by the same cancelling action as removes background illumination.

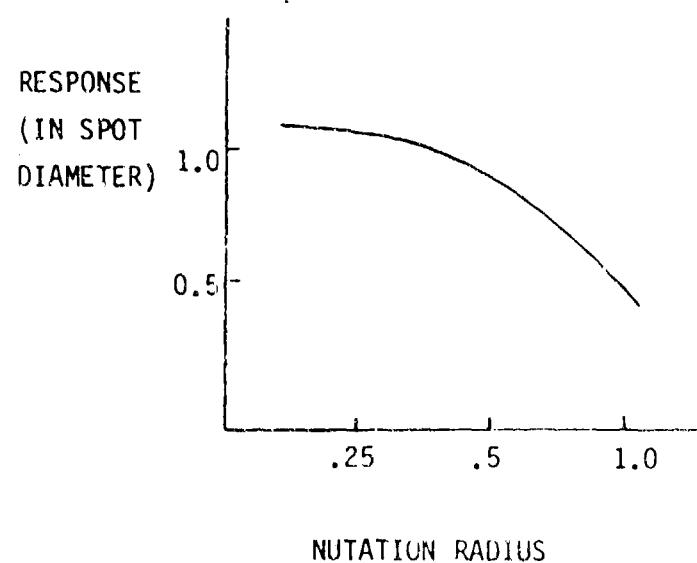


FIGURE 3.4

3.3 The AIT Tracking Algorithm

Significant modifications must be made to the SCS algorithm to accommodate the AIT nutation pattern. Some performance loss might be expected, but the following features should be retained:

1) AC operation. The continued recognition that many of the AIT applications will be in infrared systems means that AC demodulation must be implemented to avoid 1/f noise and uniform background illumination problems.

2) Bandwidth. A closed figure is described once every 15 times the spot orbits the center; imaging is updated every time a full pattern is completed. This will be referred to as a major cycle, as shown in Figure 3.5. The separate traversals will be denoted minor cycles; one example is shown in Figure 3.6. In order to retain the AIT feature of tracking at greater rates than imaging, tracker data should be obtained at the minor cycle rate, which is 15 times that of the major cycle, or imaging rate. This complicates the problem further, since each minor cycle is different from the others, requiring a different algorithm form for each.

3) Well-defined scale factor. In the SCS algorithm, the scale factor is defined by the nutation radius as long as the object size is smaller than that radius. In the AIT nutation pattern, it is clear that there exists no single nutation radius, so that the scaling of the output becomes less obvious. Since varying size objects will be observed, the algorithm must be adaptable to varying object extent.

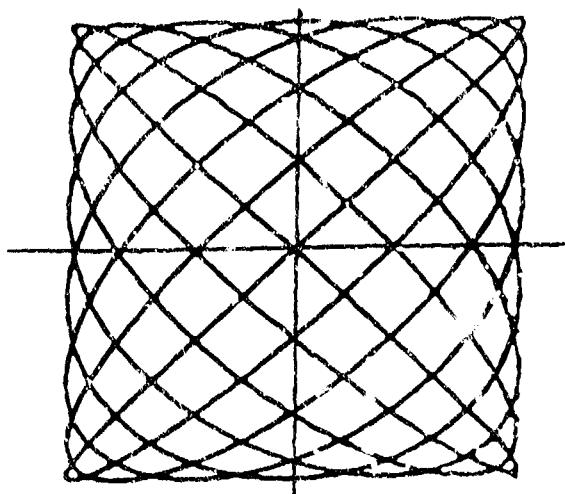


FIGURE 3.5. AIT MAJOR CYCLE

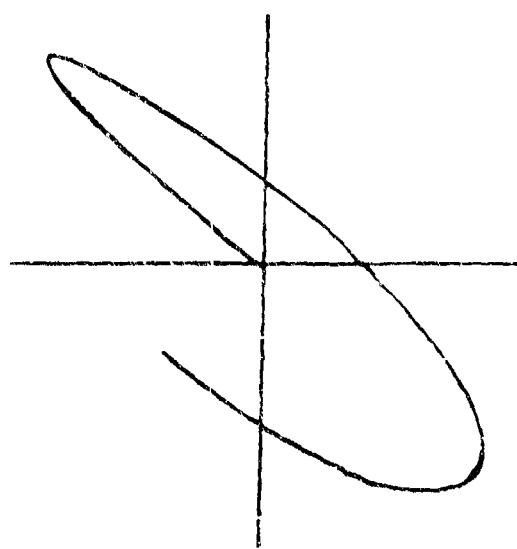


FIGURE 3.6. AIT MINOR CYCLE

Using these criteris, we now outline a general prescription for an AIT tracker algorithm, which uses a form analogous to eq. (3.2) - (3.4):

$$x_{\text{num}}(M) = \sum_{N_2(M)} (Q_1(N_2) - Q_2(N_2)) - \sum_{N_2(M)} (Q_4(N_2) - Q_3(N_2)) + \sum_{N_4(M)} ((Q_4(N_4) - Q_3(N_4)) - \sum_{N_4(M)} (Q_1(N_4) - Q_2(N_4))) \quad (3.5)$$

$$x_{\text{den}}(M) = \sum_{N_2(M)} (Q_1(N_2) + Q_2(N_2)) - \sum_{N_2(M)} (Q_4(N_2) + Q_3(N_2)) + \sum_{N_4(M)} (Q_4(N_4) + Q_3(N_4)) - \sum_{N_4(M)} (Q_1(N_4) + Q_2(N_4)) \quad (3.6)$$

$$X(M) = S_X(M) \frac{x_{\text{num}}(M)}{x_{\text{den}}(M)} + x_{\text{off}}(M) \quad (3.7)$$

Here the quadrant outputs are referenced to a sample number N of a minor cycle M , where for the current AIT $N \leq 31$, $M \leq 15$, the separate sets of samples $N_1 - N_4$ are analogous to the intervals $T_1 - T_4$ in the SCS algorithm, and define which samples are used to form an interval. This procedure will be discussed in detail below. The term $x_{\text{off}}(M)$ is an offset correction term that accounts for residual asymmetry in the sample set, which differs for different minor cycles. The factor $S(M)$ is a scale correction factor, which defines a nominal or average nutation radius for the cycle.

Consider the example of Figure 3.7. A minor cycle is shown (actually the most difficult of the cycle shapes to treat), with its 31 sample segments marked. The two circles indicate two example object sizes of radius 1 pixel (2 pixel diameter) and 2

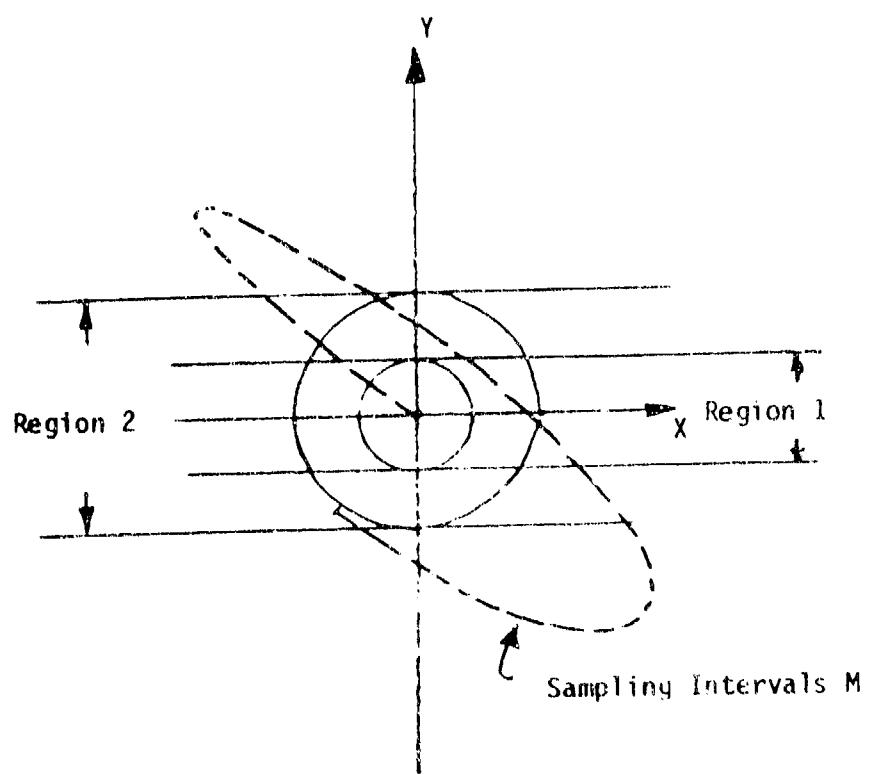


FIGURE 3.7

pixels (4 pixel diameter). To measure an X -displacement using an SCS-type algorithm, the object must be entirely above or below the x -axis. For Y -measurements, the object must be completely to the left or right of the y -axis. This insures that the measurement is independent of object size. Based on this notion, all samples outside Region 1 can be included for the small object, and those outside Region 2 can be used with the large object.

A second constraint is that a sampling interval must extend at least an object width to either side of the axis which it crosses during the measurement interval. The intervals ultimately defined by these constraints are shown in Figures 3.8 and 3.9 for the two and four pixel diameter objects respectively.

Note that for the four pixel spot, x -axis information cannot be obtained in this minor cycle, since there are no samples in Quadrant 1. Y -information for this large object would have to be obtained from other minor cycles with more amenable shapes.

The response of the algorithm for any chosen minor cycle and object size can be calculated for a point-object, essentially by measuring the x - or y -axis components of the included arc lengths in the measurements. By obtaining values of $X(M)$ for a zero-offset spot and a unit offset spot (for a given M), the constants $S(M)$ and $X_{off}(M)$ can be obtained from equation (3.7).

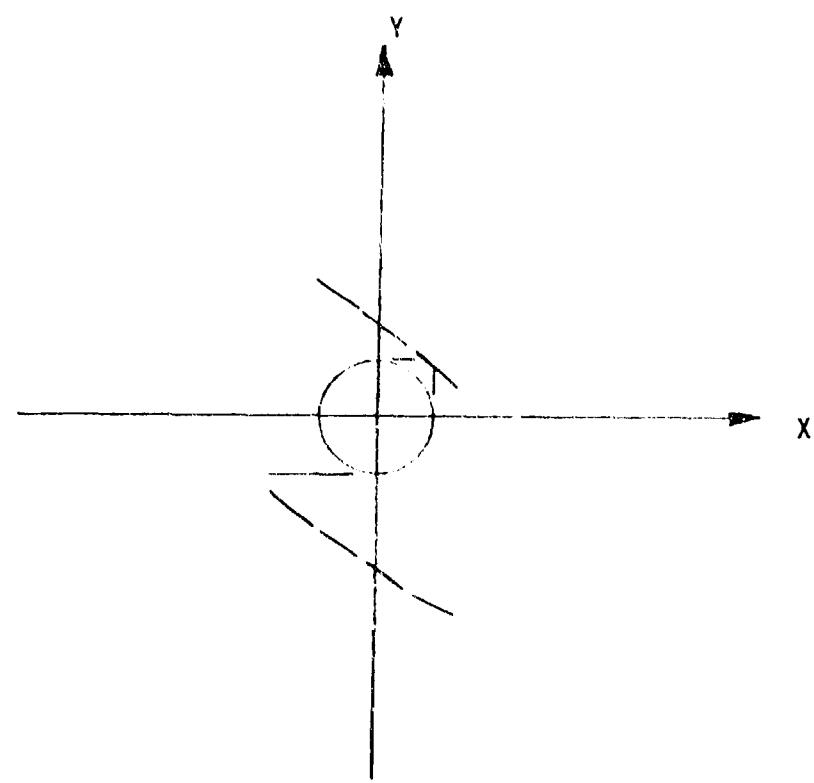


FIGURE 3.8. Usable arc lengths for 2 pixel diameter object.

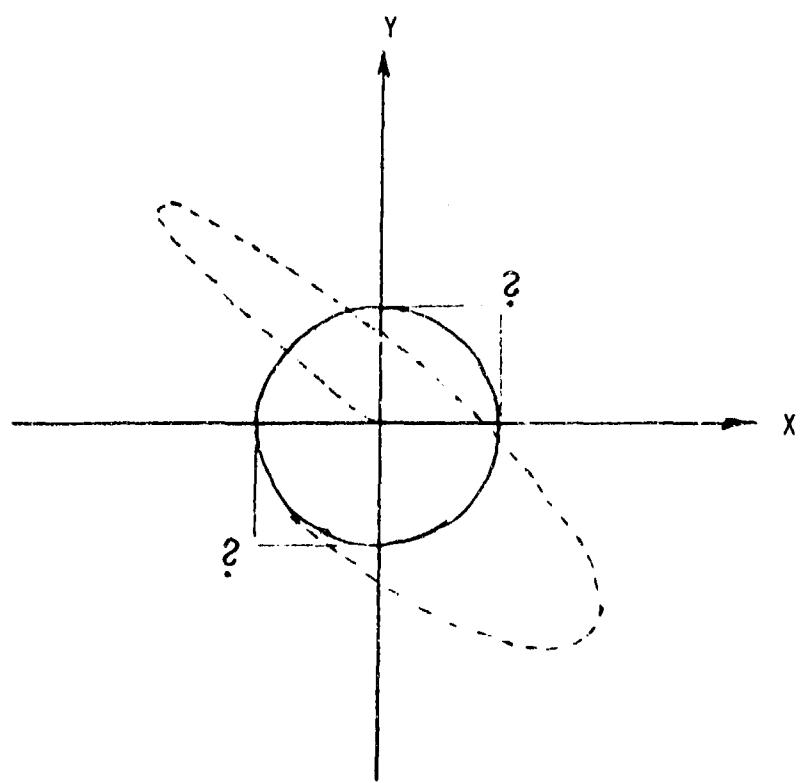


FIGURE 3.9. Object size (4 pixel) exceeds available arc lengths.

3.4 AIT Tracker S/N

The expression for angular measurement variance, eq. (2.1), of the I³ Sensor can be modified to provide an estimate of the AIT tracker S/N performance. Two observations must be made. One, eq. (2.1) is true for a system operating at optimal nutation radius, that is

$$r_N = \frac{\lambda}{D} \quad (3.8)$$

where r_N is the nutation radius, λ the received wavelength, and D the subaperture diameter. The ratio λ/D is the angular resolution of the aperture, so it is seen that best performance occurs with the angular scan radius equal to the pupil angular resolution. In general, for nutation radii larger than λ/D , the variance is given by:

$$\sigma^2 = \frac{2}{SNR} (R_N)^2 \quad (3.9)$$

where R_N is the (not necessarily optimal) angular nutation radius. For AIT, R_N can be replaced by a mean or normalized nutation radius corresponding to an average over the arc used in each minor cycle. For AIT, R_N will nearly always be larger than optimal, to maintain object size insensitivity.

In addition to the variance increase encountered due to nutation size increase, there is also a duty cycle reduction that results from use of only part of the total available arc length; the loss to performance is not exactly equal to the fractional loss of arc length since the samples taken at different nutation angles

contribute differently to the measurement. As a worst case, however, one can assume that the variance is proportionate to the fraction of a nutation cycle used:

$$\beta_{i,j} = \frac{\theta_N}{\pi} \quad (3.10)$$

where $\beta_{i,j}$ refers to the i^{th} axis (x or y) of the j^{th} minor cycle, and θ_N is the total nutation included by the minor cycle.

An upper bound on the AIT tracker variance can therefore be given as

$$\sigma_{i,j}^2 \leq \frac{2}{SNR} R_N^2 \beta_{i,j} \quad (3.11)$$

4.0 SOFTWARE SIMULATION AND PERFORMANCE CHARACTERIZATION: IMAGING

All of the image reconstruction algorithms were characterized using an extensive set of simulation codes run on the AOA Data General computer system. This section discusses the structure and function of the major simulation packages, the procedures involved in constructing the back matrix, and the results obtained using the process to reconstruct images from simulated data sets.

4.1 Computer System

The simulations were run on the Air Force-owned Data General Nova 3/12 system located at AOA. The configuration of this micro-computer system is diagrammed in Figure 4.1. The computer is equipped with 64K words of mapped memory, hardware floating point capability and a ULM I/O port for communication with extra external devices (such as the printer and the PMP) under RS-232 protocol. The system supports two interactive users in foreground/background mode. A floppy disk and a cartridge disc drive (5 MByte fixed, 5 removable) are for mass storage. Hard copy of text is output through a DG/Dasher printing terminal.

Two peripheral systems communicate with the Nova through its backplane, the DG/DAC system and the color display. The DG/DAC laboratory interface includes 4 A/D channels, D/A channels, and 16 bits each of latched TTL inputs and outputs. This system enables computer access to experimental hardware for control and data collection purposes.

This interface was also used to access the AIT interface electronic system, which contains the nutation drive generator and a switched integrator front end for data sampling of the nutation waveforms.

The Genisco Programmable Graphics Processor and associated hardware provide high-speed, medium resolution color graphics capability for pseudo-color image output. This particular system was chosen for its high data transfer rate and color fill speed, which could accommodate the anticipated maximum AIT image rate.

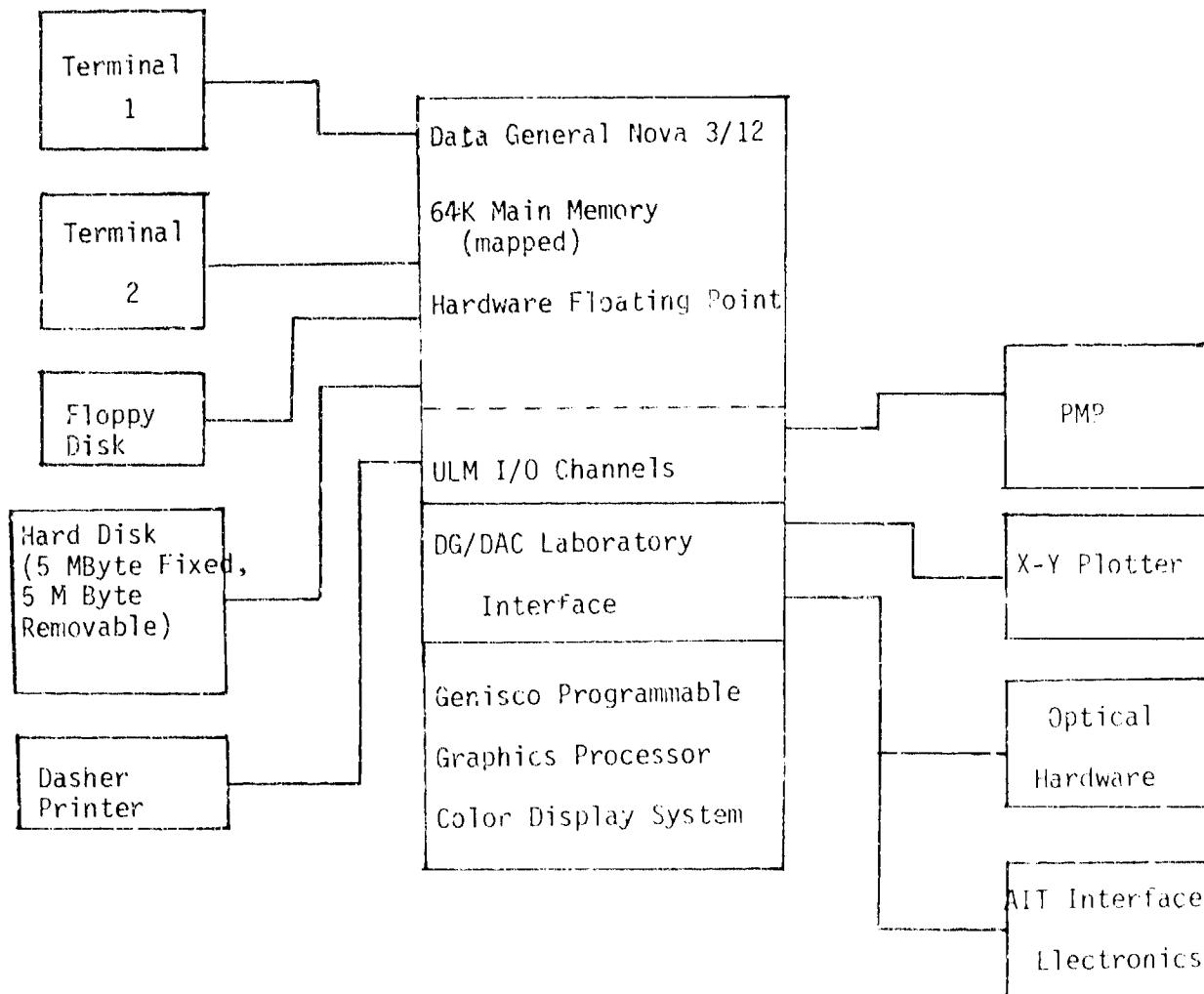


FIGURE 4.1. AOA COMPUTER SYSTEM

4.2 Simulation Structure

To provide unambiguous characterization of algorithm performance and retain the operational flexibility needed to conduct algorithm development, the program structure shown in Figure 4.2 was adopted. Depicted are three system segments, two of which are software constructs.

Complete simulation of a proposed AIT configuration first requires a means for generation of the nutation waveforms associated with the desired input test pattern. This function is performed by program SIMDSK. Originally written to simulate I^3 Sensor outputs under the I^3 Sensor Study program, SIMDSK was expanded to accommodate the more complex nutation patterns used in AIT. SIMDSK is designed to parallel as closely as possible the physical process as done in the experimental set-up. The program accepts a test image defined as a 20 x 20 array of intensity values. This input file is then numerically superimposed on a 40 x 40 element array which defines the quad cell. The quad cell routine can include the effects of nonuniform responsivity and finite gaps between detector elements. The 2-D integral of the power in each detector is calculated and output.

The displacement between the image and quad cell coordinate systems can be set by the operator (as an input tip and tilt) and by another file containing the description of the nutation pattern. The detector output calculation is repeated for each of the spot positions defined in the nutation file. The result is a vector of detector values given as a function of nutation, i.e. a quad cell waveform set.

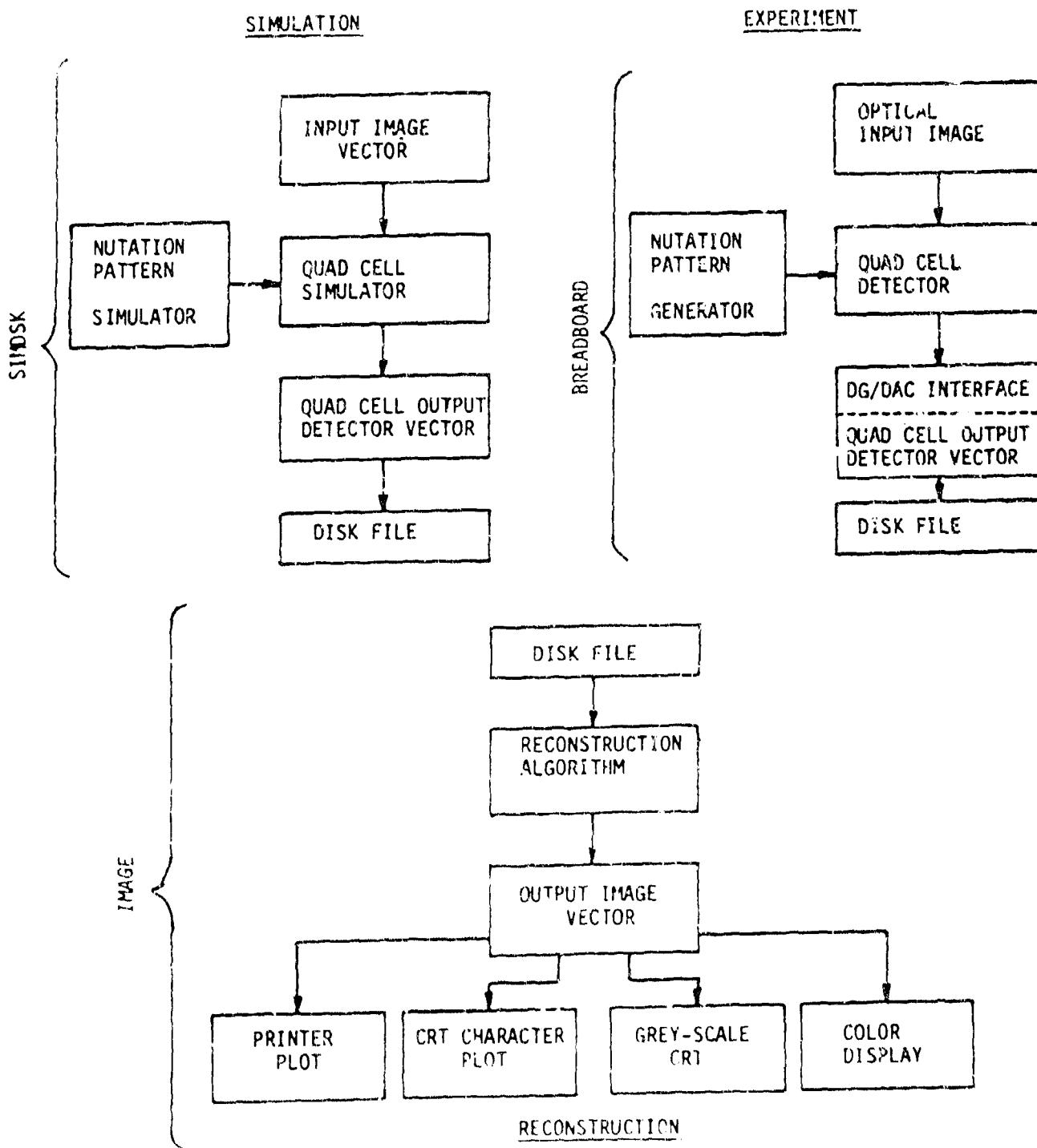


FIGURE 4.2

The simulated quad cell outputs are stored in a disk file for later access. Generation of a detector waveform can take up to an hour, depending on the resolution used in the calculation.

For reconstruction of the nutated image, the program IMAGE is used. The input to image is the disk file containing a nutation waveform. A reconstruction algorithm is then called, which is selectable by the user. Normally this would involve data conditioning steps and then multiplication of the detector vector by the back matrix. The output image vector can then be displayed by a variety of peripheral devices, such as a printer plot, grey-scale oscilloscope display, or the Genisco color display.

4.3 Generation of the Back Matrix

The computational magnitude of the pseudo-inverse generation step is considerable, and at this time the problem will be scaled by introducing the specific parameters used in the AIT program, as listed in Table 4.1.

<u>Parameter</u>	<u>Size</u>	<u>Quantity</u>	<u>Dimension</u>
Pixel field size	8 x 8	\mathbf{A}	64 pixels
Number of minor cycles per pattern	15	\mathbf{S}	
Number of samples per minor cycle	31	\mathbf{M}	
Number of samples per pattern	4 x 15 x 31	\mathbf{D}	1860
Size of forward matrix	64 x 1860	\mathbf{F}	119,040 coefficient
Size of normal matrix	64 x 64	$(\mathbf{F}^T \mathbf{F})$	4096 entries
Size of back matrix	1860 x 64	\mathbf{B}	119,040

TABLE 4.1. PARAMETERS OF AIT RECONSTRUCTION PROBLEM

Because of the limited computation speed and particularly the limited memory size of the Nova computer, the problem had to be broken into many sections. Two kinds of routines were designed. One type is a set of computational routines for performing matrix algebraic operations such as matrix multiplication and inversion. The other is a set of disk file handling programs for packing and manipulating the large matrices and minimizing time consuming disk accesses by careful buffering. Particularly important is the

design of the transpose routine, which can take up to six hours to transpose a forward matrix if no storage symmetries are exploited.

The computational steps used to generate a back matrix \underline{B} are listed in Figure 4.3. Each block shown contains the name of the program step, the name of the main subroutine called (in parenthesis) and the name of the output file (following the arrow). The output file(s) for each step form inputs for the subsequent steps.

The first version of this code required nearly twelve hours of computer time to generate \underline{B} . But once the reconstruction parameters were fixed and the buffering optimized, the back matrix generation time was reduced to about an hour.

During development of these codes, several important numerical constraints were discovered, pertaining to calculational accuracy needed at various stages in the procedure:

1. The determinants of the $(\underline{E}^T \underline{E})$ matrices are very large (of order 10^{64}), and can achieve values during the inversion process which overflow the machine if attention is not paid to this problem.

2. The three computation intensive steps, in which $\underline{E}^T \underline{E}$, $(\underline{E}^T \underline{E})^{-1}$, and $(\underline{E}^T \underline{E})^{-1} \underline{E}^T$ are formed, must be done using double precision arithmetic for meaningful results to be obtained (on the 16 bit Nova 3).

3. The input data, i.e. the nutation pattern NUTXY and the forward matrix \underline{E} need not have double precision accuracy in order to obtain a well-defined solution. This has important implications for the hardware implementation, suggesting that there will be no unanticipated restrictions on the accuracy of the nutator or data collection process.

ILIPS,(NUTLIPS) \rightarrow NUTXY
Define nutation pattern

GFMX,(FORW) \rightarrow F.MX
Define forward matrix F

GFTF,(MMULT,DMULT) \rightarrow FTF.MX
Form $F^T F$

PDINV,(MINV) \rightarrow FTFINV.MX
Perform inversion $(F^T F)^{-1}$

MFINV
Verify $(F^T F)(F^T F)^{-1} = I$

TRANSF,(MTP) \rightarrow FT.TX,TINV.TX
Transpose matrices to facilitate multiplication

GBACK,(MIMULT) \rightarrow BACK.MX
Multiply $(F^T F)^{-1} F^T = B$
SBACK
TBACK

FIGURE 4.3

4.4 Image Quality

The expected quality of the images produced by this system can be deduced by examination of the identity matrix formed by the product $\underline{B} \underline{F} = \underline{I}$. We ask the question: how well are single pixels reproduced by the imaging process?

The first row of the identity generated by the minimum variance $\underline{B} \underline{F}$ product is shown in Figure 4.4. The B-matrix was obtained using the procedure described in the previous section, with the F-matrix generated by the 15/31 collapsing ellipse pattern. The row contains the coupling coefficients for each of 64 input pixels into output pixel number one. The coupling is truly excellent. Input pixel one is transferred to output pixel one with unit amplitude to the accuracy of the representation. Contribution from other pixels to output pixel one are down by at least 12 orders of magnitude. Similar accuracy is obtained for the 63 other pixels.

As a point of comparison, the first row of the $\underline{B} \underline{F}$ product resulting from a buck matrix generated by an iterative technique previously developed during the program (see Phase I Interim Report) is shown in Figure 4.5. The coupling to the correct pixel is only about 93%, while significant transfer occurs from other input pixels (note especially pixel 10 - row 2 column 2 - which has a coefficient of -.126. This is a very significant pixel-pixel interaction). These results were still subjectively acceptable, as seen in the PHASE I interim report results.

$\begin{pmatrix} 1 & 0 & -2 & 4160 & -15 & 0 & 1440 & -12 & 0 & 1770 & -13 & 0 & 7870 & -13 & 0 & 5430 & -13 & 0 & 3740 & -13 \\ 0 & 1320 & -12 & 0 & 4170 & -12 & 0 & 4550 & -13 & 0 & 6310 & -14 & 0 & 4120 & -13 & 0 & 5550 & -13 & 0 & 5470 & -13 \\ 0 & 7890 & -13 & 0 & 3840 & -14 & 0 & 2980 & -15 & 0 & 4180 & -13 & 0 & 3420 & -13 & 0 & 4270 & -13 & 0 & 1570 & -13 & 0 \\ 0 & 4710 & -13 & 0 & 6680 & -15 & 0 & 6520 & -14 & 0 & 5370 & -13 & 0 & 2610 & -13 & 0 & 5380 & -13 & 0 & 6950 & -13 & 0 & 3470 & -13 \\ 0 & 8960 & -13 & 0 & 5250 & -13 & 0 & 2280 & -13 & 0 & 5990 & -13 & 0 & 8200 & -13 & 0 & 5670 & -13 & 0 & 4820 & -13 & 0 & 2860 & -13 \\ 0 & 3760 & -13 & 0 & 3570 & -13 & 0 & 5320 & -13 & 0 & 7790 & -14 & 0 & 2100 & -13 & 0 & 5870 & -13 & 0 & 3970 & -13 & 0 & 3182 & -13 \\ 0 & 5630 & -14 & 0 & 6630 & -13 & 0 & 2960 & -13 & 0 & 7330 & -13 & 0 & 6140 & -13 & 0 & 4650 & -13 & 0 & 2790 & -13 & 0 & 2270 & -13 \\ 0 & 3630 & -13 & 0 & 4590 & -13 & 0 & 5480 & -13 & 0 & 3230 & -13 & 0 & 3040 & -13 & 0 & 3740 & -13 & 0 & 2150 & -13 & 0 & 1740 & -13 \end{pmatrix}$

FIGURE 4.4

$\begin{pmatrix} 1 & 0 & -2 & 3742 & -1 & 0 & 2555E & -1 & 0 & 2555E & -2 & 0 & 3046 & -2 & 0 & 2555E & -2 & 0 & 3046 & -2 & 0 & 653E & -2 \\ 0 & 925E & -1 & 0 & 126 & -1 & 0 & 294E & -1 & 0 & 294E & -1 & 0 & 198E & -1 & 0 & 198E & -1 & 0 & 131E & -1 \\ 0 & 254E & -1 & 0 & 384E & -1 & 0 & 209E & -1 & 0 & 209E & -1 & 0 & 229E & -1 & 0 & 229E & -1 & 0 & 954E & -1 \\ 0 & 243E & -1 & 0 & 462E & -1 & 0 & 544E & -1 & 0 & 544E & -1 & 0 & 497E & -1 & 0 & 497E & -1 & 0 & 131E & -1 \\ 0 & 543E & -1 & 0 & 436E & -1 & 0 & 292E & -1 & 0 & 292E & -1 & 0 & 562E & -1 & 0 & 562E & -1 & 0 & 223E & -1 \\ 0 & 209E & -1 & 0 & 454E & -1 & 0 & 111E & -1 & 0 & 111E & -1 & 0 & 539E & -1 & 0 & 539E & -1 & 0 & 832E & -1 \\ 0 & 147E & -1 & 0 & 729E & -1 & 0 & 195E & -1 & 0 & 195E & -1 & 0 & 465E & -1 & 0 & 465E & -1 & 0 & 473E & -1 \\ 0 & 622E & -1 & 0 & 775E & -1 & 0 & 456E & -1 & 0 & 456E & -1 & 0 & 532E & -1 & 0 & 532E & -1 & 0 & 689E & -1 \end{pmatrix}$

FIGURE 4.5

4.5 Evaluation of Image Noise

Equation 2.15 in Section 2.4.1 defined the equation for the noise associated with the AIT reconstruction process:

$$\langle (\Delta A_i)^2 \rangle_{AIT} = \sum_j B_{ij}^2 \frac{N_{TAIT}}{\Delta T_{FRAME}} (P_{NAIT})^2 \quad (2.15)$$

Once a back matrix has been defined, the quantity $\sum_j B_{ij}^2$ can be evaluated. For comparison purposes, expressions for the pixel noise associated with other imaging techniques have been derived:

For a staring array FLIR

$$\sum_j B_{ij}^2 = 1, \text{ since only one coefficient } B_{ij} = 1$$

$$N_T = 1 \text{ (no scanning)}$$

$$\langle (\Delta A_i)^2 \rangle_{SA} = \frac{(P_{NPIXEL})^2}{\Delta T_{FRAME}} \quad (4.1)$$

P_{NPIXEL} is noise power for a single array element.

For a single detector scanning FLIR

$$N_T = N_{TSD} \text{ (number of steps for a two-dimensional scan, minimum of } N).$$

$$\langle (\Delta A_i)^2 \rangle_{SD} = \frac{N_{TSD} (P_{NPIXEL})^2}{\Delta T_{FRAME}} \quad (4.2)$$

For a linear scanning FLIR

$N_T = N_{TLS}$ (number of steps for a one-dimensional scan, minimum of \sqrt{N}).

$\sum_j B_{ij}^2 = 1$, since only one non-zero coefficient

$$\langle (\Delta\Lambda_i)^2 \rangle_{LS} = \frac{N_{TLS} (P_{NPIXEL})^2}{\Delta T_{FRAME}} \quad (4.3)$$

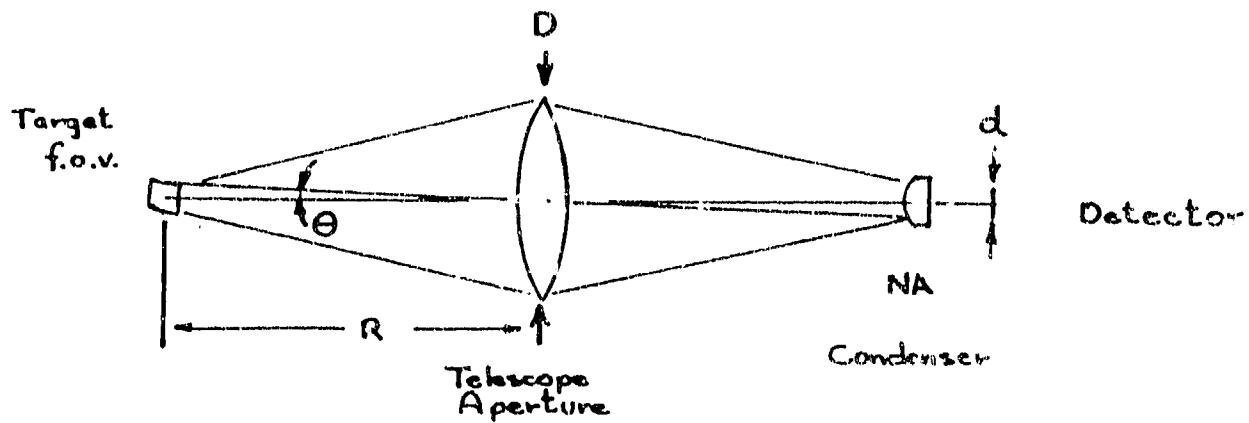
In order to make a direct comparison between the effects of the imaging techniques themselves, comparable imaging conditions must be defined. First, the frame time ΔT_{FRAME} is set to one. Then the relationship between the detector noise power for AIT must be correctly written. To cover a specific field of view, each pixel is mapped into a corresponding solid angle of target space. The mapping of angular f.o.v. in target space onto the corresponding detector area is illustrated in Figure 4.6. It is seen that for a given field angle θ , the detector size d required for proper coverage is

$$d = \frac{2D\theta}{NA} \quad (4.4)$$

where D is the telescope aperture diameter and NA is the numerical aperture of the detector condenser optics.

If θ is the total imaging f.o.v., then in the FLIR systems, each detector covers the angular region corresponding to one pixel. For an $N \times N$ field, the pixel field angle is θ/N , or

$$d_{FLIR} = \frac{2D\theta}{N(NA)} \quad (4.5)$$



R = RANGE IN METERS

θ = TELESCOPE f.o.v. IN RAD

D = TELESCOPE APERTURE DIAMETER

d = DETECTOR DIAMETER

NA = CONDENSER NUMERICAL APERTURE

DETECTOR SIZE TO MATCH f.o.v.

$$d = \frac{2D\theta}{NA}$$

(Conservation of Etendue)

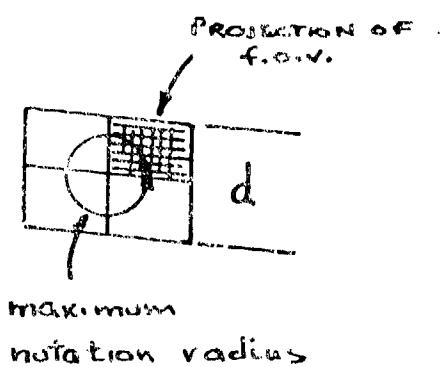


FIGURE 4.6. RELATIONSHIP BETWEEN ANGULAR F.O.V. AND DETECTOR AREA

For AIT, each detector quadrant must cover the entire f.o.v., so the AIT detector size is given by equation (4.4). Since, for IR detectors, the detector noise power is given by

$$P_{NOISE} = d_{IMAGER}^2 B D^* \quad (4.6)$$

where B is the signal bandwidth, and D^* is the normalized detectivity of the detector.

Combining equations (4.4) - (4.6), we obtain

$$P_{NAIT} = N \cdot P_{NFLIR} \quad (\text{Detector or background noise limit}) \quad (4.7)$$

In the photon noise limit, the noise is proportional to the area A_t of the target, rather than the area of the detector, so

$$P_{NAIT} = A_t \cdot P_{NFLIR} \quad (\text{photon noise limit}) \quad (4.8)$$

The imaging signal to noise performance of idealized FLIRs versus several versions of the AIT are collected in Table 4.2. The comparison assumes an 8×8 pixel field. The "15/31 Ellipse" AIT is the system studied under this program, with a mean noise factor of 1.05 obtained by averaging the noise factors of all the 6' pixels. The "ideal" AIT assumes a perfect raster scan nutation pattern to minimize noise factor, which is estimated at .25. This kind of pattern would be unsuitable for tracking.

Performance for photon noise limit can be obtained by the substitution indicated in equation (4.8).

COMPARATIVE S/N PERFORMANCE OF DIFFERENT IMAGER TYPES

NOISE POWERS VARY AS DETECTOR AREA.

AIT DETECTORS MUST COVER FULL F.O.V.,
FLIR DETECTORS COVER ONLY SINGLE PIXEL
F.O.V.∴ FOR $N = 64$ PIXELS

$$P_{N\text{AIT}} = \sqrt{N} P_{N\text{PIXEL}} = 8 P_{N\text{PIXEL}} = 8 P_N$$

$$\Delta t_{\text{FRAME}} = 1$$

$$\sqrt{\sum_j B_{ij}^2 N_T P_{\text{NOISE}}^2}$$

IMAGER	# OF DETECTORS	$\sum_j B_{ij}^2$	N_T	P_{NOISE}	$= \sqrt{N_p} \sim \sigma$
STARING ARRAY	64	1	1	P_N	P_N
LINEAR SCAN FLIR	8	1	8	P_N	$2.82 P_N$
SINGLE ELEMENT FLIR	1	1	64	P_N	$8P_N$
AIT (15/31 ELLIPSE)	4	1.05	1860	$8P_N$	$353.5 P_N$
"IDEAL" AIT	4	(.25)	256	$8P_N$	$64 P_N$

TABLE 4.2

4.6 Simulation Results

The reconstruction matrix can be tested for image formation using the combination of programs SIMDSK and IMAGE. The input to the SIMDSK program, which generates the simulated waveforms is defined as a numerical intensity file. An example is shown in Figure 4.7, which is the input file for a 2 x 4 pixel horizontal bar, located at coordinates 0, 0, and having unit intensity. The output of SIMDSK is a file containing the nutation waveforms corresponding to the input image. Figure 4.8 shows a plot of the waveforms, unpacked to show the outputs of quadrants 1 - 4 individually.

These output waveforms can then be used as inputs to the IMAGE program which multiplies the detector outputs by the reconstruction matrix and displays the results. The pseudo-color output for the simulated horizontal bar is shown in Figure 4.9.

The results shown are essentially perfect. This is due partly of course to the high accuracy of the reconstruction algorithm, but also to the fact that the input object was defined in perfect registration with the pixel field, so that no effects of spatial quantization of the image are encountered.

A more realistic case is the reconstruction of the same bar rotated 45°, as shown in Figure 4.10. Here the effects of spatial quantization are obvious, and the results are more representative of image coding at this coarse resolution.

FIGURE 4.7

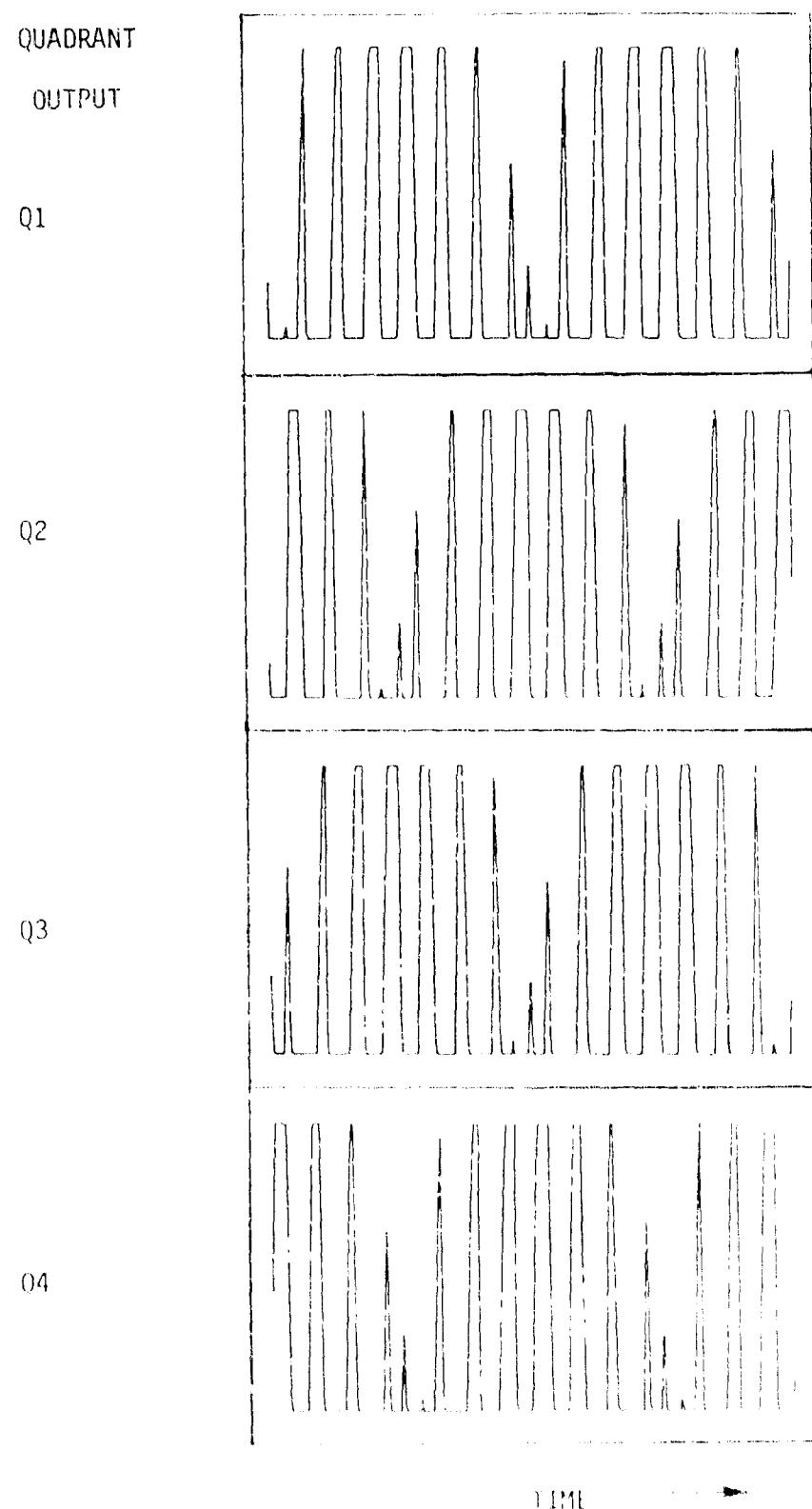
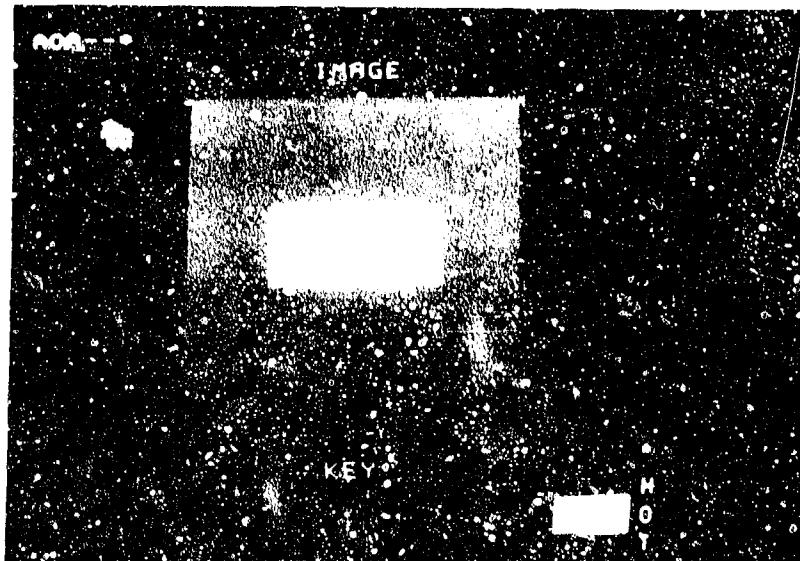
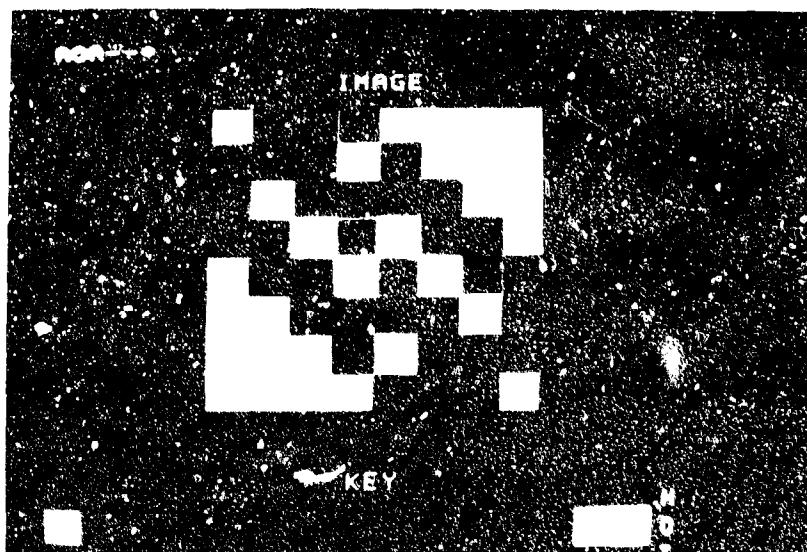


FIGURE 4.8



-4	2	-1	0	1	-1	2	-4
2	-1	0	0	0	0	-1	2
-1	0	-1	0	-1	0	-1	0
1	-1	205	205	204	204	0	0
0	0	204	204	205	205	-1	1
0	-1	0	-1	0	-1	0	-1
2	-1	0	0	0	0	-1	2
-4	2	-1	1	0	-1	2	-4

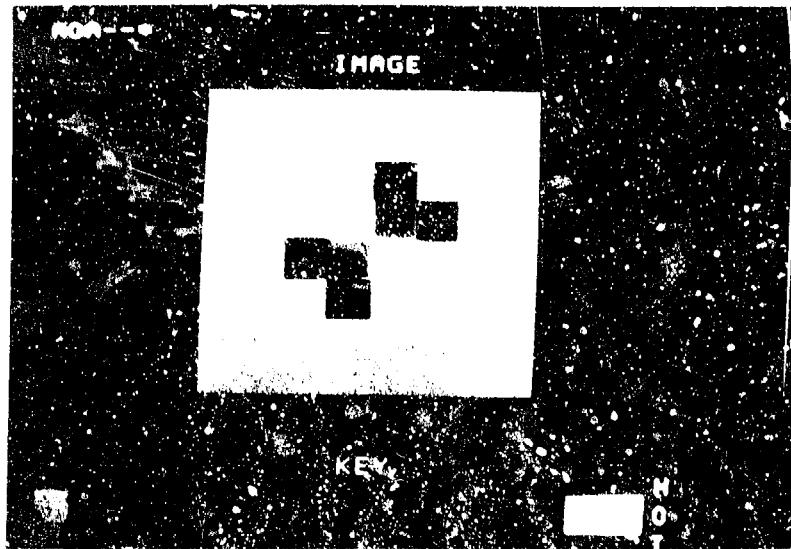
FIGURE 4.9



-3	10	54	10	-6	2	2	3
11	51	56	61	15	-6	5	4
50	67	45	55	53	15	7	5
13	52	69	34	70	-1	19	6
-6	19	47	20	34	69	52	11
0	2	15	53	55	45	62	6
8	-5	-6	35	61	56	51	11
-3	2	2	-6	10	54	10	-3

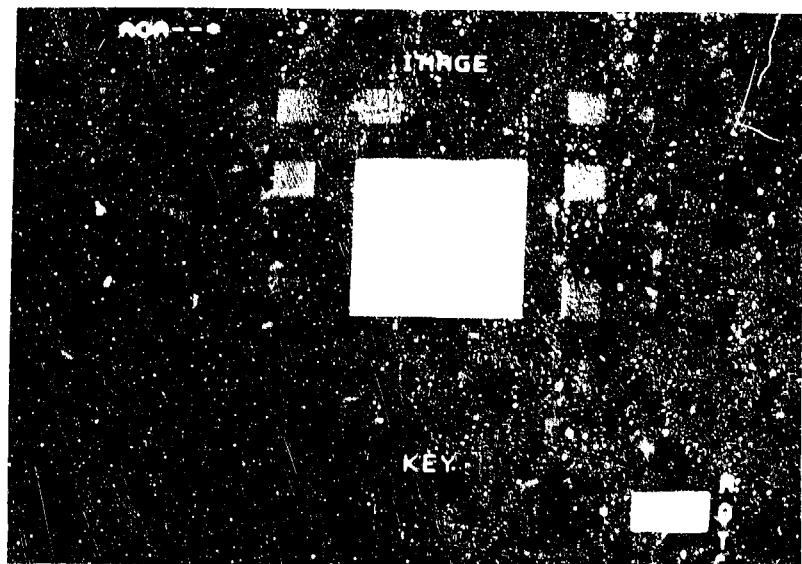
FIGURE 4.10

The effects of quantization become more apparent in reconstruction of continuous-intensity objects. Figure 4.11 shows a small Gaussian profile spot reconstruction, and Figure 4.12 shows a square with Gaussian smoothed edges. As well as the coarseness of reconstruction, an axis of diagonal symmetry is apparent in what are defined to be circular and four-fold symmetric objects. This feature is an artifact of the sampling pattern, which, especially near the center of the field, has non-uniform sampling reflecting the same diagonal symmetry.



4	2	1	1	2	2	2	2
2	1	4	18	5	3	-4	3
-1	0	34	56	30	17	10	-2
0	10	66	227	195	88	7	2
2	2	87	195	227	66	10	5
-2	1	17	90	56	34	0	-1
3	-4	3	5	18	-4	1	2
-4	2	2	2	1	-3	2	4

FIGURE 4.11



1	0	1	4	5	4	5	-1
2	26	39	29	35	33	27	
3	41	53	52	50	54	41	
4	37	51	49	50	51	37	
5	38	52	50	48	51	37	
6	57	54	52	52	51	41	
7	26	29	18	33	19	26	
8	5	4	5	4	3	3	
-1	5	4	5	4	3	3	

FIGURE 4.12

4.7 Algorithm Parameter Sensitivity

The simulation codes were used to test the sensitivity of the reconstruction algorithm to small variations in system parameters of engineering importance. Tested were sensitivities to

- 1) Waveform shift. Routines were written to numerically shift the detector waveforms in time. This was done to simulate the effects of phase shifts in real detector circuits and phase error in synchronism between the nutation scan and sampling circuitry.
- 2) Waveform smoothing. Simulates the effects of bandlimiting in the readout electronics.
- 3) DC level-shifting. Tests the effects of AC coupling the detector outputs on image reconstruction.

The routines used to perform these operations transformed the detector vector disk file and stored the conditioned waveform in a local memory buffer. The codes were organized as signal conditioning options on a menu at the start of the IMAGE program.

4.7.1 Waveform shift

The detector vectors are packed into a linearly organized file. Properly unpacked, the detector values can be treated as a two-dimensional array, so that any element d can be labeled as $d_{(q,t)}$, where $q = 1 - 4$ (quadrant number) and $t = 1 - 465$ (time sample number).

A phase shift of one full sample can be accomplished by the cyclic permutation:

$$\begin{aligned}
 d(q, c) &= d(q, t+1) & t = 1 - 464 & \text{positive} \\
 d(q, 455) &= d(q, 1) & & \text{phase} \\
 & & & \text{shift} \\
 d(q, t) &= d(q, t-1) & t = 2,465 & \text{negative} \\
 d(q, 1) &= d(q, 465) & & \text{phase} \\
 & & & \text{shift}
 \end{aligned}$$

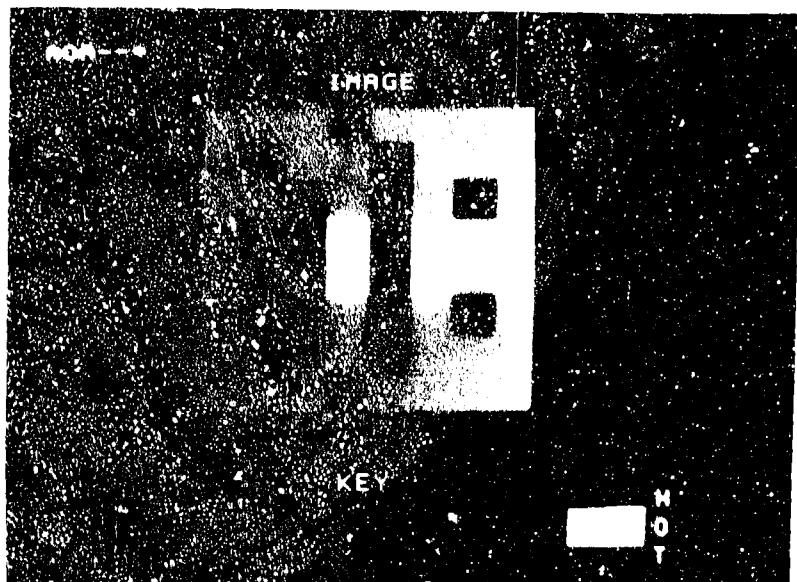
A phase shift of less than one sample is done by sample interpolation:

$$\begin{aligned}
 d(q, t) &= d(q, t) + s(d(q, t+1) - d(q, t)) & t = 1,464 \\
 d(q, 465) &= d(q, 465) + s(d(q, 1) - d(q, 465)) \\
 & & & \text{positive phase shift} \\
 d(q, t) &= d(q, t) + s(d(q, t-1) - d(q, t)) & t = 2,465 \\
 d(q, 1) &= d(q, 1) + s(d(q, 465) - d(q, 1)) \\
 & & & \text{negative phase shift}
 \end{aligned}$$

By iterative reconstruction of a simulated input detector vector conditioned by various phase shifts, the sensitivity to waveform phase was determined. A shift of a full time sample was found to completely destroy the reconstruction. The largest phase shift that can be used without unacceptable image degradation is approximately .1 time sample. Figure 4.13 shows a simulated horizontal bar phase shifted by .1 time sample. The total power in the image is reduced by about 1.e.

4.7.2 Waveform smoothing

In order to test the effect of waveform smoothing as might be caused by electronic bandwidth limitations, a simple digital smoothing filter was used:



0	-10	2	35	-25	-4	-14	1
-5	30	-14	-46	44	14	-14	27
2	-93	59	-34	43	36	-36	1
-1	41	131	769	145	14	7526	1
1	34	153	762	143	14	-33	1
-1	-42	64	-24	41	-17	67	-17
-5	30	-14	-45	48	17	-14	1
-2	-10	2	39	-23	-4	14	-2

FIGURE 4.13

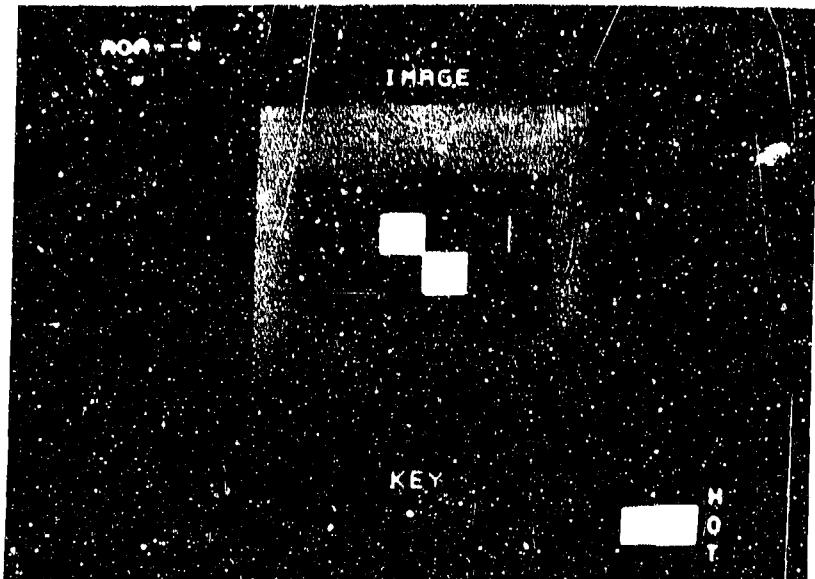
$$\begin{aligned}
 d(q,t) &= \frac{1}{4}(d(q,t-1) + 2d(q,t) + d(q,t+1)) \quad t \neq 2,464 \\
 d(q,1) &= \frac{1}{4}(d(q,465) + 2d(q,1) + d(q,2)) \\
 d(q,465) &= \frac{1}{4}(d(q,464) + 2d(q,465) + d(q,1))
 \end{aligned}$$

The result of smoothing the waveform is a smoothing of the reconstructed image. Figure 4.14 shows the results of passing the detector vector through the smoothing filter once, while Figure 4.15 is the same image after three passes of the waveform smoothing filter. The major effect is a continued loss of image resolution.

4.7.3 Level shifting

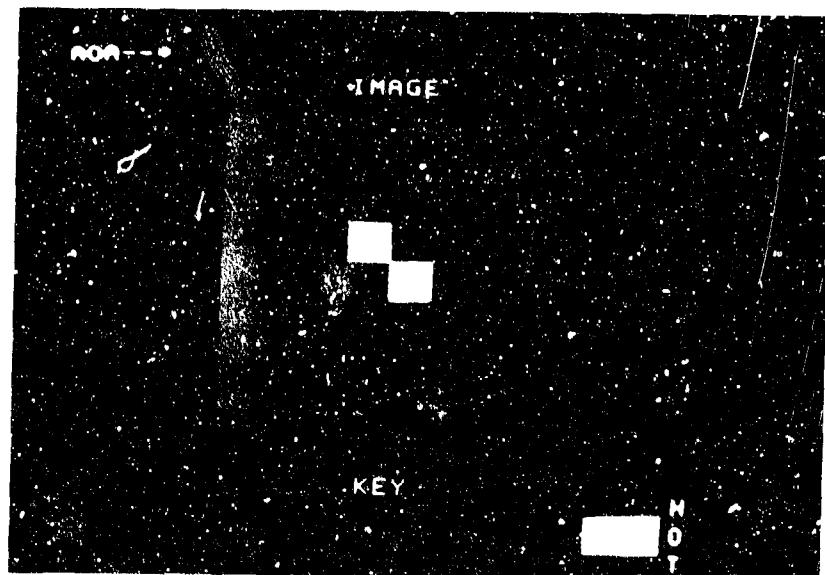
The AIT reconstruction algorithm was defined with the implicit assumption that the input detector samples were specified positive definite with respect to an absolute zero level. From an engineering point of view, this implies a DC coupled detection system. In an AC coupled system the detector waveform has positive and negative value extremes such that the RMS value of the waveform is zero. This results in an offset or negative DC pedestal on the waveform. Figure 4.16 shows the results of level shifting the simulated waveforms for the horizontal bar negative by one-half the peak waveform value. The reconstruction of the bar is unaffected but artifacts are created in the corners of the reconstruction field.

The DC offset of the waveform is physically equivalent to superposing the target bar on a uniform (negative) intensity, including intensity outside the field of view of the algorithm as defined by the pixel locations which generated the forward matrix.



-4	3	-1	1	1	1	2	-4
4	-4	-5	5	-11	-2	-6	5
-5	16	25	19	53	19	17	-4
-2	30	134	201	142	166	20	-2
-2	20	166	142	201	134	30	-2
-4	7	19	53	19	25	16	-5
5	-6	-2	-11	5	-5	-4	4
-4	2	1	1	1	-1	3	-4

FIGURE 4.14



-4	0	-1	-2	1	2	0	-4
3	12	-8	21	-13	-1	9	5
6	25	45	21	78	44	22	8
-4	41	86	184	25	126	31	-4
-4	31	126	85	184	66	41	-4
0	22	43	77	21	45	25	6
5	9	-1	-13	21	-8	17	3
-4	0	2	1	-2	-1	0	-4

FIGURE 4.15

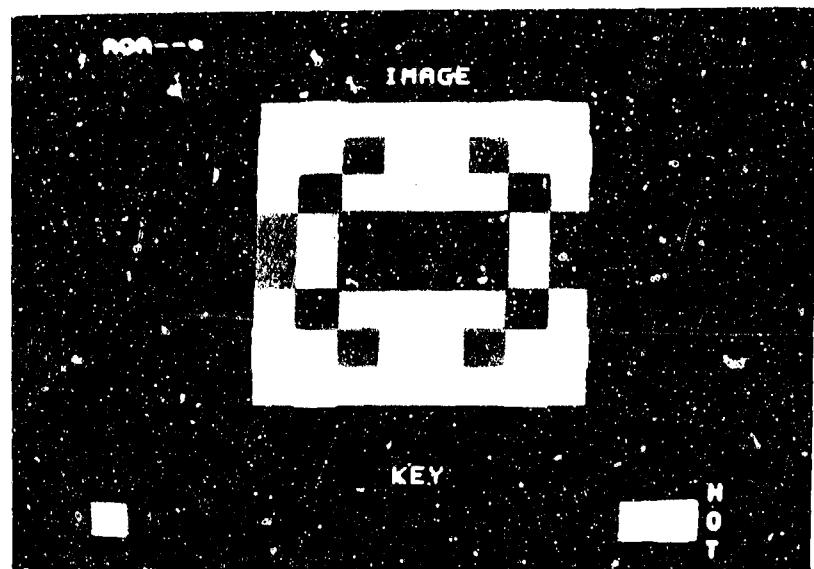


FIGURE 4.16

This power outside the reconstruction field is aliased into the field, forming the corner artifacts.

In order to employ AC coupling in the AIT imaging system, a simple DC restoration step was used to re-reference the waveform to zero absolute minimum. This allows effective operation of the reconstruction in either AC coupled or DC coupled systems exhibiting offset drift.

5.0 SOFTWARE SIMULATION: TRACKING

The generalization of the original SCS tracking algorithm to accommodate the more complex elliptical nutation pattern necessitated the development of new software to perform and test the algorithm and to test the tracking concept.

The procedure for implementing the AIT tracker algorithm defined in Section 3 is shown in the flow diagram of Figure 5.1. The generation of all the parameters required for execution of the algorithm was coded, so that, given a description of the target object and the nutation minor cycles, the mask functions, gains, and offset corrections were calculated.

Initial programs written to test the tracking algorithm created detector vectors by assuming the target to be a point source with a given displacement relative to the center of the field of view. These programs would also determine the "allowable arcs" to be used for a given object size (even though the target was considered a point source). Using these detector vectors and allowable arc definitions, the programs would also calculate the gain and offset for each tracker cycle. Algorithm consistency was initially verified by using the gains and offsets calculated for a given object displacement in determining the positions of point sources with different displacements. Thereby, the sensitivity of the algorithm to sets of displacements measured across sets of gains and offsets was examined.

The 15/31 collapsing ellipse nutation pattern was divided into minor cycles as shown in Figure 5.2 - 5.4.

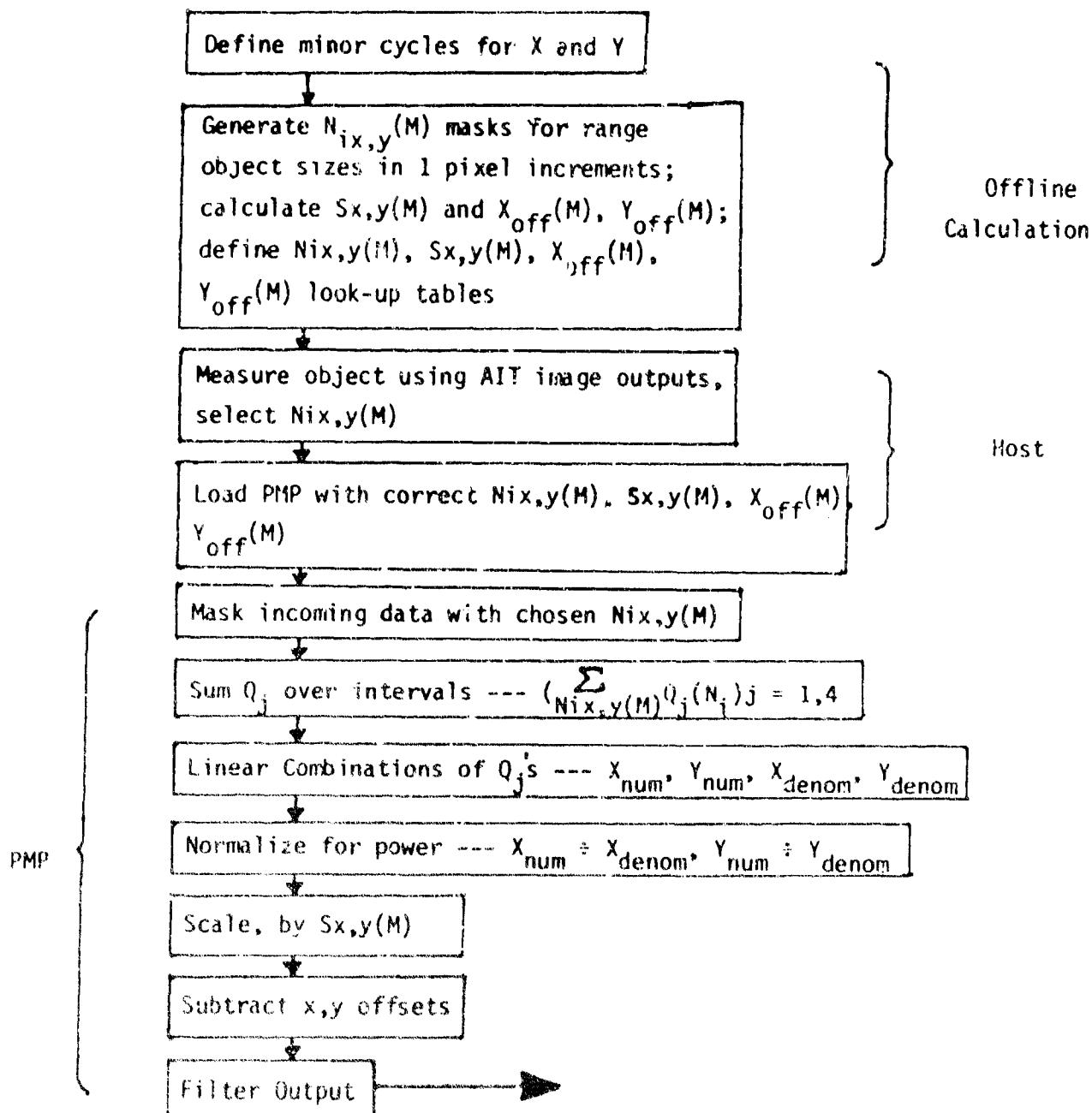


FIGURE 5.1

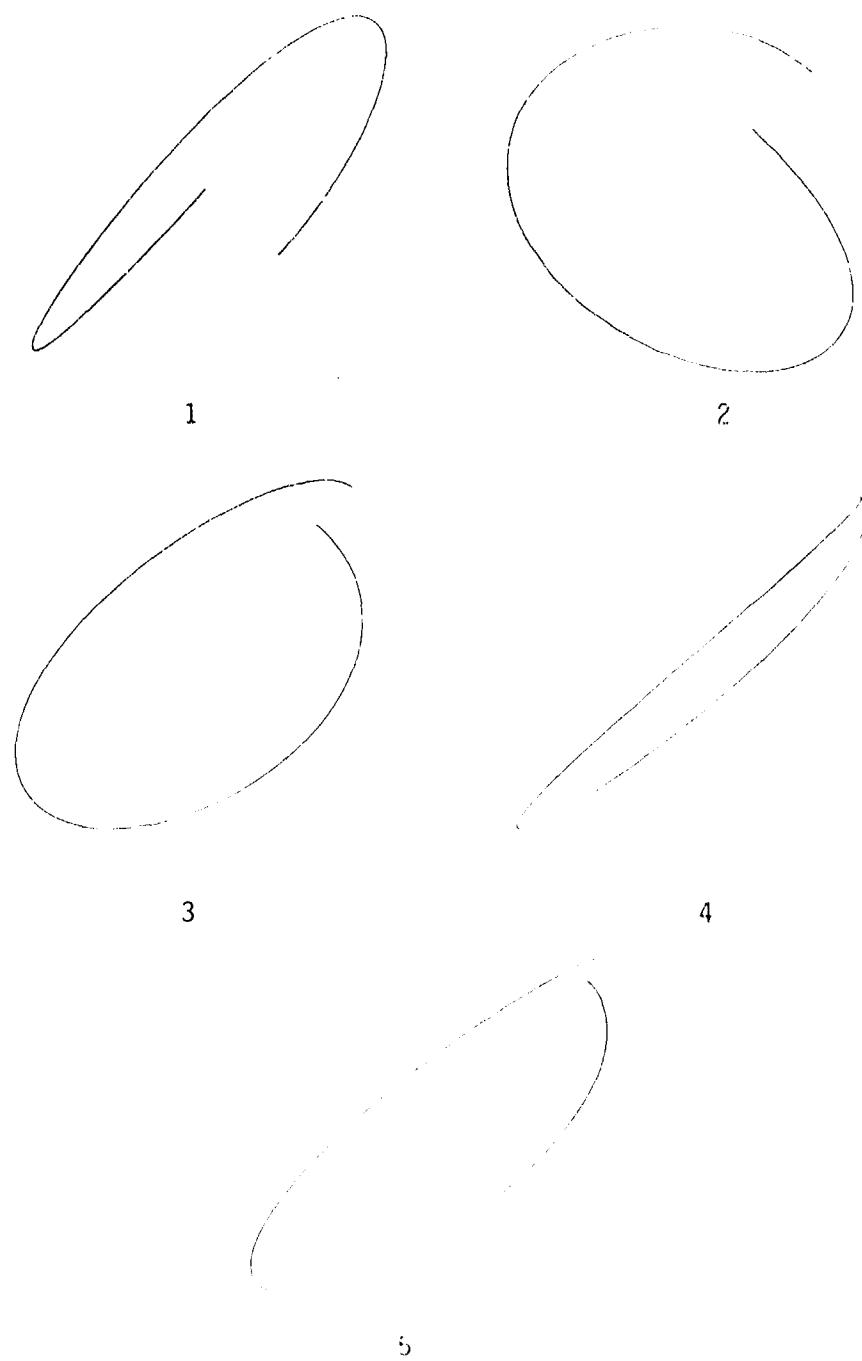


FIGURE 5.2 AIT MINOR CYCLES

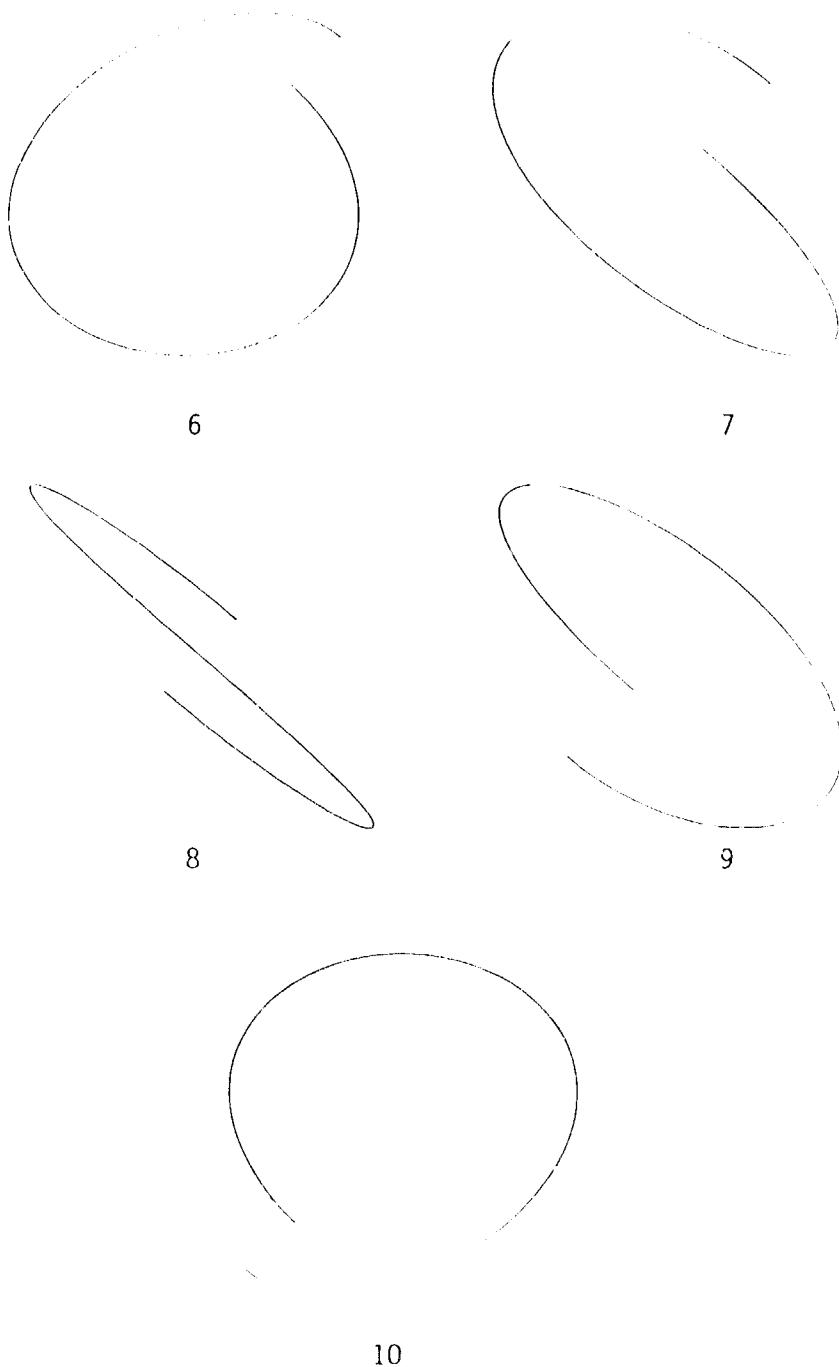


FIGURE 5.3 AIT MINOR CYCLES (cont'd)

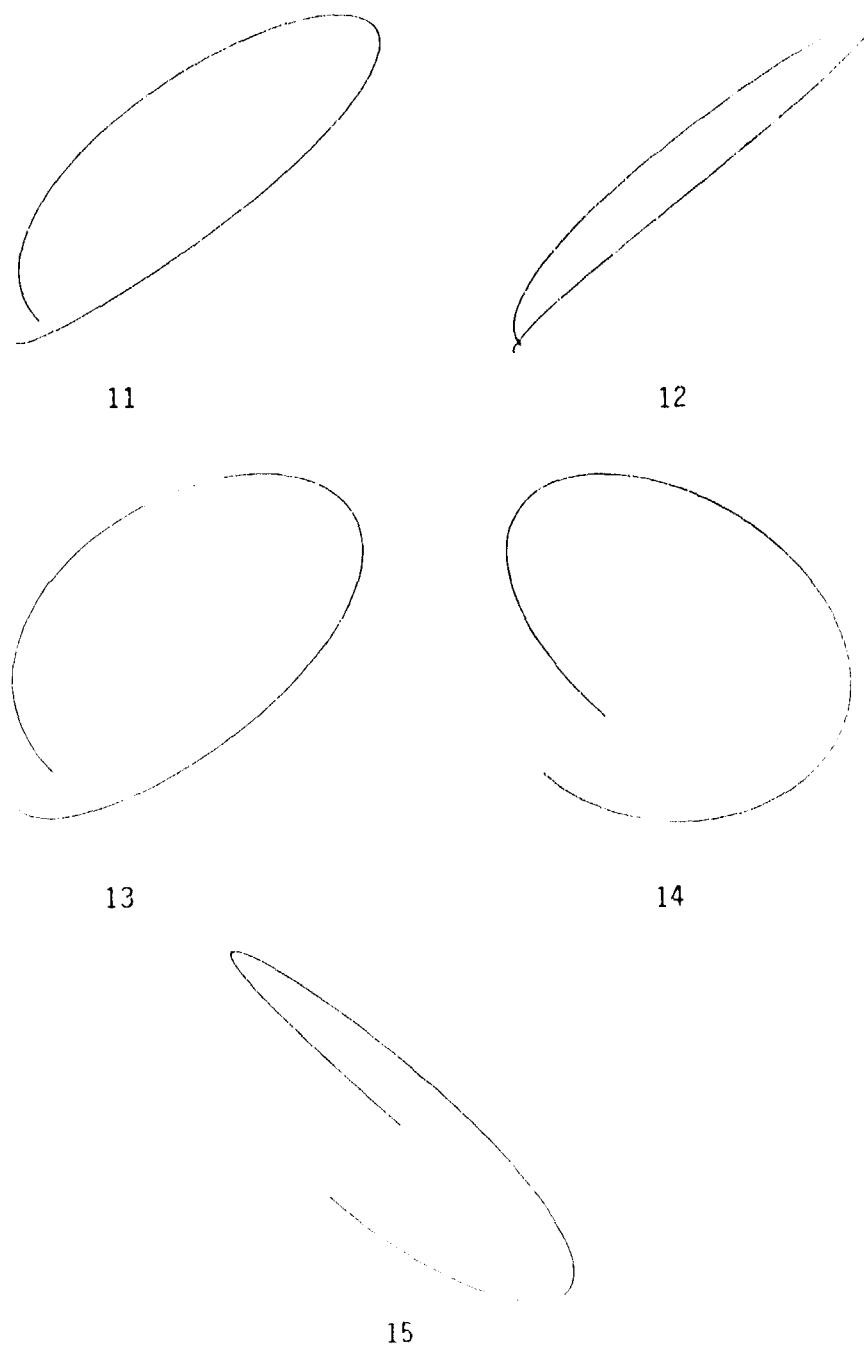


FIGURE 5.4 AIT MINOR CYCLES (cont'd)

5.1 Tracking Performance

Transfer functions for an AIT tracker algorithm defined using a 2 pixel sized generator object were simulated. Small displacement response was investigated using various test object sizes, while large displacement response was investigated over the entire 8 x 8 field using single pixel test objects.

Figure 5.5 shows the tracker transfer function for small displacements. In this simulation, a roughly two-pixel diameter Gaussian intensity profile spot was translated along the x-axis in the range -.75 pixels to +.75 pixels, and the tracker response was calculated for several different minor cycles. The results are excellent. The residual offset spread for the transfer curves through zero is less than .06 pixel size, or less than .03 of the 2 pixel spot diameter. Furthermore, the average of the minor cycle offsets is found to be zero to within the accuracy of the simulation. The algorithm displays no residual bias for averaging times of one full pattern length or longer.

In Figure 5.6 the same calculation is repeated using a 4 x 4 pixel square test object with Gaussian smoothed edges. This object is larger by twice than the limit allowed by the definition of the algorithm. Nevertheless, operation is very good, with about .1 pixel offset spread and + 10% effective gain variation in the transfer function for different minor cycles. Again the average offset for the minor cycles is zero. This result shows that tracker performance degrades gracefully as the object size exceeds that for

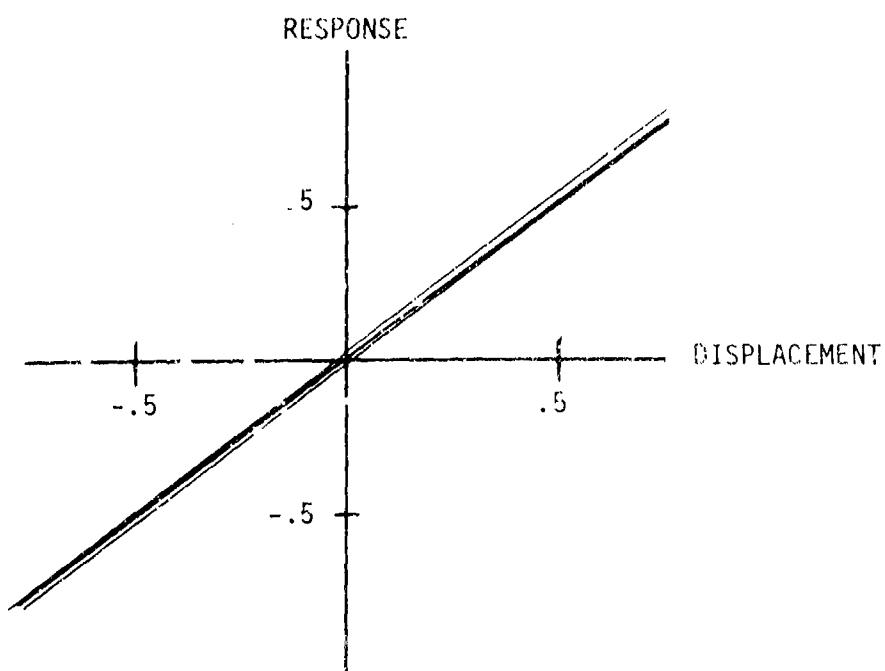


FIGURE 5.5

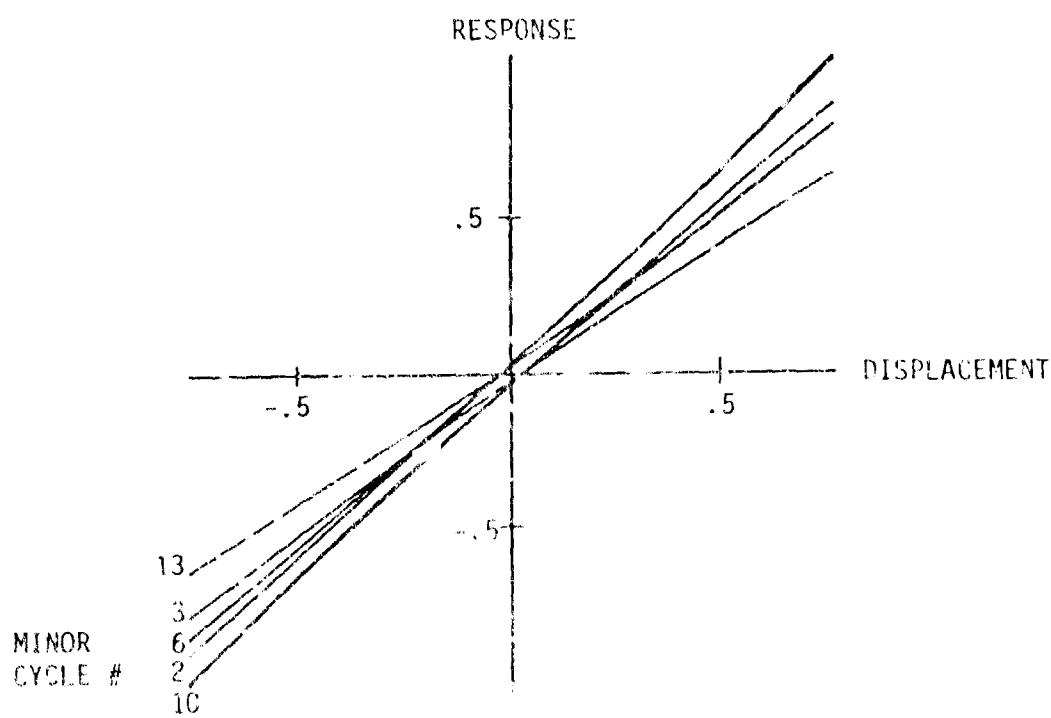


FIGURE 5.6

which the algorithm coefficients are optimized, which is a very important practical feature.

The large signal response curves also show useful performance features. Figure 5.7 shows the tracker response to a one-pixel size spot translated between the coordinates $x = \pm 3.5$ pixels. The path is displaced to offset $y = .5$ pixel. Even at the edges of the reconstruction field the slope change are not large.

In Figure 5.8, the object is again translated in the x -direction, but with a displacement of 2.5 pixels along the y -axis. Even at the extremes of the displacement the curves are monotonic. This property holds throughout the entire field; i.e. there are no slope reversals that would result in any system instability. The algorithm under all conditions responds with the correct sign of error signal, and in any closed-loop application would drive the system towards null, where the ultimate response is excellent.

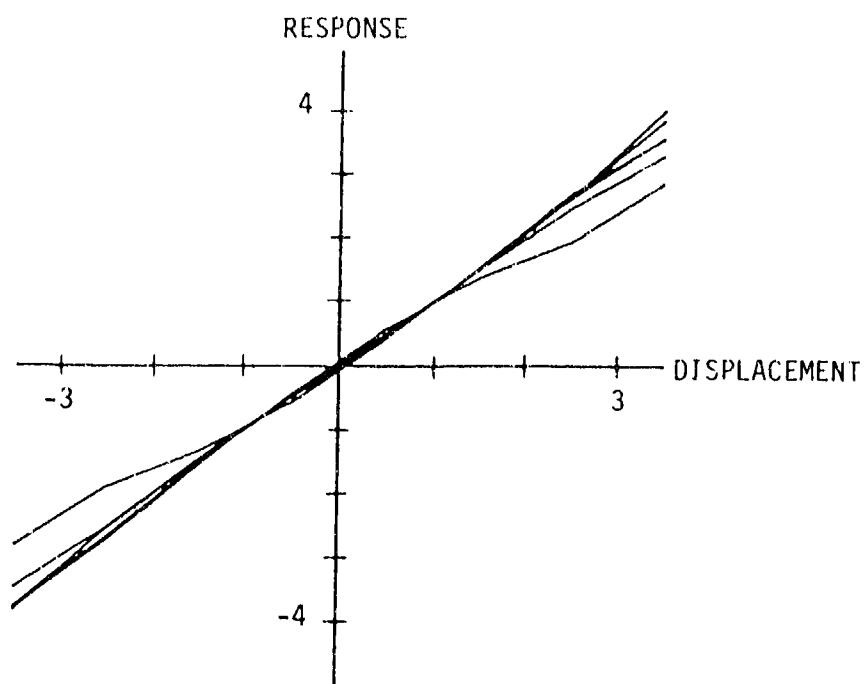


FIGURE 5.7

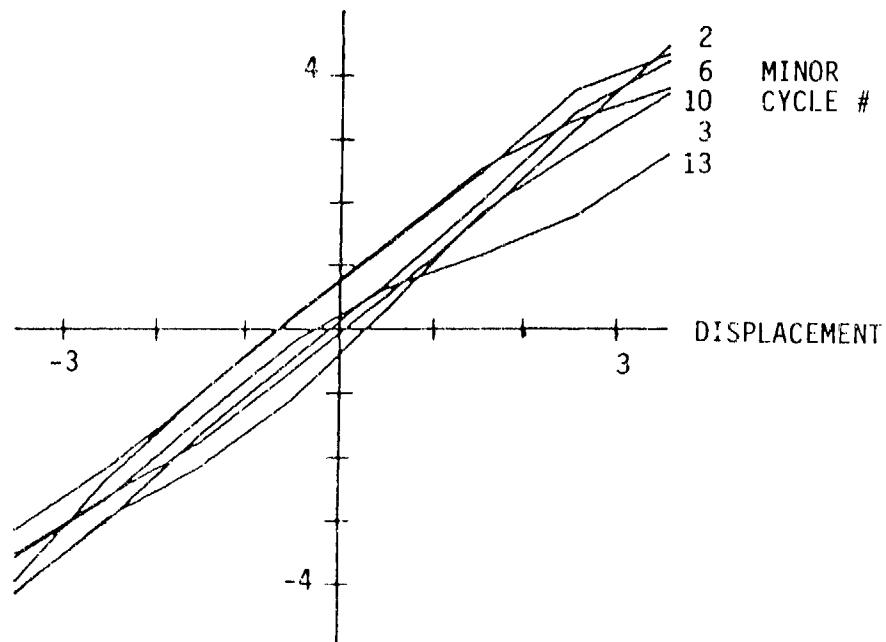


FIGURE 5.8

6.0 BREADBOARD HARDWARE: OPTICAL SYSTEM

As part of the AIT program, a breadboard optical system was designed and constructed to generate nutated detector waveforms from real target images. The images were produced by a target simulator in which target size, shape, intensity, position and rotation could be controlled. Both systems were designed to operate at either visible or infrared wavelengths.

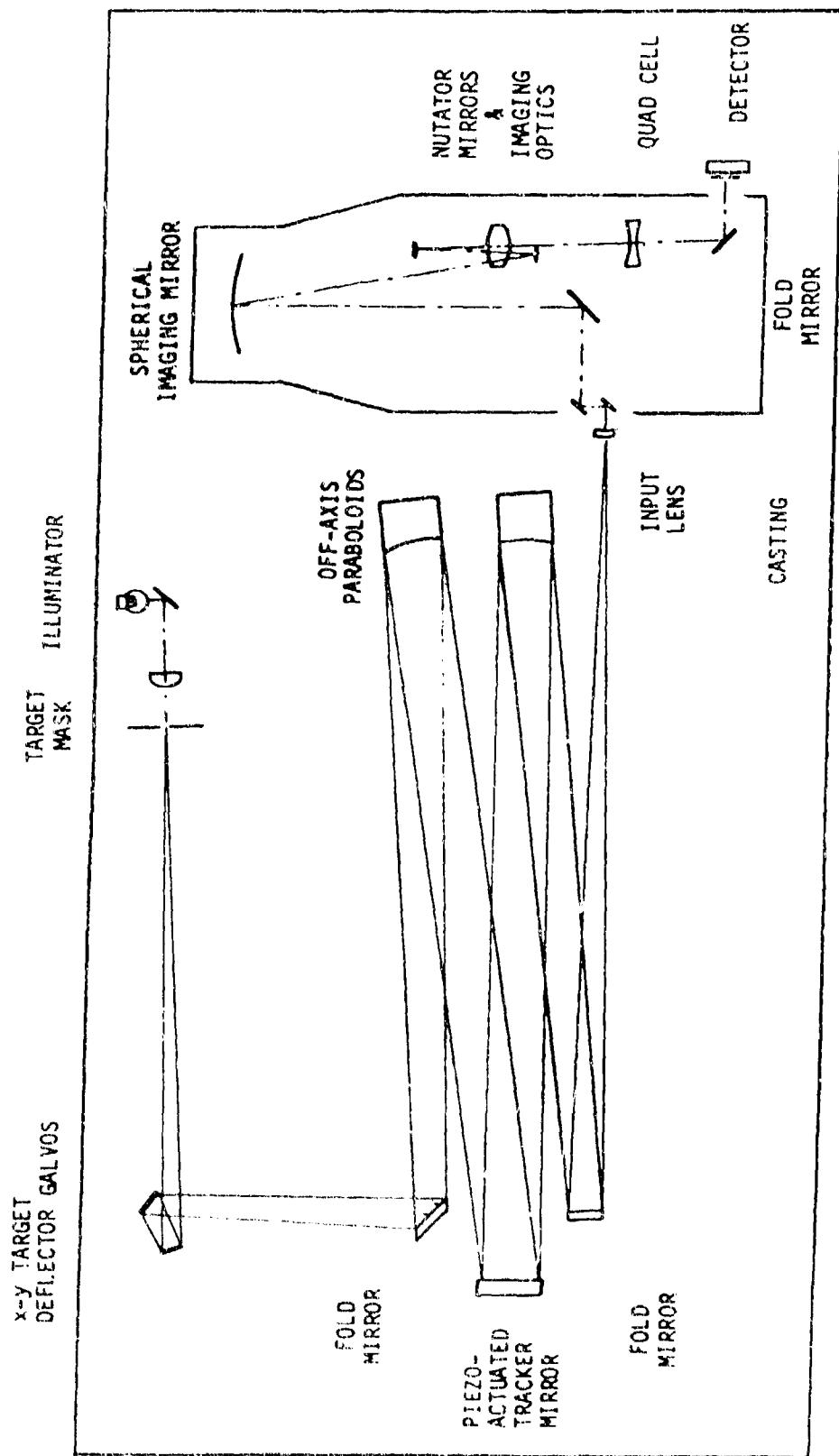
6.1 Optical Layout

Figure 6.1 is a diagram of the AIT optical head and target simulator system, drawn approximately to scale. A photograph of the set-up is shown in Figure 6.2.

The simulated target originates as a target mask, shown at top center in Figure 6.1. For visible operation, the target could be a continuous-tone 35 mm transparency or a thin chemically-etched copper mask. For IR operation, only the copper masks would be used. The target is back-illuminated by a simple tungsten lamp and condenser arrangement; in the IR, the tungsten lamp would be replaced by a black-body source. The target mask itself is mounted on a stepper-motor driven rotary stage, allowing target rotation to be simulated.

The expanding beam from the target projector passes through a pair of galvanometer mirror deflectors, shown in the upper left corner of the figure. The deflectors can impose electrically controlled tip-tilt on the beam, inducing apparent motion of the target object.

AIT TARGET SIMULATOR - OPTICAL BREADBOARD



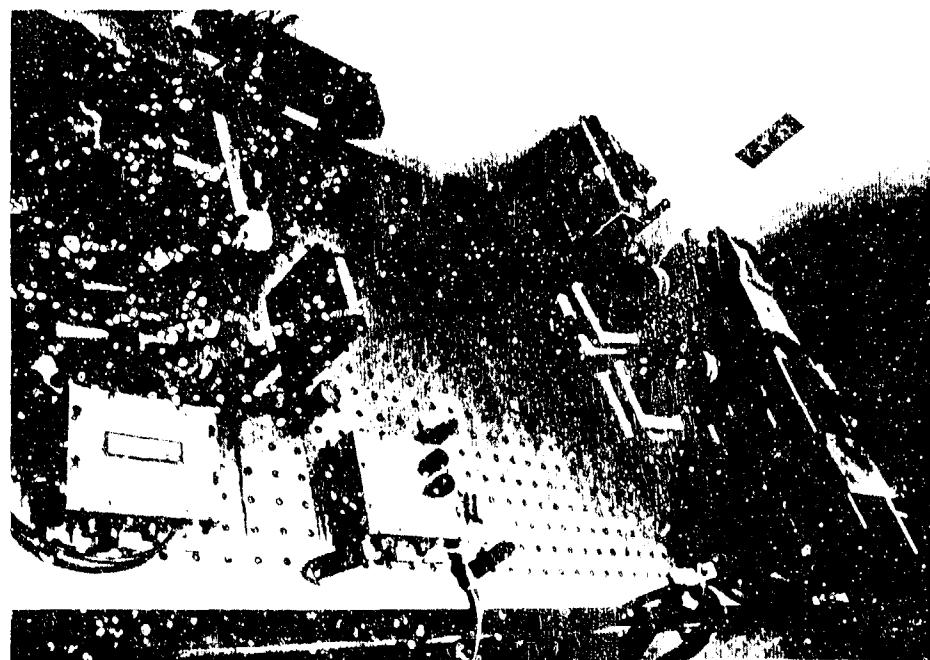


FIGURE 6.2

The beam is folded and sent to an off-axis paraboloid, which collimates the beam. The beam is then reflected from a flat mirror mounted on piezoelectric actuators. This mirror can also cause apparent target motion, or it can be used as a steering mirror in closed-loop tracking experiments.

From the piezoelectric tracker mirror the beam is reflected to another off-axis paraboloid, which brings the beam to a focus at the input of the optical head after reflection from a final fold mirror.

The optical train of the optical head must provide for the following:

- 1) The input must be imaged on the output quad cell detector.
- 2) The nutation pattern must be impressed on the input beam.
- 3) Means for adding a reference to the input beam must be available.
- 4) Means for steering the input beam from the inside of the instrument in an accurate grid pattern, with an eye to generation of an instrumental back matrix (see Section 2.4.2) is desirable.

The reference system was designed for IR use of the breadboard, and was not installed in visible operation. The first small fold mirror following the optical head input lens in Figure 6.1 would be replaced by a ZnSe beam combiner. A small black body and pinhole system, switched on and off by a flip mirror, was designed and

constructed to inject a reference beam at this point.

The large spherical mirror, shown top right in the figure, is the primary element for re-imaging the input beam on the detector. It is equipped with motor-driven micrometer actuators and a precision tilt sensor, so that it can be accurately positioned electronically for generation of an instrumental back matrix.

In this system, nutation is performed by a set of galvanometer scan mirrors, which separately impose the x and y nutation deflections. In order that the pupil be imaged on each mirror without intervening optical elements, an anamorphic field lens is placed at the input of instrument. This causes the pupil image to be separated to form two orthogonal line focii, coinciding with the rotation axis of each nutator mirror. A set of output lenses forms the nutated target image at an appropriate magnification on the silicon quad cell detector.

6.2 Nutation

The AIT tracker-imager requires an optical scan pattern of sufficient sampling density to meet the spatial Nyquist criteria. The rule-of-thumb for a quad cell-based AIT is that the quad cell axes must sample each pixel at four distinct positions for alias-free reconstruction to be achieved. The scan pattern used in Phase I was a circular spiral which contracts linearly in time from its maximum to minimum diameter, where the latter is one-eighth the former. This is called the linear spiral. The spiral takes eight revolutions to go from maximum to minimum diameter and eight more to return to maximum, for a total of sixteen (16) revolutions per image cycle. During each revolution, thirty-two (32) time samples are taken in each quadrant, for a total of $32 \times 16 \times 4 = 2,048$ data points per image.

The resulting sampling pattern is shown in Figure 6.3a. The spoke-like appearance of the pattern results from the use of uniformly spaced time samples. For the same reason, the sampling density is much higher near the center of the pattern. This inefficient use of the nutation time causes the exterior pixels to be marginally sampled while the interior is over-sampled. Figure 6.3b shows the path described by the nutation device over the pixel field.

The x- and y-drive waveforms for this pattern are shown as the bottom two traces of Figure 6.3c. The signals are sine and cosine waves multiplied by linear shaped envelope functions, which are shown for x and y as the first and second traces respectively.

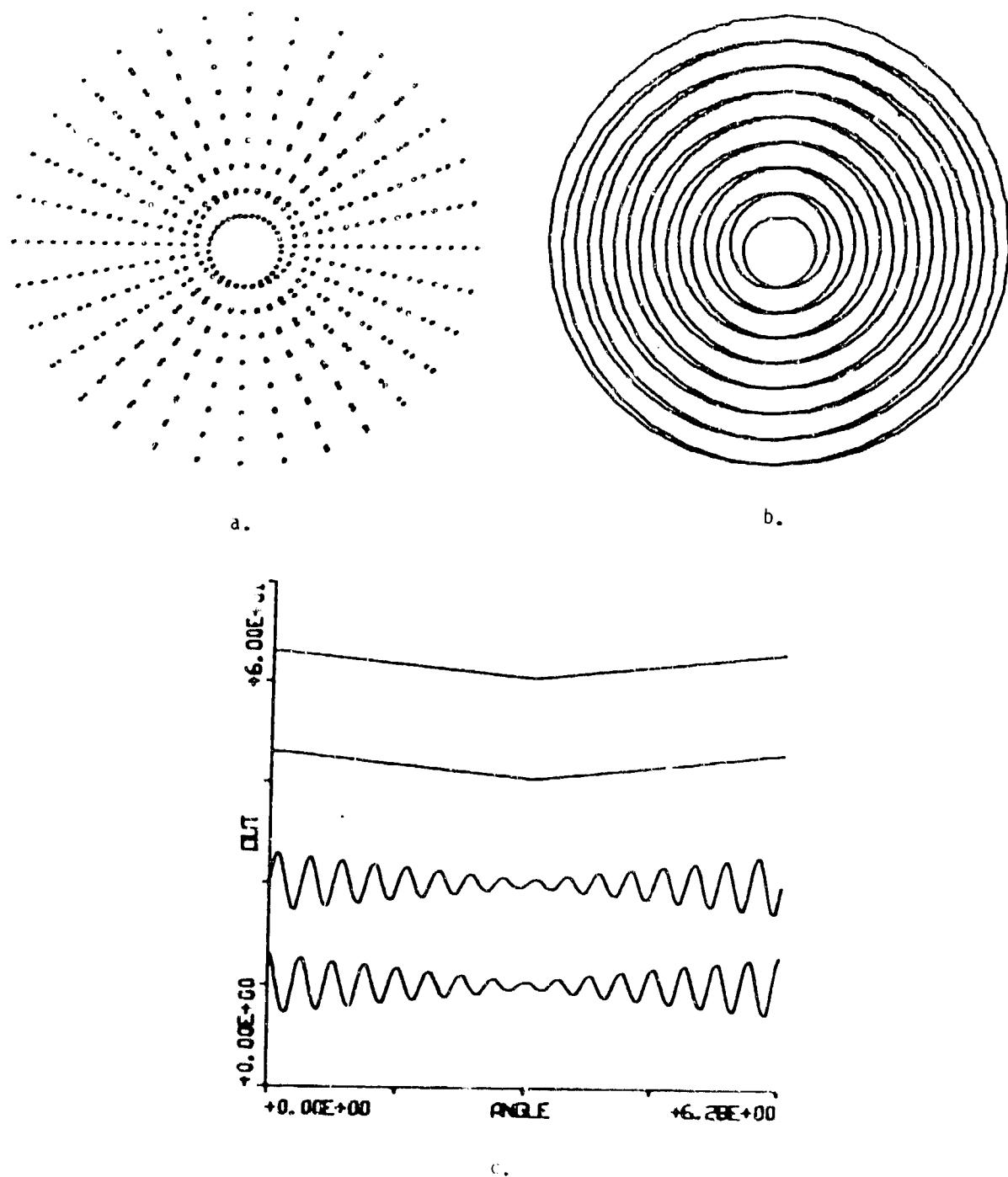


FIGURE 6.3

For the experimental work done in Phase I, a two-axis piezoelectric deflector driven by a digitally programmable waveform generator was used to produce this nutation pattern. It was adequate for demonstration purposes but is too slow (approximately 250 Hz useful frequency range) to be usable in a field instrument.

Previous work on the related I^3 sensor utilized resonant galvanometer scan mirrors to provide a circular nutation pattern with constant amplitude at 10 kHz scan rates. Using two mirrors (one per axis) in phase quadrature, the nutation can be controlled to better than 1% in both amplitude and phase.

However, the resonant scan mirrors are designed to be high-Q devices (Q is greater than 1000) in order to achieve the required deflections at high speeds. At 10 kHz, this implies a control bandwidth of less than 100 Hz. A Fourier analysis of the triangle wave envelope function of Figure 6.3c yields frequency components at the fundamental, $(10^4/16) = 625$ Hz, with higher harmonic terms at frequencies $(625 + 625 \times n)$ Hz, n odd, whose amplitude decreases as $1/n^2$. This means that the mirrors must respond to frequency components several kilohertz above and below the 10 kHz center frequency in order to approximate the required deflection waveforms (Figure 6.3c, bottom). This is precluded by the high mirror Q . The conclusion is that a pair of resonant galvos cannot generate the necessary All nutation pattern.

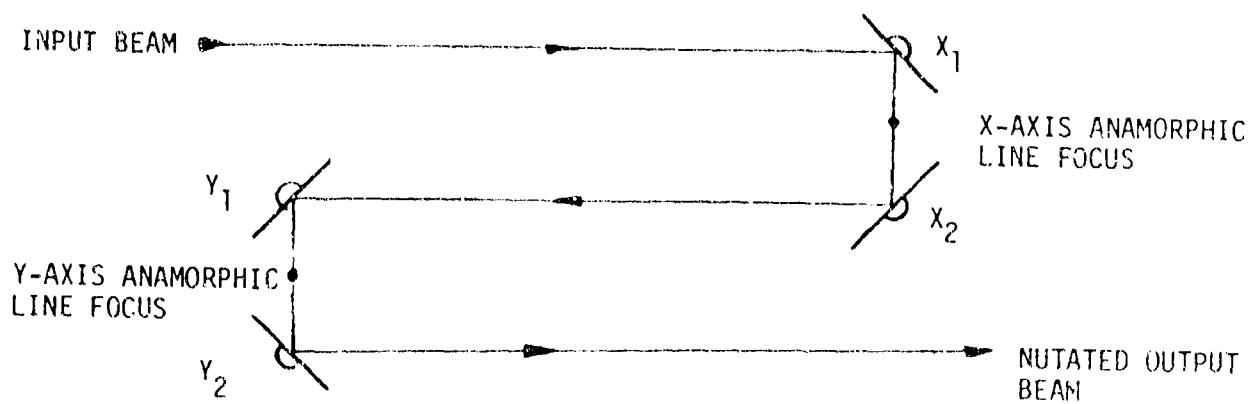
6.2.1 Four-mirror nutator

A solution to this problem is shown in Figure 6.4. Here the scan mirror in each axis is replaced by a closely spaced pair of mirrors. The basic idea is to drive each mirror of a one-axis pair with a different constant frequency. The amplitude modulated deflection waveform for that axis is then given by the beat frequency modulation between the two mirror drives. One way to view this method is to consider a drive waveform containing only two Fourier components (instead of many, as with triangle wave modulation). Instead of attempting to force a single mirror to respond to this waveform, the components are separately applied to two mirrors and the superposition obtained optically.

The advantage of this system is that all mirrors can be run at a constant phase and amplitude. The techniques for accomplishing this are already demonstrated.

6.2.2 Four-mirror nutation patterns

Two classes of nutation patterns can be obtained using the four-mirror system, referred to as the cosine spiral and the collapsing ellipse. They can be defined by the drive waveforms for each mirror:



Four-mirror nutator geometry.

FIGURE 6.4

Cosine spiral nutation:

$$x_1(t) = D_{\max}/2 \left\{ \sin 2\pi [f_N + (f_N/2S)] t \right\}$$

$$x_2(t) = D_{\max}/2 \left\{ \sin 2\pi [f_N - (f_N/2S)] t \right\}$$

$$y_1(t) = D_{\max}/2 \left\{ \cos 2\pi [f_N + (f_N/2S)] t \right\}$$

$$y_2(t) = D_{\max}/2 \left\{ \cos 2\pi [f_N - (f_N/2S)] t \right\}$$

$x_1(t), x_2(t)$ = waveform drives for x-axis mirrors

$y_1(t), y_2(t)$ = waveform drives for y-axis mirrors

D_{\max} = maximum diameter

f_N = nutation frequency

S = number of spirals per pattern (S/2 in, S/2 out)

The composite x and y scan amplitudes will be (by a simple trigonometric substitution):

$$x_{\text{spiral}} = D_{\max} \sin 2\pi f_N t \cos 2\pi f_N/S t$$

$$y_{\text{spiral}} = D_{\max} \underbrace{\cos 2\pi f_N t}_{\text{circular nutation at } f_N} \underbrace{\cos 2\pi f_N/S t}_{\text{amplitude modulation at } f_N/S}$$

circular
nutation
at f_N

amplitude modulation
at f_N/S

Collapsing ellipse nutation:

$$x_1(t) = D_{\max}/2 \left\{ \sin 2\pi \left[f_N + (f_N/2S) \right] t \right\}$$

$$x_2(t) = D_{\max}/2 \left\{ \sin 2\pi \left[f_N - (f_N/2S) \right] t \right\}$$

$$y_1(t) = D_{\max}/2 \left\{ \sin 2\pi \left[f_N - (f_N/2S) \right] t \right\}$$

$$y_2(t) = D_{\max}/2 \left\{ -\sin 2\pi \left[f_N - (f_N/2S) \right] t \right\}$$

$$x_{\text{ellipse}} = D_{\max} \sin^2 f_N t \cos^2 \frac{f_N}{S} t$$

$$y_{\text{ellipse}} = D_{\max} \cos^2 f_N t \sin^2 \frac{f_N}{S} t$$

Although the cosine spiral and ellipse waveforms differ only in the phase of the y-axis envelopes, the resulting patterns are qualitatively very different.

Figure 6.5a shows the sampling density for a cosine spiral with $S = 15$ revolutions per pattern and 31 time samples per revolution. The nutation path is that shown in Figure 6.5b while 6.5c gives the x- and y- envelope functions and drive waveforms. Although the edge sample density is better than for the linear spiral of Figure 6.3a, the sampling at intermediate radius is somewhat sparse, while the central pixels are still over-sampled. The cosine spiral would still have performance comparable to that of the linear spiral, and is realizable. It remains a poor match for a square reconstruction field, and so the following pattern, the collapsing ellipse, was used instead.

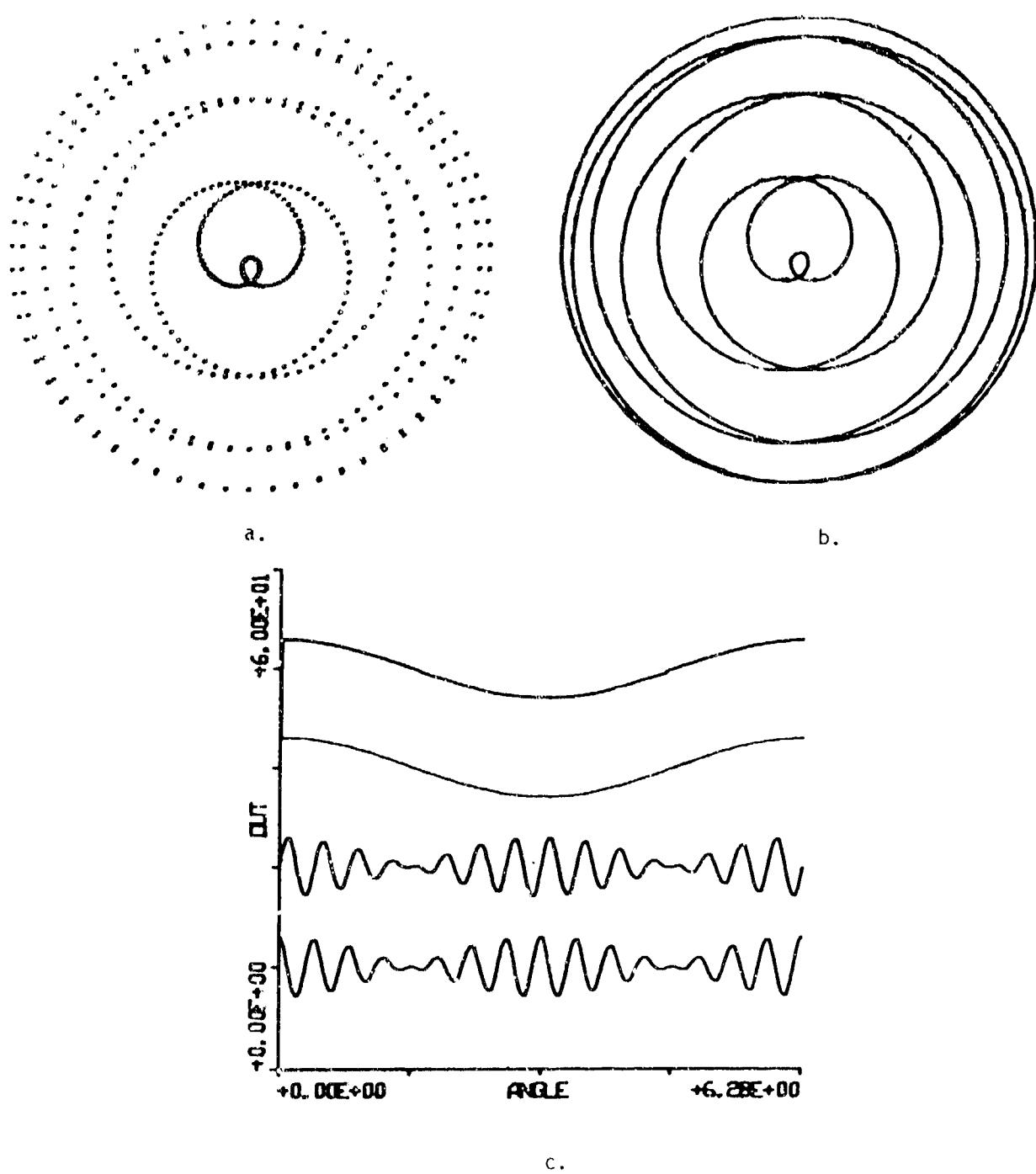


FIGURE 6.5

Figure 6.6a shows the sampling pattern for the collapsing ellipse, for $S = 15$ revolutions per pattern and 31 samples per revolution. The square fill shape, typical of Lissajous figures, is an ideal match to a square pixel field, and the sampling density is now weighted toward the field edges. Figure 6.7 matches this sampling pattern to an 8×8 pixel field. It is seen that the rule-of-thumb of four distinct samples per pixel is obtained for every pixel in the field. Thus, the collapsing ellipse with these scan parameters yields a nearly ideal nutation pattern for image reconstruction. Inspection of the individual mirror drive waveforms shows also that the pattern is generated using only sine components, eliminating the need to maintain a quadrature phase reference, thus simplifying the nutation controller. A set of galvanometers was designed and constructed which could operate at a basic nutation rate of $f_n = 7980$ Hz.

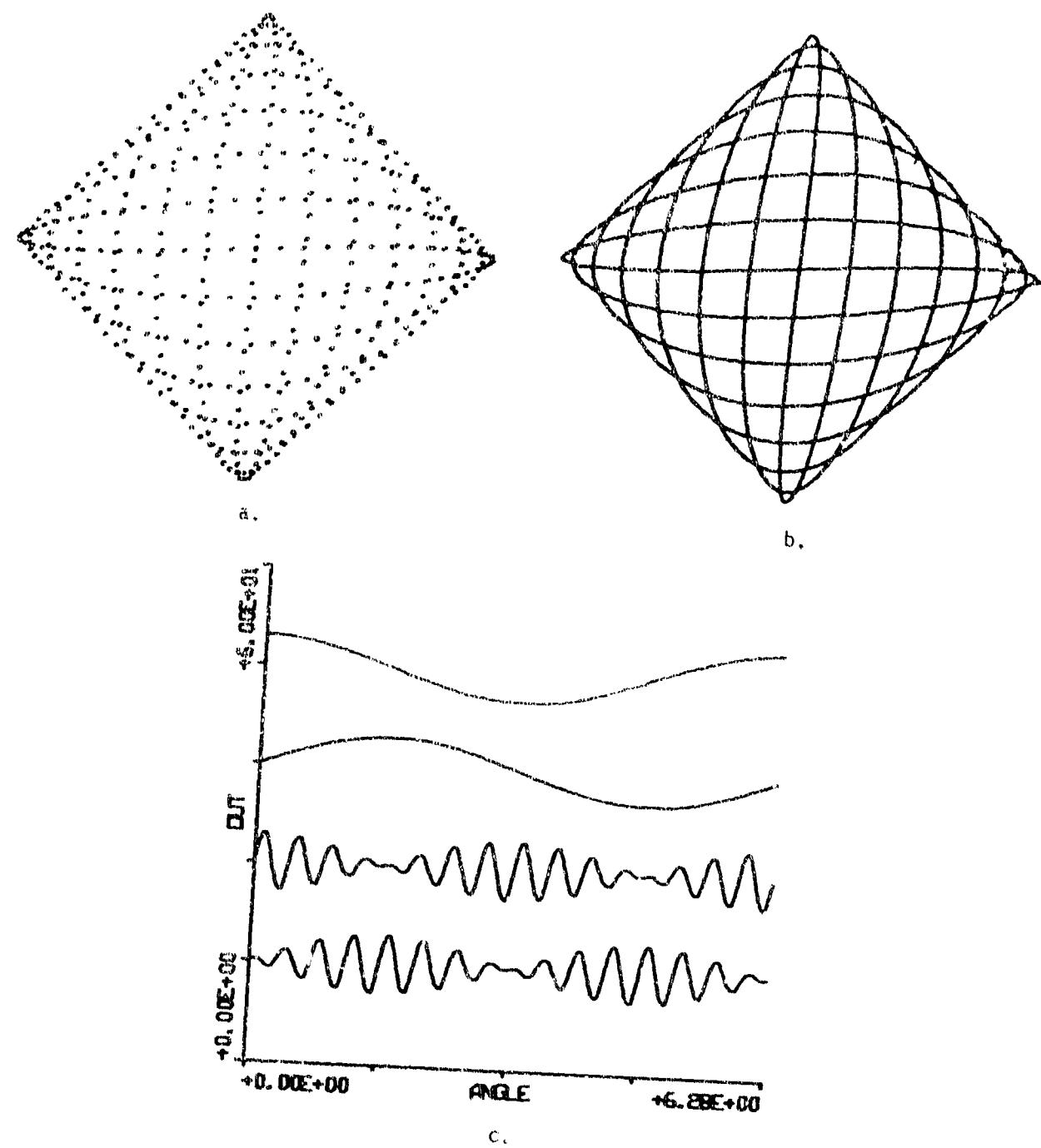


FIGURE 6.6

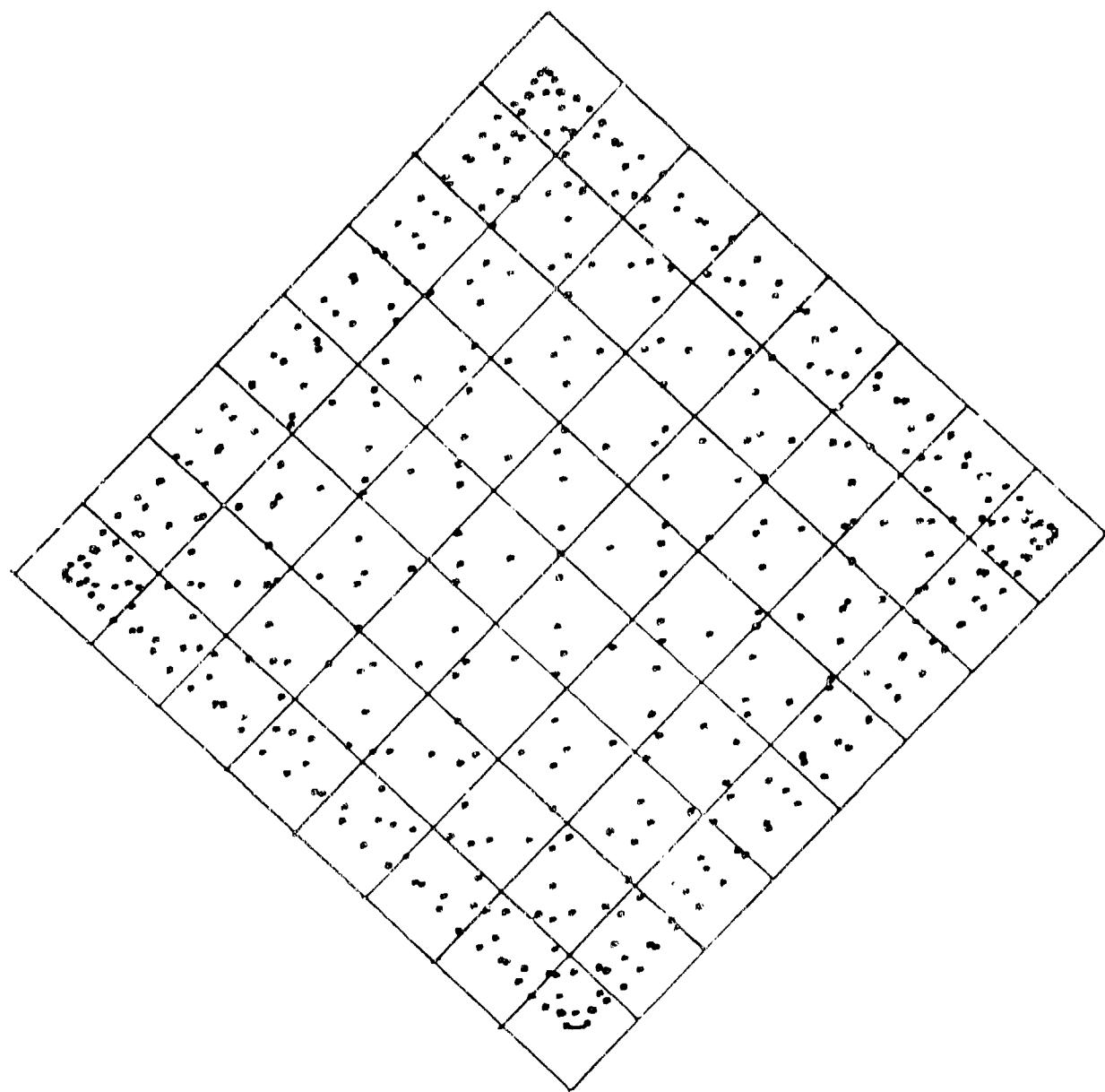


FIGURE 6 7

6.3 Interface Electronics

In order to test the imaging capabilities of the AIT breadboard, a set of special interface electronics was constructed to allow the breadboard to operate directly with the DG Nova computer. This enabled development and debugging of the optical subsystems in parallel with work on the PMP.

The interface system is diagrammed in Figure 6.8. The four silicon quad cell outputs are buffered by a set of preamplifiers, and the analog waveforms sent to a set of analog switched integrators. The integrators performed the front end signal integration and sampling required by the AIT algorithm, under the control of timing signals from the DG Nova. The output sampled waveforms were digitized by the Nova DG/DAC and recorded on disk.

In addition to data conditioning, the interface package controlled the AIT slow-speed galvo set. For debugging and experimentation without the PMP, a linear response pair of galvos, with sufficiently wideband, albeit slow, response was used, since the Nova DG/DAC was not fast enough to accommodate the 7980 Hz rate of the fast 4 mirror galvo set. The slow galvos were driven by the compound waveforms of Figure 6.6c, bottom. The waveforms were generated on an Apple computer and downloaded to the interface waveform generator through an RS-232 interface. The waveforms were applied to a set of driver amplifiers which controlled the linear galvos.

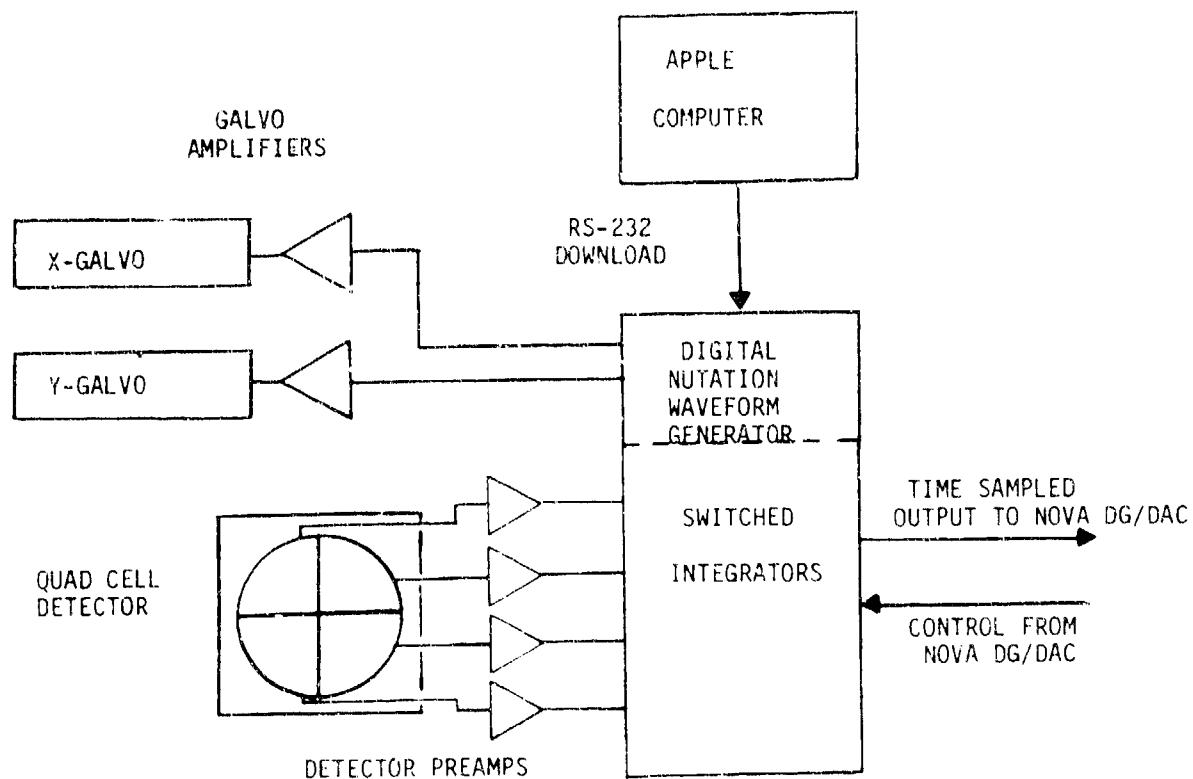


FIGURE 6.8

7.0 BREADBOARD HARDWARE: ELECTRONIC PROCESSOR

The complex AIT imaging and tracking algorithms require advanced, highly specialized digital hardware to realize real-time operation. To this end, a custom digital signal processor, the Programmable Microcoded Processor (PMP), was designed and built.

7.1 Processor Requirements

The processor unit for the AIT system must be capable of performing imaging, tracking, nutation control, system control, data output and other tasks in real time. This involves accessing of detector outputs, and sampling, digitizing and buffering and organizing the results into two data sets: the major cycle data vectors which are 1860 samples long and must be processed for image reconstruction, and the minor cycle sub-vectors 124 samples long, which must be converted to tracker outputs. Tracking must ultimately occur at 3 kHz update rate, while the imaging goal is 30 frames/sec.

7.2 PMP Architecture

The very high data throughput rate required of the system processor precludes use of any form of standard minicomputer architecture. These general purpose machines require decoding of each instruction into the hardware commands; the decoding step takes several machine cycles, greatly diminishing speed. Even advanced array processors are encumbered by use of high-accuracy, floating point arithmetic unneeded here, as well as cumbersome I/O structures, again reducing throughput. The alternative is a dedicated architecture with no instruction decoding, fixed-point arithmetic and optimized

I/O, which meets performance requirements, and is also at least a factor of ten less expensive than the closest commercially available processor configuration.

The PMP is a purely microcode driven digital signal processor with 16 bit data and address busses and 16 bit basic fixed point calculation accuracy. Based on the AMD 2903 family of bit-slice components, the system has a 100 nS cycle time and employs a 96 bit fully horizontal microcode word size.

A simplified diagram of the PMP architecture is shown in Figure 7.1. It is apparent that the system is complex; the speed and flexibility of the processor have been obtained at the expense of a complicated architecture which is challenging to program. The effort has nevertheless been highly successful, resulting in a very reliable system without a single analog adjustment.

The PMP can be approached in terms of functional sub-units or processing resources. The extensive use of tri-state bus switches allows different groups of hardware components to function quasi-independently on different tasks, with the boundaries between groups and their communication channels variable dynamically under microprogram control.

At center left in the diagram are the Am 2903 and 2902 units which form the system ALU. They are loaded and operated by the component group at top center, the Am2904 and Am2910, the 96 bit wide microcode memory and the microcode pipeline register. These devices form a powerful control unit for directing data flow, memory access, external device operation and internal computation with a significant degree of parallelism. The efficient control of

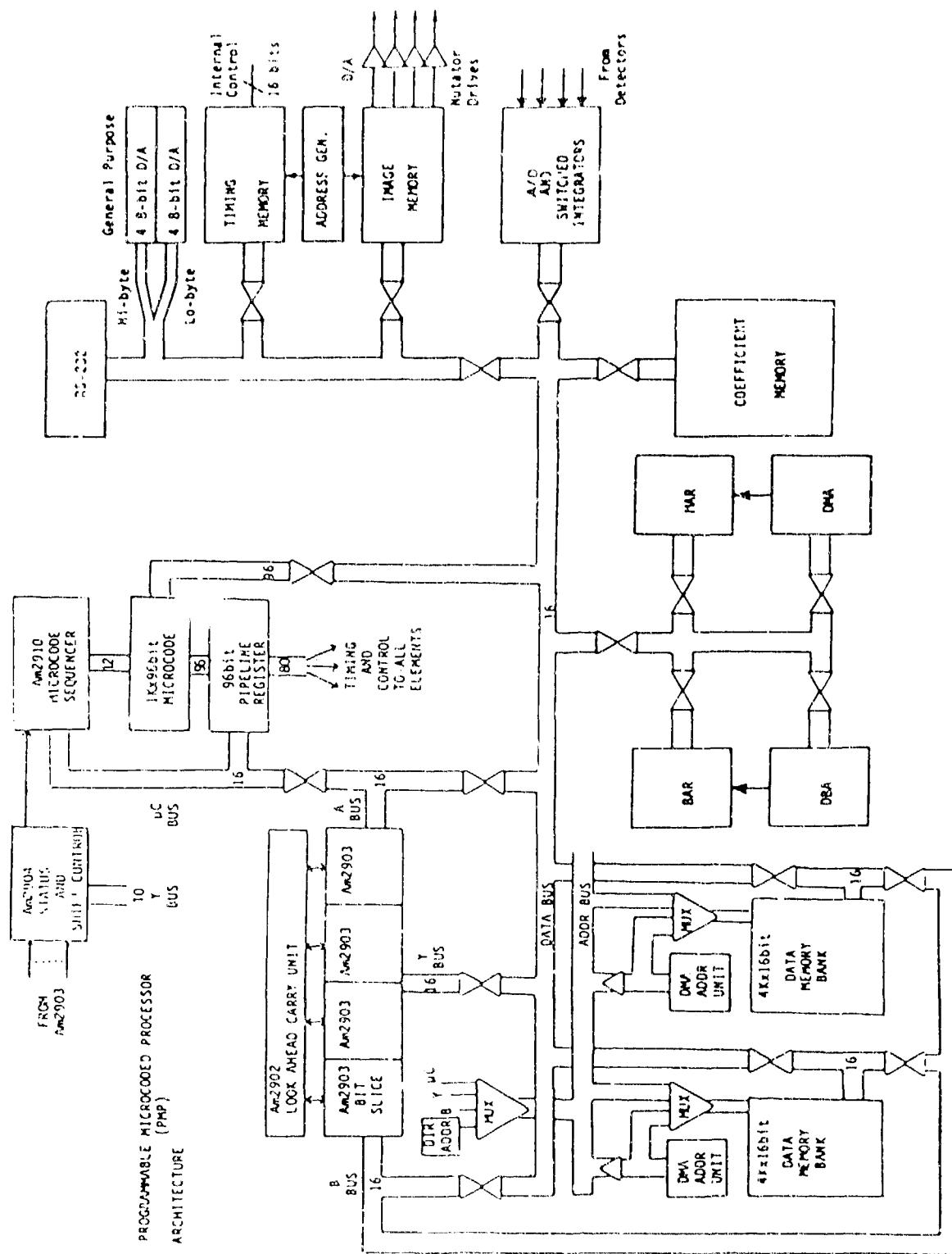


FIGURE 7.1

computational flow is enhanced by the group of four memory units shown below the Am2910 group: the Bus Address Register (BAR) and its Direct Bus Access (DBA) unit, and the Memory Address REgister (MAR) and Direct Memory Access unit. These memories contain the maps and tables needed to fetch and route data in the order required from the main data memory without use of any time-consuming address calculations.

The main data memories are located at lower left. They consist of a pair of 4K by 16 bit blocks with separate access ports and address controls. This allows one bank to input data from some external source (such as the digitized output of a detector set) while the other is read out for processing, thus implementing a "ping-pong" buffer.

In addition to these major PMP hardware units, the AIT version of the PMP contains several other sub-systems, shown at right in the figure. The coefficient memory contains 128K by 16 bit words of storage to accommodate the back matrix for image reconstruction. Inputs from the detector preamps are integrated and digitized in the discrete samples needed by the imaging and tracking algorithms in a detector A/D front end with digitally controlled AGC, shown at lower right.

Generation of up to four separate nutation drives and timing of all nutation-synchronized operations is done by the Timing and Image memories, located at right-center. Analog outputs of essentially any internal values or results, such as x and y tracker outputs, are facilitated by a bank of eight 8-bit D/A converters.

Finally, communication with a host or supervisory computer must be considered. Since the PMP is a dedicated digital system deliberately containing no high-level instruction capability, operator access, system downloading, and other such tasks must be accomplished through some external general purpose computer. This communication proceeds through a standard RS-232 port on the data bus. Through this port any and all memory locations and registers (which are equivalent in the PMP addressing scheme) can be loaded or accessed; in particular, the 1K by 96 bit microcode memory is downloaded through this port.

Major support of the PMP was done through the Data General Nova, on which all microcode was developed using a specially configured meta-assembler. For system diagnostic purposes, Pascal code for an Apple computer was also written which allowed it to act as an intelligent terminal for the PMP. These support systems helped make the challenging task of programming the PMP more manageable and efficient.

7.3 AIT Microprogram Structure

The AIT microcode procedures are divided into a set of modules contained within a simple execution loop. The modules are used to sequentially initialize each of the PMP memories with the algorithm parameters (tracker mask function and offsets, nutation waveforms, etc.) required for a particular AIT configuration. As a first step, a 16-word bootstrap loader is entered into the top of microcode memory, which facilitates loading of the remaining micro-program.

The operation of the AIT microprogram is outlined in Table 7.1, while the flow of program control is diagrammed in Figure 7.2. The action of the microprogram proceeds as follows.

After the PMP has been downloaded with the AIT microcode, the microprogram will enter a loop waiting for a word to be transmitted from the host over the RS-232 line. When the word is received, it will be interpreted as a command by the microprogram, which will branch to a specific module using the command code as an offset into a dispatch table. After the command has been executed, control will return to the wait loop (except for the "RUN" command) where the microprogram will wait for the next command. Thus, the AIT microprogram contains no executive (only a central dispatcher and several modules), and is totally driven by the host. This allows the PMP to operate in a very general environment with the PMP run-time configuration dictated by the host to allow running different variations of the same experiment.

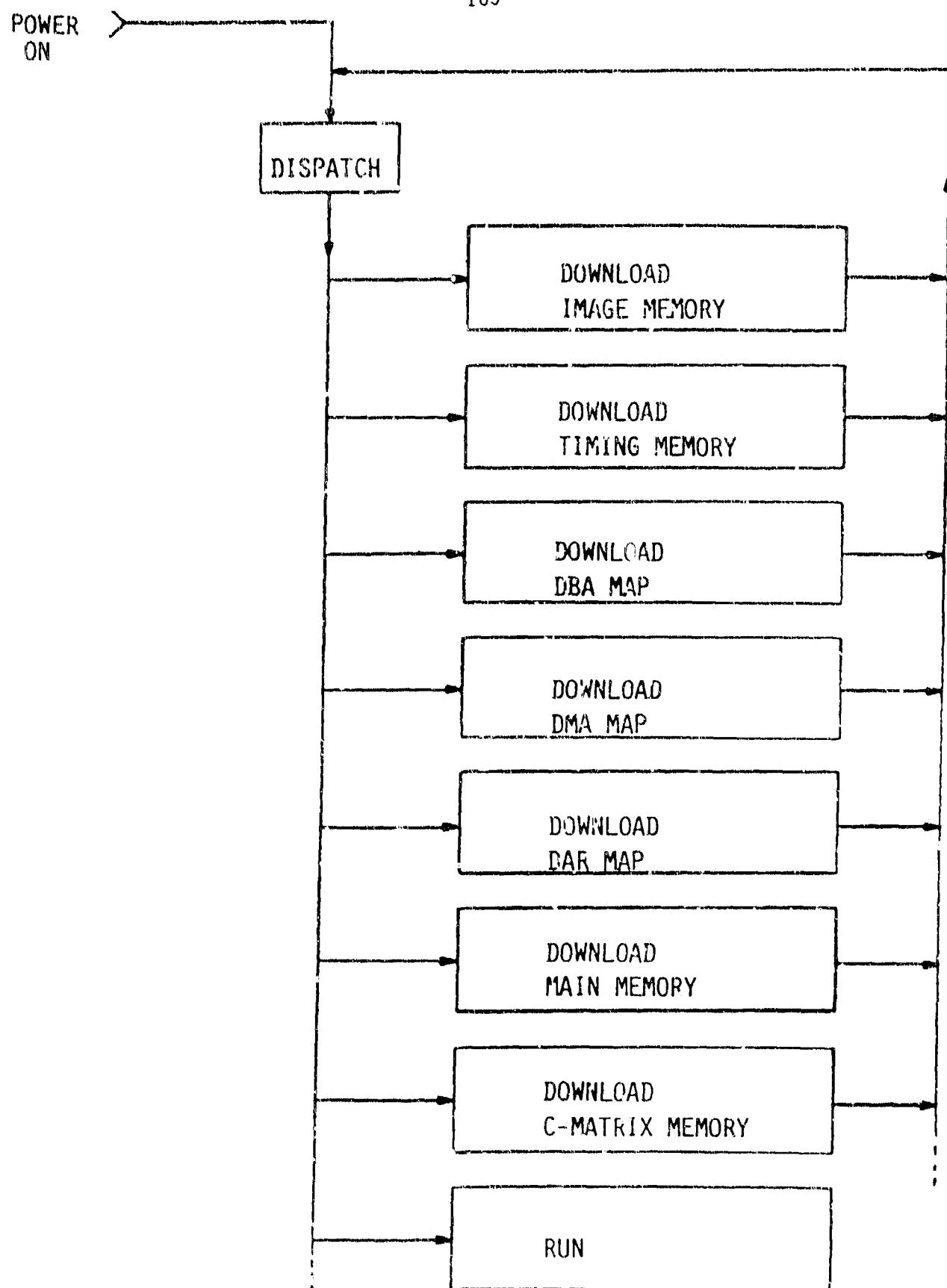


FIGURE 7.2
AIT MICROPROGRAM STRUCTURE

AIT SCENARIO

- DOWNLOAD IMAGE MEMORY. Contains digital codes to be converted to analog signals which drive the two nutation mirrors.
- DOWNLOAD TIMING MEMORY. Contains digital timing and synchronizing information used to integrate and digitize QUAD CELL outputs, and synchronize micro-program to the data acquisition process.
- DOWNLOAD DBA MAP. Contains codes used to address and read the integrating analog to digital converters.
- DOWNLOAD DAR MAP. Contains address pointers used to fetch the digital samples and pre-stored coefficients to allow high speed algorithm execution.
- DOWNLOAD MAIN MEMORY. Contains algorithm constants.
- DOWNLOAD COEFFICIENT MATRIX MEMORY. Contains Imaging Transformation Matrix (Back Matrix).
- RUN.
 1. Initialize and control data acquisition hardware.
 2. Execute Tracking algorithm.
 3. Execute Imaging algorithm.

TABLE 7.1

The PMP contains three autonomous dedicated hardware resources that need to be initialized. One is the Image Memory which contains the digitized nutation control waveforms used to drive the mirrors. The host computer will generate these waveforms and send the sequence of numbers to the PMP, which will, in turn, load the sequence into the memory. In addition, the microprogram will initialize the Image Memory control hardware that is used to determine the nutation frequency. Once initialized, the Image Memory machine is free-running, and the waveform sequence will be repetitively fetched and converted to analog.

The second resource is the Timing Memory which contains timing information used to synchronize all the elements in the system. One bit is used to command the A/Ds to convert and another bit is used to synchronize the microprogram to specific points in the nutation cycle (i.e. tracker cycle endpoints). Again the Timing Memory is loaded by the microprogram with a timing map generated by the host; and its control logic initiated so that these two memories are running in lock step with a programmable phase delay between them. Note that the Timing Memory allows the microprogram to collect and operate on the sampled data in real-time and, thus, optimize the tracking response time.

The third resource is the Direct Bus Access (DBA) machine used to fetch the four integrated-digitized QUAD CELL outputs, under control of a Timing Memory bit. The detector's outputs (at specific points in the nutation cycle, with minimum latency) are stored into a

buffer, in a fixed order, to be processed later by the microprogram. As in the previous two memories, this dedicated hardware resource must be programmed by the microcode.

In order to facilitate high-speed algorithm execution, another hardware resource exists called the Direct Access Register (DAR) map. Essentially, this machine maps a count sequence into a random sequence. In other words, a sequence generated by a counter accesses a RAM (containing an address pointer list) which in turn points to a fixed storage location in the main buffer where the data samples are stored; and, thus, obviating any effective address calculations. Also stored in the main data base are various algorithm parameters such as the number of segments in a tracker cycle, gain coefficients, and displacement offsets. Whenever the microprogram needs to access a data sample or a parameter, the microinstruction will issue the micro-orders to access the buffer using the DAR map and advance the DAR counter.

The only unique command is the "RUN" command where the microprogram executes the tracking and imaging algorithms. Note that these two algorithms are independent in that they operate on different data sets and under different constraints, but with some resource sharing. Thus, the environment is similar to multiprogramming with the tracking routine having higher priority.

Essentially the microprogram will periodically test a bit in Timing Memory signifying that all the segments of a Tracker Cycle have been integrated, digitized, and stored in main memory; and ready to be processed. When this condition occurs, the microprogram will

branch to the tracking module. The microcode first fetches the parameter that contains the number of segments in the current Tracker Cycle and loads this number into the microsequencer's internal loop counter. Next, using the DAR Map and the loop counter, the segments are accumulated for each of the detector's four quadrants. Then the routine computes the "numerator" and "denominator", performs the division, multiplies the ratio by the gain coefficient, and then adds in the offset. Finally the displacement is checked for overflow and clamped to full scale if necessary.

Whenever the microprogram is not executing the tracking algorithm, and a full frame of "fresh" data has been collected, the microcode will execute the imaging algorithm. Note that main memory is really divided into two separate ping-pong buffers so that when it is time to process a new image frame, the buffers are swung for one major cycle in order to freeze one frame's worth of data. On the next cycle the buffers are swung back so now the imaging data can be accessed without contention over several major cycles.

The imaging algorithm basically consists of computing the inner product of the detector vector (1860 sample points), times the Imaging Transformation Coefficient Matrix (64 x 1860) to yield the pixel vector (64 points). First the detector vector element is fetched from memory (using the DMA address counter) and the coefficient is fetched from the 128K C-matrix memory, then multiplied together (16 x 16 signed multiply), and finally added to the previous product (32-bit accumulation). After the entire column has been multiplied,

the pixel value is sent to the host over the RS-232 line. Note that the DC bias must first be removed from the detector vector before multiplication. The DC bias value for each quadrant is specified by choosing those four elements in the detector vector for which it is guaranteed no power fell on the quadrant.

7.4 Processor Performance

The PMP was microcoded to perform both the imaging and tracking functions and was tested using simulated data sets downloaded from the DG Nova. The processor performed both tasks flawlessly.

As a part of system operation, the PMP had to generate the 15/31 nutation pattern drives for the nutation mirrors. Figure 7.3 shows an x-y oscillogram of the waveform outs of the drives for a two-mirror system. Amplitude modulation of the oscilloscope was controlled by the sample timing pulse. The result is an accurate rendition of the 15/31 collapsing ellipse pattern. This verifies autonomous operation of the Image and Timing memories and associated nutation-synchronized circuitry.

To test the full range of tracker operation, an entire forward matrix was loaded into coefficient memory, where the simulated pixel vectors for each of the 64 pixel locations could be accessed by the PMP in the same way as real-time data. The PMP was programmed to step through each pixel in raster fashion, convert the data to spot location using the AIT tracker algorithm, and output the x,y results through a pair of the general purpose D/A converters.

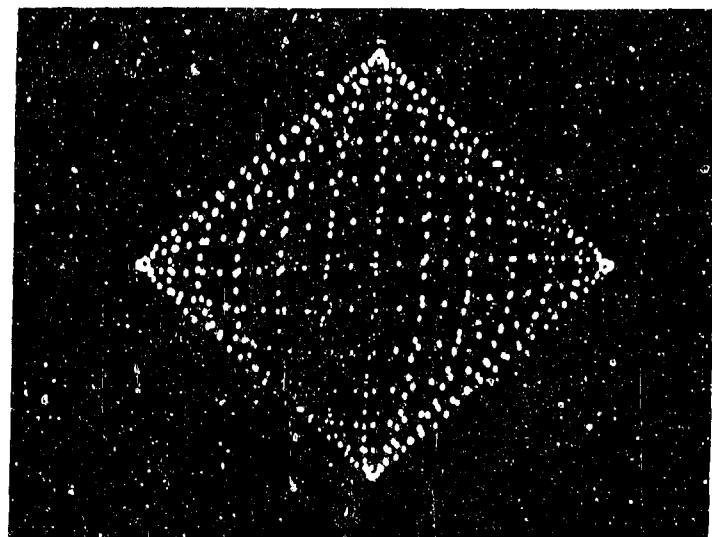
The separate X and Y analog outputs are shown in Figure 7.4. In 7.4a the full scan is shown, with the upper trace indicating the x-output and the lower the y-output. The expected staircase waveforms are clearly in evidence, reproducing the pixel locations to an accuracy consistent with the tracker simulation results. Figure 7.4b shows one row of eight pixels (constant y value), revealing the

departures from ideal output at the field extremes predicted by the simulations.

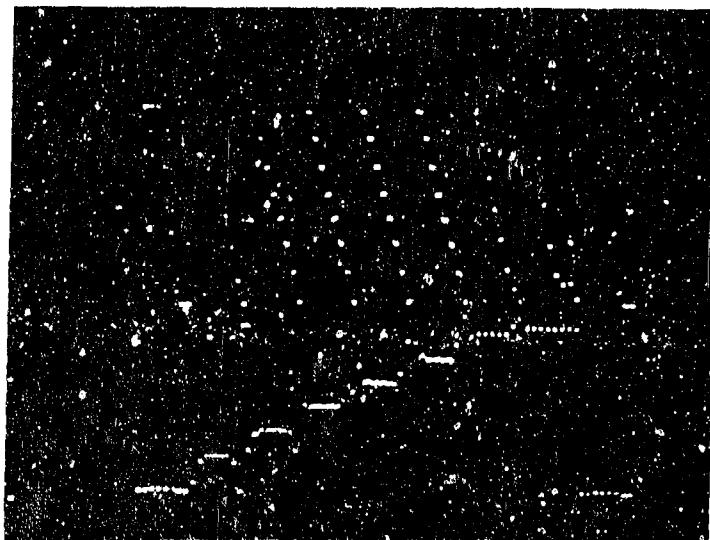
Figure 7.5 shows the results for the entire field, with the x output plotted against y. The grid pattern associated with ideal operation is found in the center of the field, with loss of accuracy occurring in the field corners. Again this matches the predictions of the simulations and shows the excellent performance of both the processor and the algorithm.

To test the imaging microcode, the back matrix was loaded into coefficient memory, and simulated detector vectors were loaded into data memory through the RS-232 port. Two vectors could be loaded simultaneously, one in each buffer, and alternately processed using the image reconstruction algorithm.

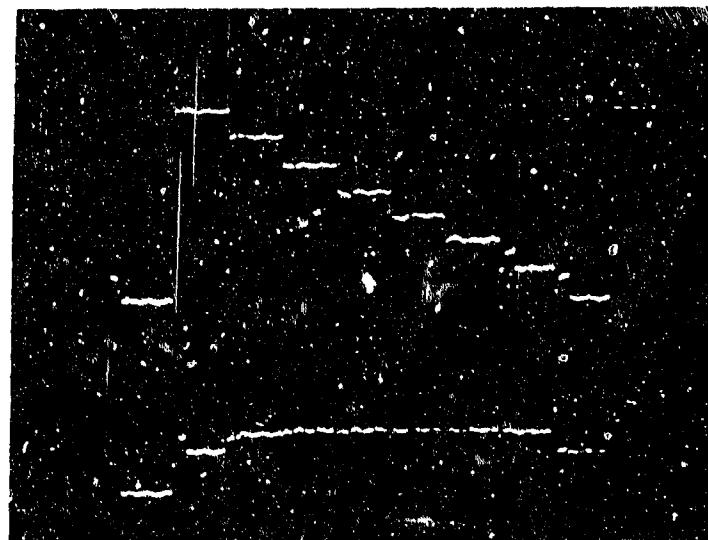
The results were found to be excellent, with reconstruction fidelity using the PMP's 16 bit fixed point arithmetic essentially indistinguishable from the DG Nova floating-point results. Image reconstruction using the PMP alone took approximately 2 seconds; down from the 16 required by the DG Nova with optimized code. Again, perfect operation of the PMP was demonstrated. An increase of frame speed beyond this point requires use of the special hardware multiplier unit, the Vector Matrix Multiplier (VMM).



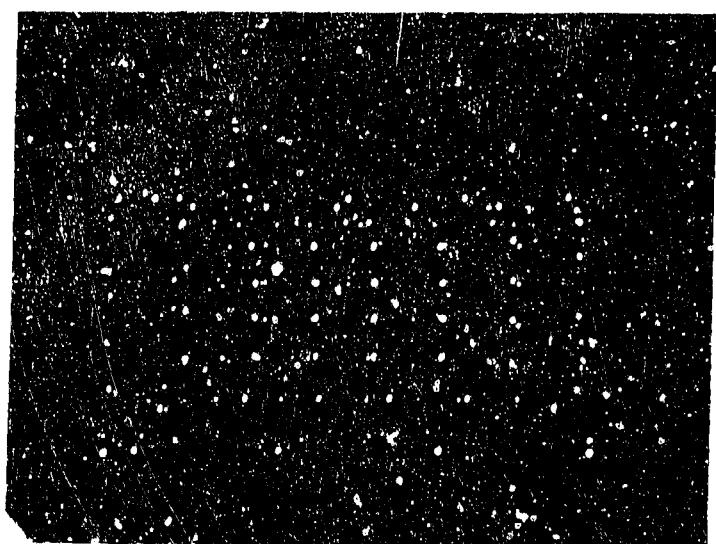
X-Y PLOT OF TWO
NUTATION DRIVE SIGNALS



a



TRACKING MIRROR DRIVE SIGNALS



X-Y PLOT OF TWO TRACKING
MIRROR DRIVE SIGNALS

7.5 Vector Matrix Multiplier

The Vector Matrix Multiplier, or VMM system, is made up of two units. One unit, called the Vector Processor, consists of a dual vector buffer, a vector matrix multiplier, and the VMM system controller. The other unit, called the Coefficient Memory, consists of an expandable coefficient matrix memory system, as discussed in Section 7.2. Together, these units perform a vector matrix multiplication for a single row vector with a coefficient matrix with the proper dimensions. For the AIT study, the row vector has 1×1860 elements and the coefficient matrix has 1860×64 elements. After a vector matrix multiplication is performed, a new vector of 64 elements is produced.

VMM Operating Description

Figure 7.6 describes the VMM architecture. It is divided into a Vector Processor and Coefficient Memory; of which a maximum of eight memory sections or 512K words of memory can be used. Both the Vector Processor and Coefficient Memory have been designed in a pipeline architecture in order to speed the vector processing through-put rate. The maximum through-put rate was designed for 10 MHz, but at the present time the through-put rate is limited to 6 MHz due to the multiplier accumulator device being used (TRW MAC 1010J). As faster multiplier accumulator devices are available, the maximum through-put rate of 10 MHz can be realized.

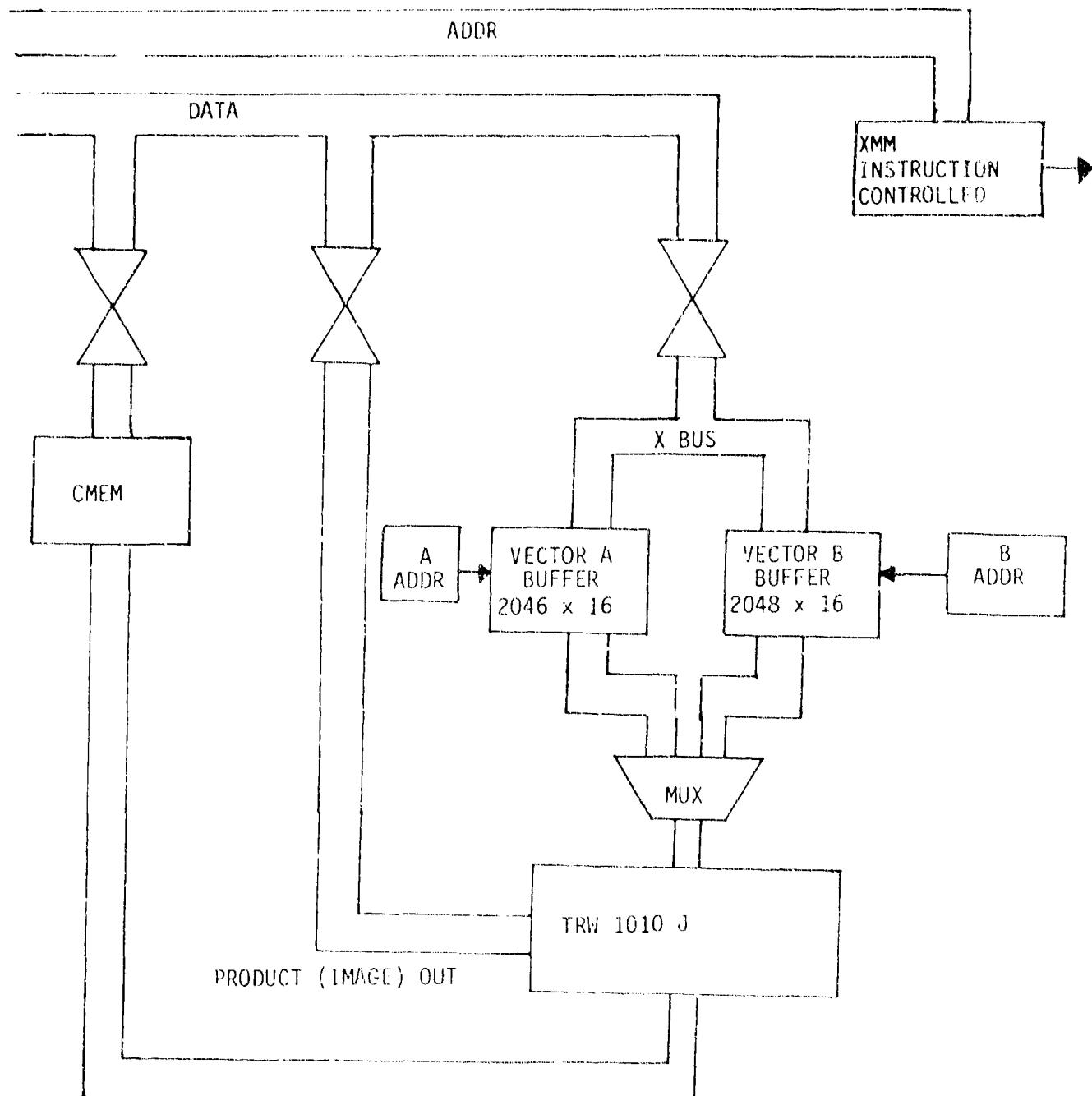


FIGURE 7.6 VMM ARCHITECTURE

In operation, the VMM vector buffers will accept data from the PMP external bus (x bus) and perform the multiplication and accumulation using the TRW multiplier. The VMM operates under its own clock, so the ping-pong buffering, with the two sections controlled by separate address generators, acts as a synchronous interface between the PMP and VMM. The coefficients are fetched from C-memory via a separate internal bus (in contrast to the way C-memory is used for PMP image processing) to prevent tying up the PMP Data bus by coefficient transfers. The resultant image vectors are sent back to the PMP over the PMP data bus.

The target performance of the VMM is shown in Table 7.2. The hardware is designed to exceed the 30 Hz frame rate goal, allowing a healthy operating margin. Although completely designed and fabricated, the VMM was not debugged and integrated with the PMP by the end of the program, and so full 30 frame/sec processing rate could not be demonstrated.

- Time required to process a vector with one column of the coefficient matrix:
1860 VMM clock cycles (number elements in vector)
8 VMM clock cycles (pipeline feed through delay)

TOTAL 1868 VMM clock cycle (VMMCLK = 6 MHz)
TOTAL TIME = 312 microseconds

- Time required to read one multiplication process out of the VMM into the PMP:

10 PMP clock cycle

The PMP clock period must be 1/2 of the VMM clock period to read the processed result (3 MHz)

Therefore, the time to read the results and reinitialize another multiplication process is:

.33 microseconds x 10 clock cycles

3.3 microseconds/readout

- Total time to process the entire matrix:

(312 + 3.3) 64 = 20.2 milliseconds

- Conclusion:

The VMM can process 49.5 vector matrix multiplications per second.

TABLE 7.2 VMM SYSTEM TIMING REQUIREMENT FOR AIT

8.0 EXPERIMENTAL SOFTWARE

A large body of software was written to enable the Nova to support all of the experimental data collection, breadboard development, and processor development tasks in the program, apart from the software designed for algorithm simulation. In the sections below, the capabilities of the codes written to support the optical benchwork, PMP development, the Genisco color display, and general system work are outlined. The descriptions are by no means complete, but rather indicate the general intent and emphasis of the software effort. A listing and brief synopsis of all the programs, subroutines and utilities written for the AIT program is given in Appendix I.

8.1 PMP Support

Programs were written to provide four types of support to the effort to integrate the AOA-designed programmable microcoded processor (PMP) into the AIT project:

1) Programs to download the "bootstrap" microcode and the microcoded program into the control store of the PMP.

2) Programs to interact with the microcoded diagnostic routines to debug the PMP hardware. There is a "hierarchy" of these program sets. The testing proceeded from verifying the integrity of the most vital and basic hardware resources to trying to induce subtle and data-dependent hardware failures.

3) Programs to simulate the microcoded processes using algorithms that mimic these processes. Intermediate results could then be generated and displayed and used as an aid in debugging the microcode.

4) Programs to invoke particular microcode modules and to process and display the results calculated from the data received from the PMP.

All communication between the PMP and the Nova is carried over a standard three-wire RS-232 line. A very simple standard protocol was developed for communication between the PMP and the Nova. This protocol was sufficient for all the modes of PMP support. Under this protocol, the Nova downloads the bootstrap and microcode program to the PMP, indicating which microcode procedure is to be carried out. If more data is required from the Nova for the PMP

to carry out this task, more information is sent in this form: a number indicating the number of words in the further communication is sent to the PMP, followed by the data words themselves. Finally, a checksum of all the previous words is sent to the PMP. The PMP, in order to communicate with the slower Nova, awaits a one byte request from the Nova before sending a stream of data (of a well defined type and extent) to the Nova.

This protocol allowed the microcode programs to be built gradually in modules, which could be individually called and tested by the Nova. The modular structure of the PMP code permitted greater efficiency in coding, and also permitted greater flexibility in revising and using the code. Functional microcode modules could be selected from a library of modules and matched to a particular task with minimal overhead.

At the beginning of the effort to achieve PMP-Nova integration, a communications problem was discovered. The Nova RDOS operating system could only recognize numbers corresponding to ASCII "control-S" and "control-Q" as console control characters, even when the user program was employing a Fortran "read binary" command. An assembly language routine using the RDOS system command ".RDS" (read sequential) was written, but these ASCII characters were still not recognized as data. Both input techniques resulted in these characters being intercepted by the operating system and thus, being lost to the calling program.

Faulty RDOS documentation (revealed by a later Data General documentation update) prevented a simple solution to this problem from becoming immediately apparent. A stopgap measure was developed and exploited for the remainder of the AIT project. This solution consisted of writing an assembly language routine to directly interrogate the Universal Line Multiplexor (ULM) board, the hardware intermediary for communications with the PMP and the Dasher printer. This ULM interrogation subroutine was used in all the Nova programs communicating with the PMP. With a simple revision of these programs, ordinary Fortran "read binaries" could now be used. Many of the utilities listed in Appendix I were written to diagnose and correct this problem.

8.2 Bench Support

Support for experimental data collection was provided by programs to control the operation of the electronic devices used to drive the nutation mirrors and to sample the detector outputs in synchrony with the sample intervals required by the tracking and imaging algorithms. The mirrors were driven by the interface electronics package (the rack). In order to drive the mirrors, this device required digital information that defines the frequency and the voltage levels of the signals it sends the mirrors, and a representation of the nutation pattern in a form that can be used to drive each mirror.

The programs written to control this hardware were duplicated in a form that could be used by an Apple computer equipped with a digital to analog converter. (These programs were written in "Basic" and in assembly language for the 6502 microprocessor.) The Nova computer was thereby freed from this chore.

The AIT rack also contains switched integrators and sample and hold registers used in the taking of data. These hardware generated timing signals were used by the Nova software to determine when to read the sample and hold registers.

The program EXPDSK contains the code necessary to take data from the sample and holds, scale the data, and store the data to a disk file. EXPDSK incorporates the same header and file name creation subroutines as SIMDSK. The files it generates have exactly the same format as the SIMDSK files, except for a difference in the letter code in the file name.

In order to simplify data-taking from the experimental apparatus, two programs - variants of EXPDSK and Image, respectively named SNAP and FSIMAGE - were created. These two programs are linked to one another by a Fortran "chain", so that each program invokes the other in a continuous process of taking data and viewing the results. Minor changes of the program flow have been written into these programs to make them more convenient to use in this application.

There were stringent limitations imposed on the rate at which data could be taken. These limitations derived from those of the Data General digital to analog converter hardware. Scanning four channels, with external sample and hold registers provided by the AIT rack, no more than 3500 sample points per second could be accommodated. These produced an upper limit of approximately 5 frames per second on the imaging rate.

8.3 The Genisco Color Display

Another major software development project undertaken during AIT Phase II relates to the use of the Genisco Color Processing System. This color processor permits a real time display of the 8 x 8 pixel field calculated by the image processing equipment. Use of this color processor required the development of a Fortran-callable assembly language interface (PGPDR, PGFDM) to the processor and also an assembly language program to load the vendor supplied color processor operating system to the programmable color processor (PGP). Using the programming language provided by the PGP operating system and using the Fortran-callable interface, code was written to create pseudo-color displays of the 8 x 8 pixel image, and other code was written to permit x-y graphical displays to appear on the color monitor. An x-y plotting utility permits a 6-color display of the 4 detector vector waveforms and a measurement grid. Displays of other functions occur in other programs. The fast and easy-to-use graphing and imaging tools developed for this contract will be used again and again in future work.

With regards to the real time display of the 8 x 8 pixel image, the Genisco system was originally chosen for its fast data channel interface capability with Data General equipment, and its ability to produce image frames at high rates. A frame rate of approximately 15 frames per second was accomplished, using the relatively high level PGP operating system executive language provided by Genisco.

Using a lower level Genisco color graphics processing assembly language, further improvements in frame rates can likely be accomplished.

These imaging and graphing subroutines (using the Genisco PGP system) have replaced the terminal and printer graphing routines previously used by Image and SIMDSK. These subroutines and their variants have also been used extensively in other programs.

8.4 General Disk File Handling Utilities

A general disk file handling package developed for the AIAO contract was adapted for use in AIT software and was widely used. The package includes routines to write out to disk a parameter header and sets of data and other routines to read back the header and the data sets. There is also a file naming utility and an error handling utility. The naming utility creates a disk file with a unique name based on the source of the data (optical bench, or simulation, or other) and also derived from the date and time of the file creation. The error handler sends error messages to the console and returns control of the program to an appropriate point in the program (that is, it provides an error return as well as a normal return).

These routines were designed with the goal of being made general enough to accommodate data sets of different sizes and structure, for example, with different nutation patterns and sampling schemes. But, they were made modular enough and simple enough to allow easy implementation and adequate standardization for uniformity of use.

8.4 General Disk File Handling Utilities

A general disk file handling package developed for the AIAO contract was adapted for use in AIT software and was widely used. The package includes routines to write out to disk a parameter header and sets of data and other routines to read back the header and the data sets. There is also a file naming utility and an error handling utility. The naming utility creates a disk file with a unique name based on the source of the data (optical bench, or simulation, or other) and also derived from the date and time of the file creation. The error handler sends error messages to the console and returns control of the program to an appropriate point in the program (that is, it provides an error return as well as a normal return).

These routines were designed with the goal of being made general enough to accommodate data sets of different sizes and structure, for example, with different nutation patterns and sampling schemes. But, they were made modular enough and simple enough to allow easy implementation and adequate standardization for uniformity of use.

9.0 EXPERIMENTAL BREADBOARD RESULTS

The experimental breadboard system was set up for visible wavelength operation and interfaced to the DG Nova through the AII Interface Electronics rack and the DG/DAC laboratory interface. A binary intensity bar target mask was installed in the target projector, and the nutation amplitude adjusted so that the bar presented as having dimensions of approximately 2×4 pixels in the reconstruction field. Because of the anamorphic field lens, the pattern scanned had a roughly 5:3 aspect ratio resulting in the distorted reconstruction field of Figure 9.1. As a result, the bar would appear to be about 2×4 pixels in extent for one orientation, but closer to 1×6 pixels when rotated 90° .

If required, the aspect ratio can be corrected either by an anamorphic re-imaging system or a simple deviation prism-corrector

The nutation drive was set for a frame rate of .5 Hz. This slow speed was found desirable to minimize the phase shift in the linear galvo response. In this experiment, no direct sensing of the galvo mirror positions was used, either for mirror control or system synchronization. In the high speed system, mirror position is sensed dynamically and used in a feedback loop to stabilize the nutation pattern; here the phase shift pattern does not arise.

Using the SNAP program, data sets were taken from the bench, signal conditioned, and converted to output images. Systematic phase offsets were removed using the shifting algorithms and DC restoration was performed on the experimental waveforms, as described in Section 4.

RECTANGULAR NUTATION PATTERN

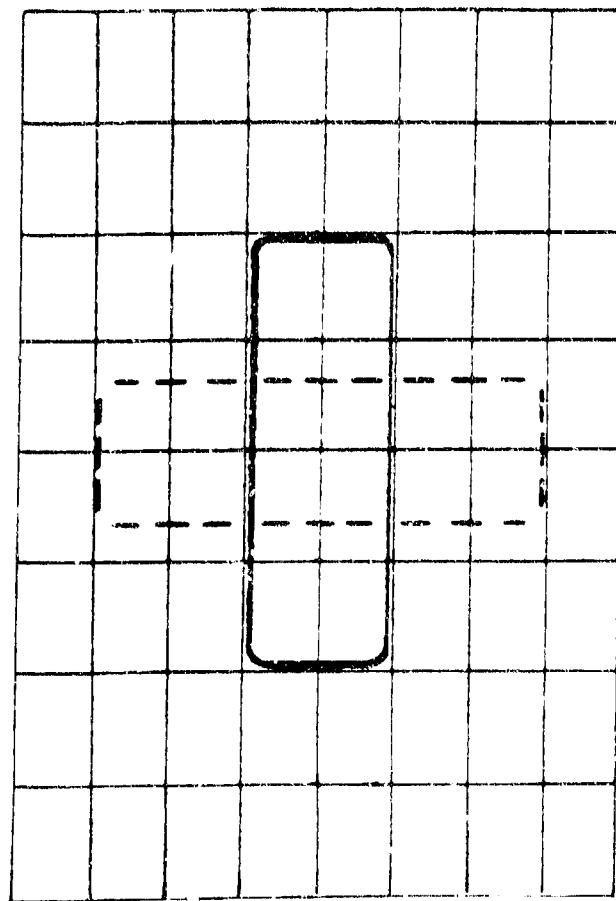


FIGURE 9.1

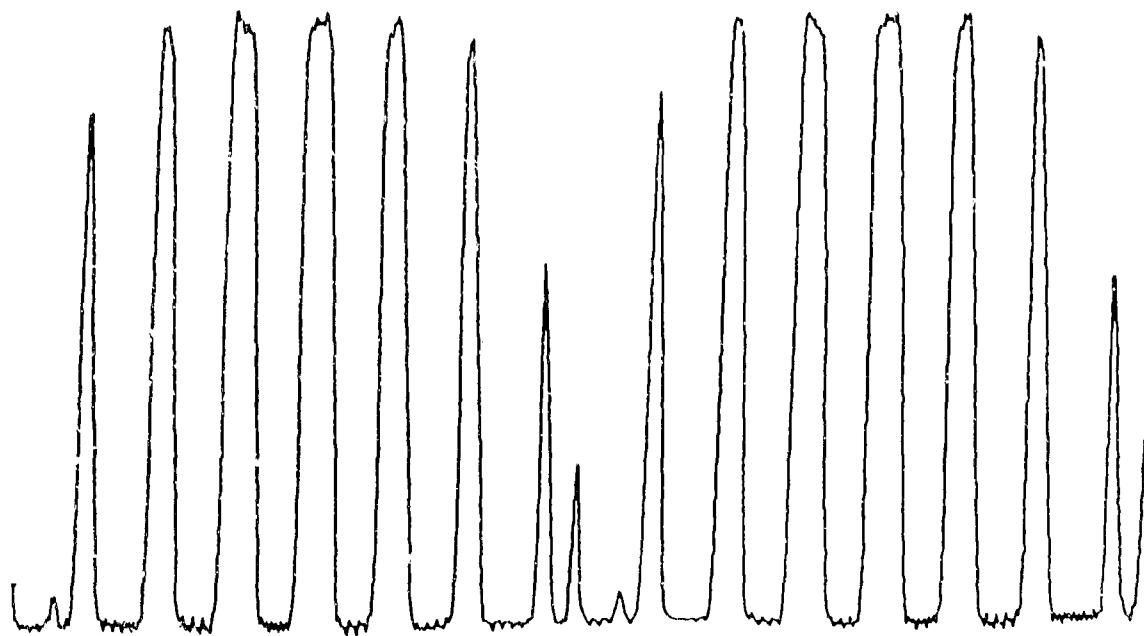
A comparison between the simulated detector waveform for a horizontal bar and the experimental waveform, as measured at the output of the switched integrator, is shown in Figure 9.2. The lower trace is the simulation of quadrant 1, while the upper is quadrant 1 experimental.

The results of reconstruction of the experimental waveform are shown in Figure 9.3. Figure 9.3a is the experimental result, and 9.3b is the simulated reconstruction, reproduced for comparison.

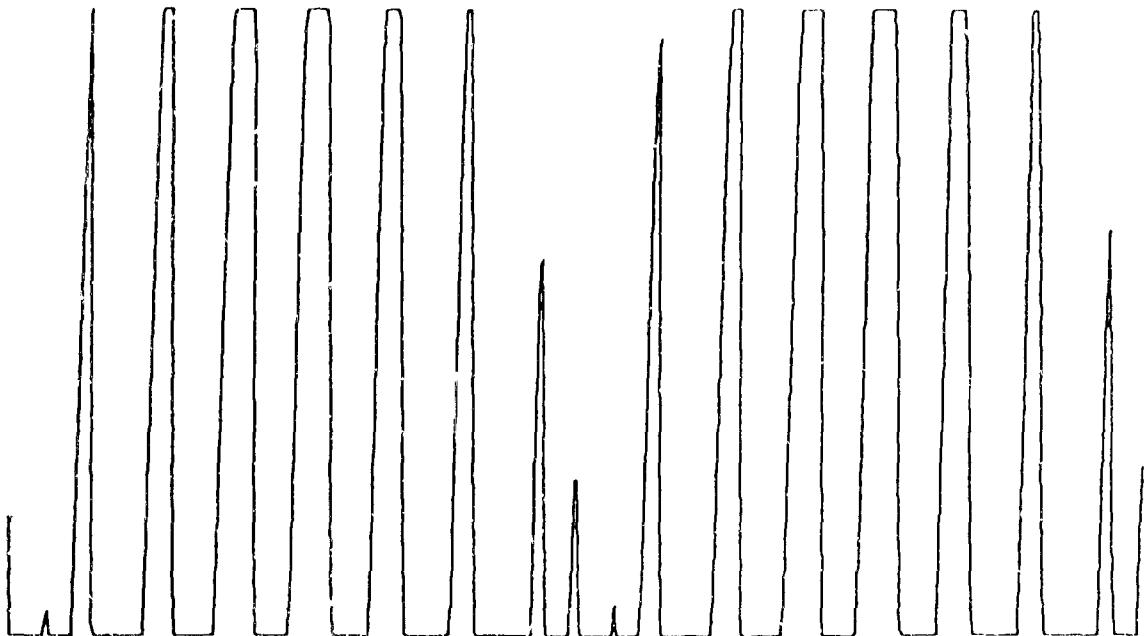
The experimental bar is imperfect but good; much of the reduction in uniformity from simulation is due to the slightly smaller size of the real bar and the fact that the bar is not precisely registered on the reconstruction field. The rendition is accurate, and is the final proof of the efficacy of the entire AIT imaging approach.

The images in Figure 9.4 a - h are taken from a sequence of 32 reconstructions of the bar as it was rotated through 360° . The display primarily shows the different effects of coarse image sampling. In Figure 9.4, the end of the bar which is rotating eccentrically actually touches the edge of the reconstruction field; the results of aliasing of outside power are not apparent, indicating that the algorithm is robust with respect to small departures of the image from the reconstruction definition field.

The reconstruction of images from real input data using the AIT breadboard optics was the major goal of the AIT program. It is now possible to carry out a series of thorough experimental studies using the AIT system.

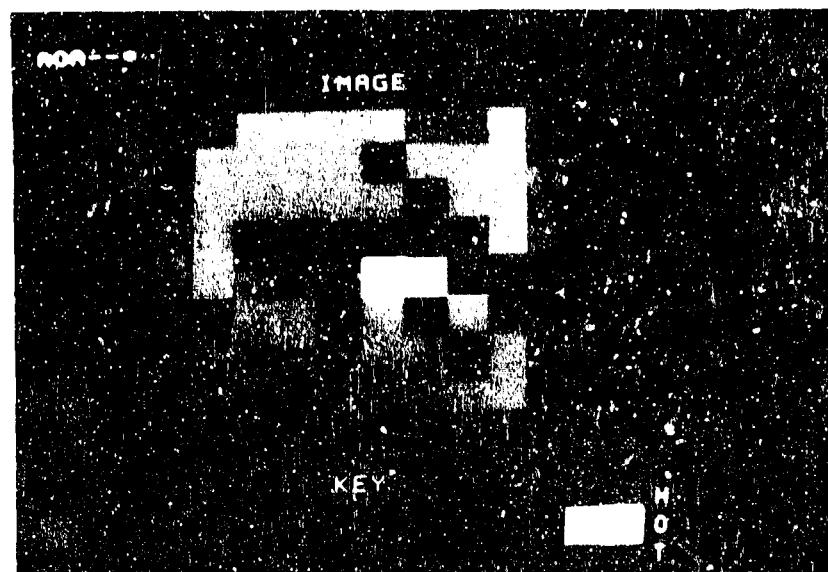


QUADRANT 1: EXPERIMENTAL WAVEFORMS



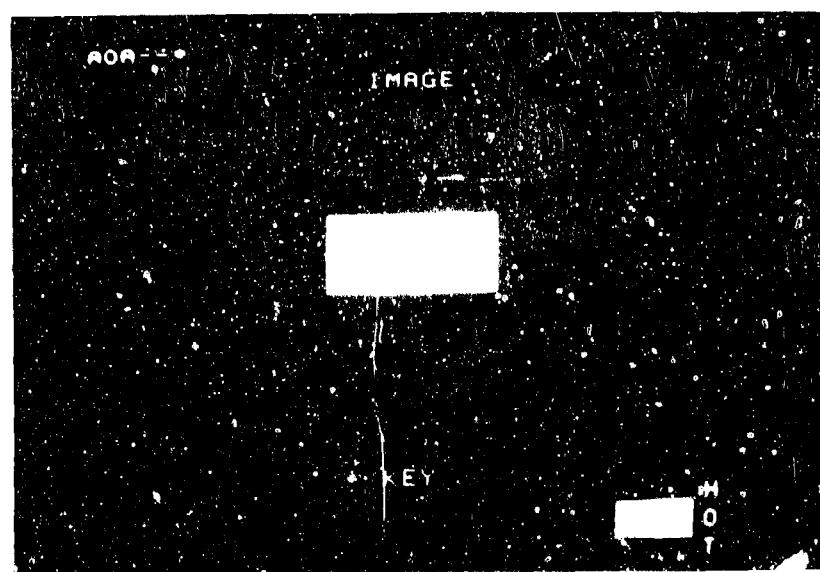
QUADRANT 1: SIMULATED WAVEFORMS

FIGURE 9.2



12	-10	-8	5	-13	12	22	-4
-6	4	3	5	20	-26	-6	5
4	4	-8	-12	2	19	-7	-2
-5	10	54	67	48	56	71	-6
-12	10	73	81	115	103	91	35
9	-3	-5	19	5	31	-5	9
8	-13	-12	13	-9	-2	30	1
-11	13	11	-5	9	-1	-31	4

FIGURE 9.3a



-4	2	-1	0	1	-1	2	-4
2	-1	0	0	0	0	-1	2
-1	0	-1	0	-1	0	-1	0
1	-1	205	206	206	204	0	0
0	0	204	206	205	205	-1	1
0	-1	0	-1	0	-1	0	1
2	-1	0	0	0	0	-1	2
-4	2	-1	1	0	-1	2	-4

FIGURE 9.3b

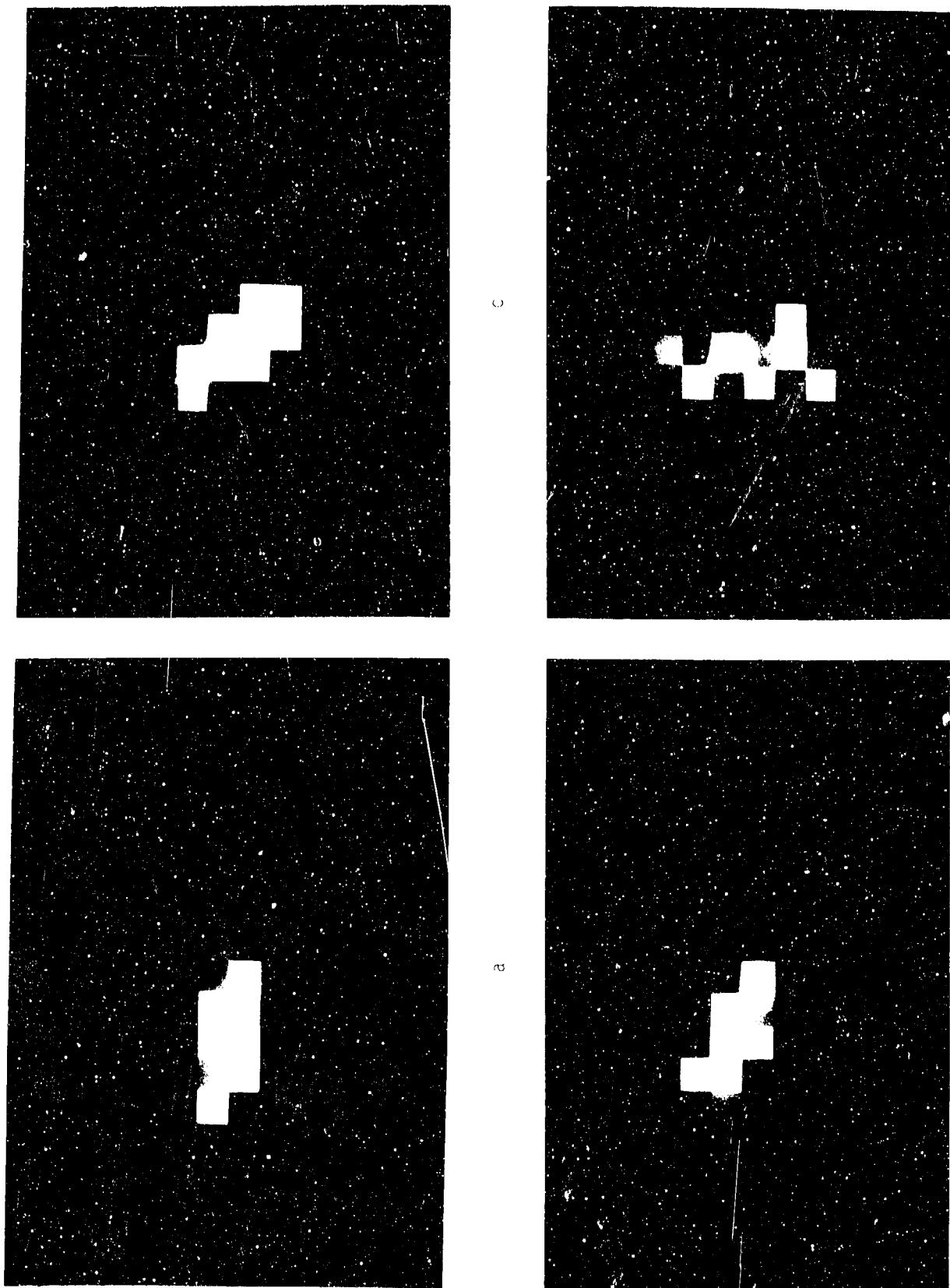
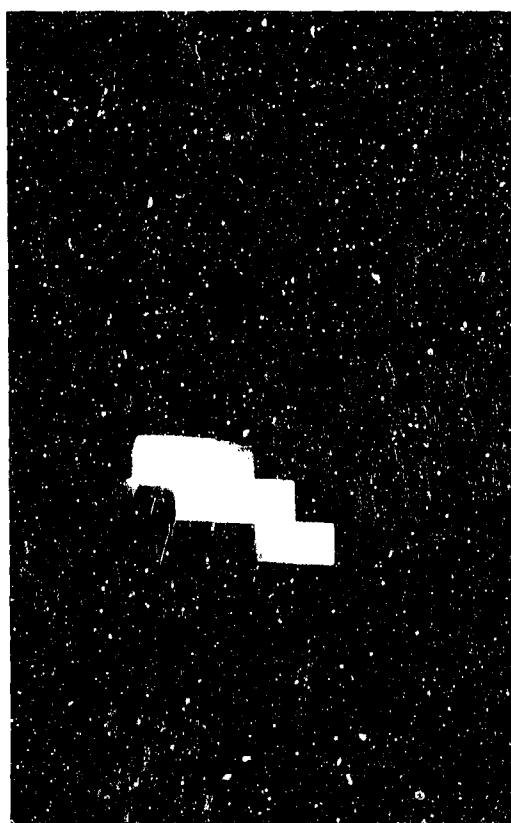
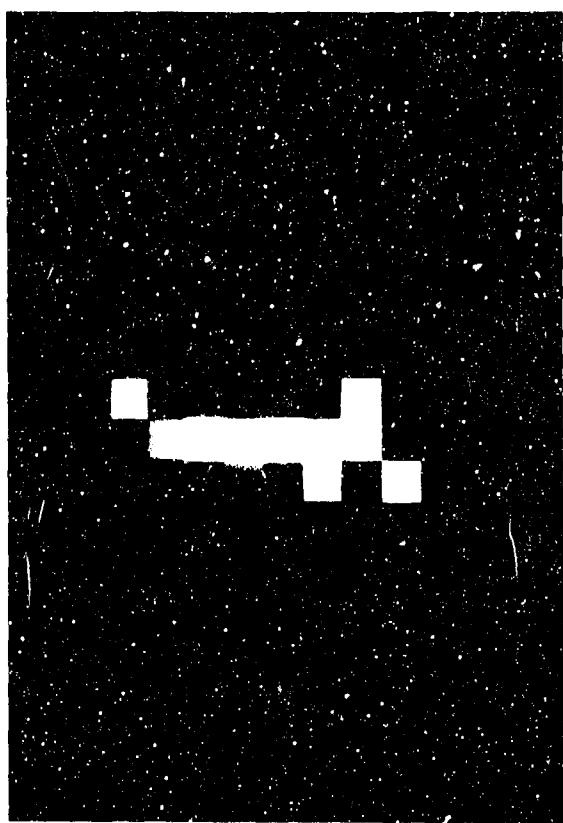


FIGURE 9.4

f



e



g



h

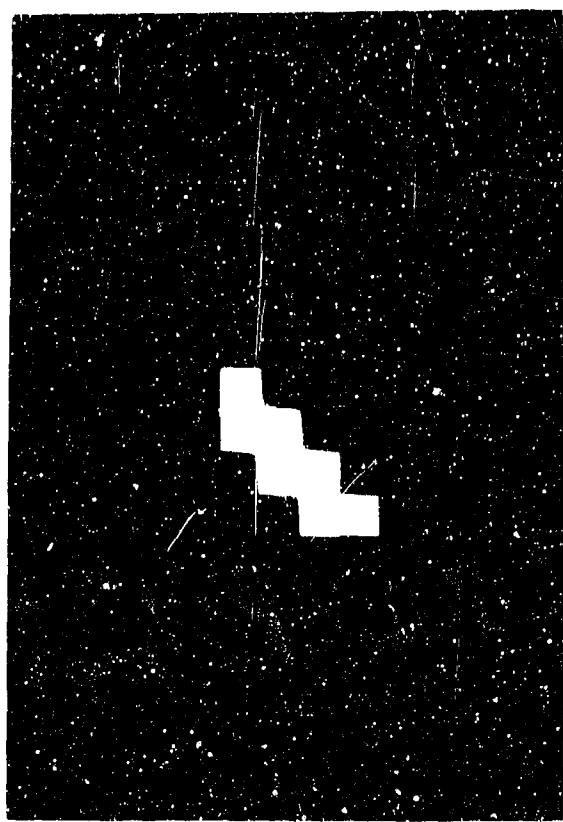


FIGURE 9.4 (cont'd)

10.0 SUMMARY AND CONCLUSIONS

The AIT program has in total been highly successful. The basic goal of the program has been reached: namely, a new form of imager-tracker in which high-accuracy, high-update rate centroid tracking is obtained simultaneously with medium-speed imaging has been demonstrated. In the process a number of significant theoretical and technological contributions have been made:

- 1) The AIT class of imaging algorithms has been analyzed and formally characterized. A general method for obtaining image reconstruction algorithms for any resolution has been defined. Requirements for spatial sampling, computational accuracy, and signal conditioning have been established. The accuracy of image reconstruction has been quantitatively examined in simulation. The signal-to-noise characteristics of the imaging process have been defined, and the results compared with other imaging techniques. Particular image-enhancement characteristics of the reconstruction process have been discovered.
- 2) A class of tracker algorithms suitable for the AIT process has been defined. A prescription for generating an algorithm appropriate to any object size at any resolution has been obtained. The tracker algorithm has been extensively characterized in simulation and found to have excellent properties, displaying good performance far outside its optimal dynamic range. The tracker S/N performance has been estimated and approaches that of an ideal quad-cell tracker.

3) A powerful new digital signal processor, the PMP, has been designed, constructed, and has successfully executed both imaging and tracking algorithms. Tracking computation speed was demonstrated at a full 8 kHz rate, while image rate reached a speed of 2 seconds/frame. A fast vector processing unit, the VMM, was designed and constructed to exceed the 30 Hz frame rate goal, but was not tested.

4) A portable AIT optical breadboard was designed and fabricated, and used to demonstrate reconstruction of real images. The system is capable of visible and infrared operation, and includes a dynamic target simulator with control of target rotation, position, and contrast. The breadboard can operate at variable low nutation rates with the DG Nova computer or at fixed high rate with the PMP. A special 4-mirror scanner technique was invented and its properties formally characterized, so that an appropriate nutation pattern can be defined for any resolution.

5) A large body of experimental software was written, including codes for simulation of tracking and imaging, experimental data collection, PMP development, and color display support. The software is in the form of many utility routines called by a few large programs, allowing flexibility in configuring the programs for new tasks. The AIT code development forms a substantial basis for conducting new investigations into related forms of imaging and signal processing.

With the AIT breadboard system complete, experimental characterization of the imaging and tracking algorithms may be carried out. This would be of particular interest in the infrared mode of operation. Other types of detectors can be employed, since the algorithm formulations are quite general and not limited to use with the quad cell detector configuration. The image processing properties of the technique can also be explored since the appropriate software and hardware tools are in place.

The AIT program output has met or exceeded most of its goals and expectations, and can likely form a nucleus for significant further developments.

REFERENCES

1. U.S. Patent No. 4,141,652

L.E. Schmutz, J.K. Bowker, J. Feinleib, S. Tubbs, "Integrated Imaging Irradiance (I^3) Sensor: A New Method for Real-Time Wavefront Mensuration," Proc. of the SPIE, 179 (1979).

L.E. Schmutz, J.K. Bowker, J. Feinleib, S.N. Landon, S.J. Tubbs, "Experimental Performance of the I^3 Wavefront Sensor for Closed-Loop Adaptive Optics," Proc. of the SPIE, 228 (1980).

"Advanced Wavefront Sensor Concepts," Final Technical Report, RADC TR-80-368, January 1981.

2. M. Elbaum and P. Diament, Appl. Opt., 16, 2433 (1977).
3. A. Gelb, Ed., Applied Optimal Estimation, (M.I.T. Press, Cambridge, MA, 1974) pp. 23-24.
4. W.K. Pratt, Digital Image Processing, (John Wiley and Sons, New York, 1978) pp. 388-407.

APPENDIX I: SOFTWARE SUMMARY

This appendix contains a compilation of all the software developed for the AIT program. The documentation is organized approximately along the lines of usage within the AIT program. Main programs are listed first, and all subroutines last. This listing is intended as both an overview of the code and as a guidebook for new users of the system. Further information is available in "help" files located on the disks where the source files are stored, and in the more general support documentation for the Data General and Genisco equipment used.

FILE NAME	PROGRAM NAME	CALLS	CALLED BY	DESCRIPTION
GEN0	DEGEN0			This file is created by programs ALISCS or GOCALC. It contains the beginnings and endings of the arcs used in the ALISCS tracking algorithms. It is used by all the tracking algorithms (and some others)
PROGCODE	PROGCODE			This file contains the bootstrap for the PMP in a form ready to be picked up by programs B0010 or MARCH and downloaded to the PMP. B0010 was translated by program BISIRP from a meta-assembler object file, named B17RP.08.
DIAGNOSTIC	DIAGNOSTIC			This is the original tape file of the Genisco PGP diagnostic test program. See documentation on the creation of the operating system and diagnostic program in Doug's files.
GAINOFF	GAINOFF			This file is created by programs ALISCS or GOCALC. It contains the gains and offsets of the tracker cycles of the ALISCS tracking algorithms. It is used by all the tracking algorithms (and some others)
G	G			This is the Genisco operating system data file with the missing words from the tape replaced. It is a working version. Also called GEN0P.
GEN0P	GEN0P			This is the Genisco operating system data file with the missing words from the tape replaced. It is a working version. Also called G.
IMAGE01	IMAGE01			This is a microcode program in a form that could be downloaded to the PMP. To use it, rename it PROGCODE and use B0010 or MARCH. This program is designed to be run with Nova programs PGPMUL1 or PGPMUL164.
PMPCODE	PMPCODE			This is a microcode program in a form that could be downloaded to the PMP. To use it, rename it PROGCODE and use B0010 or MARCH. This program is designed to be run with Nova programs VECT10 or FVCT10.

FILE NAME	PROGRAM NAME	CALLS	CALLED BY	DESCRIPTION
IMAGE, SIMOSK, AND RECON. DETERM.	ACGEN	ACFLIN, ACFLIPS	ACFLIN	This is a program to find 4 sets of points (one set per quadrant). These are the points radially, most distant from each quadrant for the elliptical mutation pattern. It can be instructed to find up to 8 such points per quadrant. These points are used in the AC filtering subroutine ACFLIN.
	CIMAGE	POINTW, CILC, D, ACFLIN, ALG1, ALG2, ACCP1, COND, COMP, IPRINT, PLOTA, PGP, PEPFR, FIND, subroutine in Disk utility library, DSCH11.LB		Program for AII to read detector waveform disk files and to test various algorithms for image reconstruction. Optional filtering is also available. Printing and plotting of data may be selected. This is the latest and most elaborate version of program IMAGE. This program is basically a menu-driven skeleton that calls various subroutines to do the work. For further documentation, consult these subroutines.
	COMP.FQ	COMP	NONE	This is extremely simple utility program to compare two files for exact equality. It prints out the character number at which the two files first differ and the integer value of the first word at which they differ. Similar to CILIN utility FILCOM.
	DS1B.FQ	DS1B	NONE	DS1B in its present form is the first program in a circular chain made up of SIMOSK and IMOSW. SIMOSK and IMOSW are chained versions of SIMOSK and IMAGE. DS1B opens the file DS1RB created by the program DS1RB (see DS1RB), and rewrites the distribution. It rewrites this distribution of the beginning of each chain cycle. Thus, distributions may be created, turned into detector vectors and analysed into images and the appropriate information printed out, in a repeating fashion, without operator intervention.
	DSTRBW		NONE	This program prompts the user for the name of a "distribution file". This is defined as a file that may be used as an input energy distribution to the program SIMOSK. DSTRBW displays this distribution on the terminal screen.
	DS1B.FR	DS, QR	NONE	Is first program in a chain of programs consisting of: DS1B, SIMOSK, and IMOSW. DS1B, SIMOSK and IMOSW form a circular Fortran chain. DS1B starts the process, but is not in the chain. DS1RB essentially only creates the file DS1RB and initializes two variables for the next program in the chain. A variant of this program DSTRBT exists that may be used to create a user-defined distribution.
	DSTRBT.FR	DSTRBT	NONE	DSTRBT may be used to generate distributions for general use. These distributions form input energy distributions for the program SIMOSK. They are 20x20 real arrays. The coordinate system used in this program is a little ridiculous to try to describe. A pictorial representation is available in the AII written documentation (Note: not in Final Report, but in in-house documentation). The figure is described to the program in terms of blocks, i.e. rectangular sections. Each block is determined by inputting 2 x,y coordinate points. The order in which the 2 points are input is important. The first point should be the coordinates of the lower left corner of the block. The second should be those of the upper right corner of the block. The order in which the blocks are presented to the program does not matter. The distribution is written to a file, called DS1RB. Program DS1RB may be used to view the results.

FILE NAME	PROGRAM NAME	EXT	INPUT	OUTPUT	DESCRIPTION
IMAGE, SIM05, AND RELATED PROGRAMS (cont.)	PRINTF, IM2P, PGP, FINR, FGRK				A very special purpose and somewhat useful variant of IMAGE. This program opens a file named FMAT (it assumes FMAT contains a 1860x64 matrix), and displays the result of multiplying it by BMAT, the back matrix, on a pixel by pixel basis. It displays the images on the Genisco monitor.
	FSIMAGE.FR (with overlay file)				Requires all CIMAGE subroutines with GETMAT replaced by FSGETMAT (see program CIMAGE). Program for AIT to read detector waveform disk files and to test various algorithms for image reconstruction. Optional filtering is also available. Printing and plotting data may be selected. This program is the second program in circular fortran chain. The first program in the chain is SNAP (see program SNAP). This program operates similarly to IMAGE except in the following ways: It does no prompt for name of input file. It always uses file SNAPDATA as input. It automatically performs algorithm 2 (matrix multiplication) on the waveform vector in SNAPDATA and after obtaining the image vector, it automatically displays the image on the Genisco. At this point, it displays the usual image menu prompt and you may proceed as usual. (However, a call to algorithm two will always be automatically followed by a Genisco display). If FSIMAGE was swapped for SNAP, after an orderly exit from FSIMAGE, control will return to SNAP. If FSIMAGE was called as a stand alone program from the CIL, control will be returned to the CIL.
	GETPIX	NONE			Uses file FMAT as a data file. (FMAT is the matrix of basis's detector vectors) very simple program to obtain a detector vector corresponding to a given pixel and write it out to a disk file. This file is named INVEC. A very useful program.
	IMAGE				Program for AIT to read detector waveform disk files and to test various algorithms for image reconstruction. Optional filtering is also available. Printing and plotting of data may be selected. This is an older version. IMAGE is the most recent and most elaborate version. This version is still serviceable.
	PRINT, CILC, GETDAT, PHEAD, ACFILE, ALG1, ALG2, ACPL, ALGA, ALGB, PLG1W, PGP, PGDR, FIND				Program for AIT to read detector waveform disk files and to test various algorithms for image reconstruction. Optional filtering is also available. Printing and plotting of data may be selected. This version of IMAGE has been adjusted to be run "automatically" with DS16, DS18, and SMDSK. It uses the waveforms created by DS18 from the distributions created by DS16 to produce the corresponding images. These programs use the same naming conventions for output files as the standard versions, IMAGE and SIMCSK.
	IMSSW				Program for AIT to read detector waveform disk files and to test various algorithms for image reconstruction. Optional filtering is also available. Printing and plotting of data may be selected. This version of IMAGE has been adjusted to be run "automatically" with DS16, DS18, and SMDSK. It uses the waveforms created by DS18 from the distributions created by DS16 to produce the corresponding images. These programs use the same naming conventions for output files as the standard versions, IMAGE and SIMCSK.
	IMVV	NONE			Very simple program to view pixel vector intensities, as integer values, on the terminal. The user is prompted for the name of the 128 byte image file.
	MATSCAL.FR	NONE			This program takes a real matrix, 1860x64, and rescales it by multiplying every element by a constant, and fixing the element to be an integer. It prompts user for rescale factor. If user tries to use too large a scale factor, integer overflow (run time error #5) may occur, or, when using the matrix in a matrix operation in another program, a similar error may occur. Therefore, user is responsible for determining appropriate rescale factor. MATIX or MATSTAT programs may be used to obtain the maximum and minimum elements in the matrix. File names for input and output matrices must be supplied by user in response to program prompts. Usually, two word header code giving row and column dimensions of matrix is assumed by this program.

FILE NAME	PROGRAM NAME	CALLS	CALLED BY	DESCRIPTION
IMAGE, SIMOSK AND RELATED PROGRAMS (cont)	MATSTAT	None		In its present form, this utility program finds the maximum and minimum entries of a double precision matrix file. This program also finds mean and standard deviation for the pixel columns on a column by column basis. To use for a real or integer matrix, change "double precision" accordingly, and recompile and reload. The usual two-word header code defining the row and column dimensions of the matrix is assumed by this program.
	MAXPS.FR	MAXLPS		This is a quick utility program created from ILIPSS.FR to find the maximum and minimum values that the nutation pattern achieves.
	MATIT	None		In its present form, this utility program finds the maximum and minimum entries of a double precision matrix file, dimensions (1863 x 64); to use for a real or integer matrix, change "double precision" accordingly, and recompile and reload. This program assumes that the matrix file contains the usual 2 word header defining the row and column dimensions of the matrix.
	PLTIV.FR	ISPL0T, TNP11, plotter libraries in file CAPLOTS		Routine to read and plot SIMOSK waveform files on the Hewlett-Packard x-y plotter. P switch forces output to the printer. T switch permits video terminal preview plot. S switch suppresses plotting of axes on x-y plotter.
	PRGHD	HDRN.FR, PHEAD, WRHEAD (IN BSCUT1.LB)		PRGHD is a program that produces a file that contains only a header (without waveform data) in the format used by the GE1010 subroutine of IMAGE. It uses program SIMOSK as a prototype.
	SIMOSK	READCH, NAMEFL, CRIL, WHEAD, PHEAD, ICUBE, INTEG, WRDATA, GSPSF, GSOSF, INTR0, ITIS, INCR, INIG, INOSK, ERICK, OGEN, INRI, QRECT, QCELL, GNDIS, RANF, CFLI, MOTLIS, GULAP, ITRAP		This program simulates the quad cell detector output for a given optically intensive distribution, and a given nutation pattern. Integrated data is written to disk for processing by other programs. This program simulates the quad cell detector output for a given optically intensive distribution, and a given nutation pattern. Integrated data is written to disk for processing by other programs. This program simulates the quad cell detector output for a given optically intensive distribution, and a given nutation pattern. Integrated data is written to disk for processing by other programs.
	S, MRUN	HEADG, NAMEFL, WRHEAD, PHEAD, ICUBE, INTEG, WRDATA, GSPSF, GSOSF, GSOSF, INTR0, ITIS, (see SIMOSK)		This program simulates the quad cell detector output for a given optically intensive distribution and a given nutation pattern. Integrated data is written to disk for processing by other programs. This program is a variant of SIMOSK. It is used to create sets of detector vector files that will be used by program TRK1NS. These detector vectors are analyzed in other programs using the AIT scat tracker algorithm (in program TRK1NS), and the tracker transfer curves created by this analysis are presented graphically by program TRSGRAPH. The array "name" should be set to appropriate name for the input energy distribution used.

A-5

FILE NAME	PROGRAM NAME	CALLS	CALLED BY	DESCRIPTION
IMAGE, SIMSK AND RELATED PROGRAMS (cont)	SIMSK	HDRN.FR, NAME.FL, WRHEAD, PHEAD, TCUBE, INFG, WRODATA, GSFSF, GOSFSF, GSFSF, INFRSH.FR... See SIMSK for rest of sub- routines		This program simulates the quad cell detector output for a given optical intensity dis- tribution and a given nutation pattern. Integrated data is written to disk for processing by other programs. This version of SIMSK has been adjusted to be run "automatically" with DSIB, DSIB, and IMAGE. It uses the distributions created by DSIB to produce the corresponding waveforms. These programs use the same naming conventions for output files as the standard versions, IMAGE and SIMSK.
	TTR	NONE		Very simple program to view the contents of a data file containing unformatted (binary write) real numbers.

FILE NAME	PROGRAM NAME	CALLS	CALLED BY	DESCRIPTION
BACK MATRIX GENERATION & LINEAR ALGEBRA PROGRAMS	ADZERO	NONE		This simple program zeroes out the appropriate detector channels in the forward matrix as are indicated in the body of the code. This is used to generate a one or two detector forward matrix, and use it to generate a similar back matrix. Input matrix is called ULUF.MX, output matrix is called F.MX.
	BMATSCAL.FR			This is a version of program MATSCAL that rescales the integer matrix BACK.MX generated by DOUGMAC MC. The input and output matrix names are "hardwired" to BACK.MX and BMATSCAL.FR.
	CALMIP	MIP		General purpose routine to call MIP to transpose a matrix. User enters file names for input and output files and gives NBUF size (see comments to MIP). NBUF is allowed to be up to 2048 in size. A switch for double precision: MIP is also allowed to be up to 2048 by 2048; and if it is dealing with double precision files, it will work for any matrix up to size 2048 by 2048. This means that this program will work for any matrix up to size 2048 by 2048, and if it is dealing with double precision files, it will need to run under SYS4 for that size matrix. Read the introductory comments to MIP for restrictions on the size of NBUF in relation to the matrix size.
	CMUL11	NONE		Dedicated DOUGMAC version of a matrix multiplication routine. This program multiplies the transpose of the 64 x 64 inverse matrix, TINV.TX, by the forward matrix transpose, FT.TX. The product is the back matrix transpose, BACK.MX. BACK.MX and FT.TX are single precision, TINV.TX is double precision.
	CMUL11	NONE		Dedicated DOUGMAC version of a matrix multiplication routine. This program multiplies the single precision forward matrix, F.MX by its single precision transpose (created by this program as a temporary file, FTEMP). The product is a double precision matrix stored in file named FT.F.MX.
	CMUL11	CCLC, CMUL11		Calls CMUL11 to create back matrix from FTEMP and FT (using the transpose of FTEMP in TINV.MX). CMUL11 uses transpose of first matrix). Buffer sizes are dictated by CMUL11 and size of matrices. Compile with X switch for double precision.
	GBACK			Program to generate F.MX, the forward matrix without doing SIMDISK. Compile with I switch for double precision.
	GFMX	FGRY		Program to generate F.MX, the forward matrix with SIMDISK. Compile with I switch for double precision.
	GFTF	CCLC, CMUL11		GFTF generates FT.F with a call to CMUL11. (FT.F is the product of the transpose of the forward matrix and the forward matrix). Matrices are stored on disk with dimensions (rows then cols) in the first 2 16-bit words followed by real or double precision data (row index varying fastest). NUXY and F.MX must be created before this program can be run. If F.MX is generated as single precision but double precision is wanted from that point, use SIMDFT version and link with SIMDFT not CMUL11. SIMDFT takes single precision input and creates a double precision product. CMUL11 treats everything as either all single or all double. NR and NC (r rows and cols) are read from F.MX. NC will be NC11 x NR11. NR will be NUDIMC4 (total outputs x 4 detectors). Channel: ICAF for F.MX, the forward matrix, ICMTF for FT.F, product of FT.F and F.MX. ICATMP is scratch channel used for extra copy of F.MX (TEMF.MX). Channel save arrays are named similarly (eg. 15VF), files - .MS are matrices, .TX are transposes. Buffers: BUF1, BUF2, and BUF3 are dimensioned according to the size of the buffers needed for CMUL11. Generally, the dimensions of BUF1 and BUF2 should equal the number of rows in F.MX. BUF3's dimension should equal the number of columns in F.MX. There are two versions of GFTF, the normal one (with an X switch for double precision), which should be used for all single or all double precision calculation; and SIMDFT, which should be linked with the SIMD version of CMUL11 for use when the input is a single precision F.MX and the output is a double precision FT.F.

FILE NAME	PROGRAM NAME	CALLS	CALLED BY	DESCRIPTION
BACK MATRIX GENERATION & LINEAR ALGEBRA PROGRAMS (CCont)	ITEST	MAINPS, X-Y plotter routines in XY plotter library		This is a testing version of LLIPS, the routine to generate the elliptical nutation pattern. It is set up to plot the pattern on the plotter.
LOK64	NONE			Program LOK64, to look at any 64x64 matrix. Switch X for double precision. Terminal input of choice of output device as well as file name to be examined. Program assumes that the disk file starts with 2 16-bit integer words (dimensions, row first) followed by data (row index varying fast).
MFINV	CTLC, MTP, MAIN			Program MFINV - to look at FTF X FTFINV and write this product for the purpose of checking to see whether it is an identity matrix. Compile with the x switch for double precision.
MOVER	NONE			This program is used to break a large file (for example a matrix file) into a set of smaller files that can be conveniently stored to floppy disks.
NOISE	NONE			Program NOISE to calculate sum of squares of coefficients of back matrix and noise per pixel - using (V1,TX) for easy access to rows - which are columns in BT,TX) - Janie 6/81 Dimension of BUF = number of columns in back matrix (rows in BT,TX); dimensions of other arrays = number of rows in back matrix (columns in BT,TX). Variables: SQTOT: Sum of squares, all coefficients PIXQ(i): Sum of squares, row i of back matrix (Pixel i) CFTOT: Sum of all coefficients PIXTOT(i): Sum of coefficients, row i PIXSQ(i): Sqrt of PIXSQ(i) ROOTSQ: Square root of sum of PROTOT(i)
P0INV	MINV			Program P0INV inverts double precision matrix, FTF.MX
PIXELS	NONE			Program to access the forward matrix across sets of 4 rows - i.e. looking at all pixels for 1 output step - presumes (at the moment - 6/5/81) 15 nutation cycles, 31 steps per cycle, or a forward matrix 1860 rows long. First dimension of pixel array should be number of pixels in the image. This should also correspond to NC, number of columns in F.MX.
SBACK	CTLC			This program is used to convert BACK.MX to single precision. Dimension of SBACK and OBACK should be chosen according to the size of BACK.MX. The dimension should be a multiple of the number of rows in SBACK (so that the program reads blocks composed of full columns). The quotient of the dimension and the number of rows should be a factor of the number of full columns in the back matrix (so that the program can write blocks of full columns). NFAC is that quotient (set in a data statement). (For example, for a matrix 64 x 1860, the dimension might be 1280 with NFAC=20. For a matrix 64 x 2346 the dimension might be 1024 with NFAC=16).

FILE NAME	PROGRAM NAME	CALLS	CALLED BY	DESCRIPTION
BACK MATRIX GENERATION & LINEAR ALGEBRA PROGRAMS (cont.)	GFTF (SGFTF version)	CTLC, MMULT		<p>GFTF generates FTF with a call to MMULT. (FTF is the product of the transpose of the forward matrix and the forward matrix). Matrices are stored on disk with dimensions (rows then cols) in the first 2 16-bit words followed by real or double precision data (row index varying fastest). NMIXY and F.MX must be created before this program can be run. If F.MX is generated as single precision but double precision is wanted from that point, use SGFTF version and link with SGFTF not MMULT. SGFTF takes single precision input and creates a double precision product. MMULT treats everything as either all single or all double. NR and NC (# rows & cols) are read from F.MX. NC will be NPIX x NPIX. NR will be NMUL x NTC x 4 (total outputs x 4 detectors).</p> <p>ICHTF for F.MX, the forward matrix. ICHTF for FTF.MX, product of FT.TX and F.MX ICHTFP is scratch channel used for extra copy of F.MX (FTMP.F.MX)</p> <p>Channel save arrays are named similarly (e.g. ISVF): files - .MS are matrices, .IX are transposes. Buffers BUF1, BUF2 and BUF3 are dimensioned according to the size of the buffers needed for MMULT. Generally the dimensions of BUF1 and BUF2 should equal the number of rows in F.MX. BUF3's dimension should equal the number of columns in F.MX. There are two versions of GFTF - the normal one (with an x switch for double precision), which should be used for all single or all double precision calculation; and SGFTF, which should be linked with the SGFTF version of MMULT - for use when the input is a single precision F.MX and the output wanted is a double precision FTF.MX.</p>
			TBACK	<p>Routine TBACK to call MTF to transpose BACK.MX (single precision version) to BT.TX - See MTF for comments on buffer sizes and value of MBUF.</p>
			TRANS1	<p>HOME</p> <p>Dedicated DOUGMAC version of a matrix transposition routine. This program produces the single precision transposition (in file FT.TX) of the single precision matrix in file F.MX.</p>
			TRANS	<p>CTLC, MTF</p> <p>This program is used to transpose matrix in file FTINV.MX. The resulting matrix is stored in file TINV.TX.</p>
				<p>MACRO DOUGMAC</p> <p>RLDR ADDERO FORT.LB, ADDZERO, DELETE/V ADDZERO.SV, RLDR TRANS1 FORT.LB, TRANS1, DELETE/V TRANS1.SV, BLDR MMULT1 FORT.LB DELETE/V MMULT1.SV FTMP.F.MX RLDR PDMY MINY FORT.LB DELETE/V PDMY.SV RLDR TRANS1 FORT.LB TRANS1 DELETE/V TRANS1.SV BLDR MMULT1 FORT.LB DELETE/V MMULT1.SV FT.TX</p>

FILE NAME	PROGRAM NAME	CALLS	CALLED BY	DESCRIPTION
TRACKING PROGRAMS	ALTGOF	SCS(SCSGOF), POWER		This program is not likely to be needed again. It was used to test the consistency of the gain-offset (linear) generalization of the SCS algorithm. This variant of ALTSCS calculates the gains and offsets derived from 16 different pairs of linear equations for each of x and y, each with one of the pair assuming a zero x and y displacement and the other of the pair using a different displacement. A point source is assumed. This is done for each tracker cycle.
	ALTSCS	SCS, POWER		Program to calculate gain factor, offset term, and tracker cycle mask for elliptical nutation pattern derived for ALT. This program calculates gain and offset parameters for SCS-like tracking using elliptical nutation pattern. The program also calculates useable arcs for given object sizes, and axis crossing points for objects of given displacements. This information is written to files BEGEND and GAINOFF. This program outputs to the terminal, and has all the hook to enable output to file PRINTER. This program assumes point source. It is not as accurate in defining gain and offset as program GOCALC.
	ALTRK	SCSTRK, PWTRK		Program to calculate tracker displacements from a "detector vector" waveform file. The file name is determined by user PRSEPT. The gains and offsets and beginnings and ends of the arcs are obtained from files GAINOFF and BEGEND respectively.
	BEGLST	None		This program reads data file BEGEND and prints the information recovered from this file out to file PRINTER. BEGEND contains the beginning point, the two axis crossing points, and the end point for each arc of each cycle. The file BEGEND may have been generated by any of a number of programs.
	GRLST	None		This program reads file GAINOFF and prints the formatted contents out to file PRINTER. GAINOFF contains the gains and offsets for each tracker cycle, as obtained from SCSE program that generates them (see ALTSCS or GOCALC).
	GOCALC	GOSCS, GOPOW		Program to calculate gain factor, offset term, and tracker cycle mask for elliptical nutation pattern derived for ALT. This information is stored in data file, BEGND and GAINOFF. This program uses a different, more natural (and successful) method of deriving these parameters than that employed by program ALTSCS. The method is also simpler to code. The program uses detector vector waveforms (simulated or real) for which the centroid of the intensity distribution are known. Using two of these by applying the ALT tracker algorithm to them supplies the two linear equations required to find the gain and offset. By playing with parameters such as object size and shape and determining what effect these factors have on the gain and offsets calculated for the different tracker cycles, creation about the weaknesses and strengths of the generalized SCS algorithm can be gained.
	PIXGRAPH	GEMGRAPH, PGPDR, FILMD		This program prompts the user for an input file, preferably one created by TAKUN. It then presents the information contained in that file graphically. This information is a set of ALT-tracker transfer curves, one for x displacements and one for y displacements. (See TAKUN documentation).

FILE NAME	PROGRAM NAME	CALLS	CALLED BY	DESCRIPTION
IPACKING PROGRAM	PIXTRANS	SCSTRK, PG4TRK		This is a special purpose version of TRKRUN which selects the diagonal pixels and creates a file called PIXTRK that you can feed into program PIXGRAPH to graphically display tracker cycle transfer curve. For further documentation, see program TRKRUN
TIMELINE	NONE (uses file BEGEND created by ATTSCE or GGCALC)			Program prints out a graph on the terminal and to file PRINTRIP detailing the beginning and endpoints of tracker arcs for the AIT SCS tracker algorithm.
TRKGRAPH.FR	PGPDR, FINDO, GENSGRAPH			This program prompts the user for an input file, preferably one created by TRKTRK. It then presents the information contained in that file graphically. This information is a set of AIT-tracker transfer curves, one for x displacements and one for y displacements, for each relevant tracker cycle. (See TRKGRAPH documentation).
TRKRUN.FR	SCSTRK, PG4TRK			This program produces tracker transfer functions, using as inputs the pixels of the forward matrix (formed from detector vector basis set). Each run scans one row (for x displacements) and one column (for y displacements). This program allows the user to choose which row and column of the 64 pixel field will be chosen. Transfer functions are output to file PIXTRK.
TRKTRNS.FR	SCSTRK, PG4TRK			This program uses as input a set of 16 waveforms. The files containing the waveforms all have a similar name (they are created by program SIMTRK); their first four characters of the names are the same for all the files, but, the fifth and sixth characters are two digits between "01" and "16". The waveforms in the files are input, one at a time, and in order determined by the 5th and 6th characters, and the x and y tracker displacements are calculated and output to a file named TRKR. TRKR may then be used as input to TRKGGRAPH or it may be used as input to TRKGGRAPH. For further documentation on how tracker algorithm works, see program ATTTK.
TRNSGRPH	GENSGRAPH, PGPDR, FINDO, PGP, WAITLOOP, PLAYBY			This program prompts the user for an input file, preferably one created by TRKTRNS. It then presents the information contained in that file graphically. This information is a set of AIT-tracker transfer curves, one for x displacements and one for y displacements. (See TRKTRNS documentation). It is assumed that the name of the TRKTRNS created file is a 4-character name. It is also assumed that another input file exists, with a name which is identical to the other input file in the first four characters, and has HV 25 its fifth and sixth characters. This HV 25 file is assumed to have been created by CHIMAGE as a movie with 16 frames. These frames portray the positions of the object represented by the 16 waveforms as it is moved through the tracking positions (see program SIMTRK). These are displayed on the Genisco monitor by subroutine PLAYBY. This movie precedes the display of the AIT tracker transfer curves. Preceding the display of the movie, another picture is shown. This image is contained in a file named CHIMAGE. This picture is displayed by subroutine PGF.

FILE NAME	PROGRAM NAME	CALLS	CALLED BY	DESCRIPTION
<u>GENISCO PROGRAMS</u>	BFTS (Assembly language)			This assembly language "subroutine" is used as a table in the Genisco diagnostic program S1P0. The save file for S1P0 is renamed DIAG.SV.
	SITS (Assembly language)			This assembly language "subroutine" is used as a table in the Genisco diagnostic program S1P0. The save file for S1P0 is renamed DIAG.SV.
	CONVERT	NONE		Program user for name of file. The program was originally designed to convert 256 word binary files of Genisco diagnostic codes to ASCII files containing the corresponding ASCII octal representations of these 256 numbers with line feeds between each pair of numbers. The program can easily be converted to a more general purpose routine. This program created octal numbers in programs BFTS, BITS, INTS, MLTS, NTDS. Warning: There is another program with the name CONVERT in other directories. This other program is used in generating an Alt back matrix.
	DIAGINPACK			This is a program to unpack the Genisco data file, DIAGISTIC, supply a missing word at the end of each 256 word block, and write these blocks out to appropriately named disk files. The program CONVERT is then to be used to convert the numbers in these files to an ASCII representation that can be used to create input files for the assembler. The assembled files are used in an assembly language program, DIAG.SV. (See program S1P0)
	FIXFRAME	PGPDR, FIND		Subroutine to display images on Genisco color system monitor rapidly in a slide projector like fashion. The frames may be displayed in any order the user chooses. These images have been previously stored in a data file (the name of which is requested by a prompt in the program). The format of the data file is: 26 integers per image frame. The 26 words correspond to the data required by the Genisco PGP to display an image.
	GNEDIT	NONE		This program replaces the missing word at the end of each 256 word block of the original Genisco operating system binary file. It also allows one to use two different versions of this file, the two differing in only the very first three words of the file. This is because, on the tape, these three words were zeroes, but in the listing that came from Genisco, they were not. This program is hopefully obsolete, since any program named GEPGP which has 10000 (octal) bytes has already been processed by this program. But if, through some terrible catastrophe, it is needed, here it is.
	GNLDE	NONE		This version is to be used in the memory-mapped environment. This very special, stand alone version of PGDR is used to boot the PGP. It transfers the contents of a 10000 (octal) word file, G, to the PGP. This file is the Genisco operating system, on file S1P0, renamed to file G. GNLDE must be loaded into the PGP before any other Genisco routines can be called. A successful load of the operating system is indicated by the appearance of three rectangles in the upper left corner of the color monitor. Another version of this program, GNLDF, is for a non-memory mapped environment.
	GNLDM	(Assembly language)	NONE	This version is to be used in the memory-mapped environment. This very special, stand alone version of PGDR is used to boot the PGP. It transfers the contents of a 10000 (octal) word file, G, to the PGP. This file is the Genisco operating system. GNLDM is renamed to file G. It must be run before any other Genisco routines can be called. A successful load of the operating system is indicated by the appearance of three rectangles in the upper left corner of the color monitor. Another version of this program, GNLDF, is for a non-memory mapped environment.

FILE NAME	PROGRAM NAME	CALLS	CALLED BY	DESCRIPTION
GENISCO PROGRAMS (cont.)	WITS (Assembly language)			This assembly language "subroutine" is used as a table in the Genisco diagnostic program STPD. The save file for STPD is renamed DIAG.SV.
	NUTPAT	WAITGRAPH, PGPDR, FINO		Program to display the elliptical nutation pattern on the Genisco color system. There is a mechanism to allow slow motion generation of the display using a wait-loop parameter.
	PAL	FINO, PGPDR		Program to generate, on color monitor, either of two displays: 1) the hardware generated color palette described in the Genisco programming manual; 2) the 256-word color video look up table that is contained in the video color memory at the time.
	PGP3.FR	PGPDR, FINO		Program to display image file on the Genisco color system. This program prompts user to supply the name of the file containing the image (# 64 integer file containing a pixel vector). The image is displayed in a pseudo-color representation, with fifteen intensity levels. A key, defining the color-intensity mapping, is displayed under the 8 x 3 pixel image. Labeling is included. Note: PGP scales the vector so that at least one maximum intensity pixel is in the display.
	PGP1.FR	FINO, PGPDR		Uses Detector vector file S0918\$2134. Program to test the frame rate of a Fortran program designed to send the PGP images, that is, 64 pixel values to be displayed as a level sliced, pseudo-color coded, 8 x 8 pixel field. PGP1.FR creates 64 frames, each frame displaying one dark pixel. The frames are created in an order that gives an appearance of the dark pixel moving through the pixel field.
	PLAYBACK	PGPDR, FINO	IMAGE	Subroutine to display images on Genisco color system monitor rapidly in motion picture like fashion. These images have been previously stored in a data file (the name of which is requested by a prompt in the program). The format of this file data is: 26 integers per image frame. The 26 words correspond to the data required by the PGP to produce an image.
STPD.SR	STPD (Assembly language)			This is the main program in the Genisco diagnostic package. It uses INTS, BTTS, BTTS, VTTS, assembly language. STPD ships these modules out to the PGP and reads back the results. For more detail on the operation of this program, see the main (orange looseleaf notebook) Genisco documentation manual. The save file STPD.SV is renamed DIAG.SV. Note: File STPD is the load module for this program.
	SPIRIT	WAITGRAPH, WATTI, PGP, PGPDR, FINO		Program to display the linear spiral nutation pattern on the Genisco color system. There is a mechanism to allow slow motion generation of the display using a wait-loop parameter.
	WITS (Assembly language)			This assembly language "subroutine" is used as a table in the Genisco diagnostic program STPD. The save file for STPD is renamed DIAG.SV.
	WOTS (Assembly language)			NOTE: At present, we do not have the hardware associated with this test; therefore it is not used. This assembly language "subroutine" is used as a table in the Genisco diagnostic program STPD. The save file for STPD is renamed DIAG.SV.

FILE NAME	PROGRAM NAME	CALLS	CALLED BY	DESCRIPTION
BENCH	AT100.FR	DATAF, SENDWORD, TINA, TOUTA		Program to load All rack with elliptical nutation pattern. Frequency and gains are specified by the user. An operationally similar program for the Apple, written in Basic +6502 assembly language exists on mini-floppies, to be run on 48k Apple computer with brand name "Mountain" 6- μ A/D board.
	EXECA.FR	AT00W1, READGN, PHEAD, TLIPSS, INC10, INCIR, INSC, INSP, INCON, ROUTINES IN DECODE1, LB, WRHEAD, WRDATA, WRAFIL, CFIL, ERFC		Program to collect optical breadboard data for the All program. Data is collected for the specified number of nutation cycles, and stored on disk for experimentation by program IMAGE. This program is the complement to SIMDSK, which simulates the quad cell output waveforms and writes them to disk. The header data is generated in the same manner as in SIMDSK. Program to take data from bench and store in file named by NAFIL routine (date and time determined). Generates standard SIMSX file format with header. Header may be changed by user with standard SIMDSK prompts. Data obtained from bench (465 time samples, 4 quad outputs per time sample) is stored in standard waveform vector format. WARNING: In subroutine which actually drives DGDAC (subroutine AT00FW1.SR) all interrupts have been disabled. Therefore, if all data synchronization clock signals are not received, the program will hang forever. Therefore the rack must be on and the cables correctly connected before this program is run. Also, this program cannot be run with a memory mapped operating system. Another version of this program, MEXPESDK has been altered so that it runs the data converter in a memory-mapped environment.
	AT100.FR	DATAF, SENDWORD, TINA, TOUTA		Program to load All rack with pure sin and cos waves. Uses 32 cycles per rack image, allowing 64 points of resolution per cycle. User prompts allow selection of frequency and gain of trig waves. Same Apple note as AT100.FR.
	LOAD.FR			Creates data file SNAPDATA. SNAP is the first program in a Fortran program swap. It works precisely in the same manner as EXPDSK, except that its output data file is named SNAPDATA, and it passes control to a version of IMAGE, named FSIMAGE. FSIMAGE processes the waveform vector into an image vector and displays this image on the Genisco. After permitting use of the standard image utilities, control of program environment is returned (swapped back to) SNAP, to allow more data to be taken. This "infinite loop" may be escaped by using a "control-A" program interrupt. WARNING: In subroutine which actually drives DGDAC (subroutine AT00FW1.SR) all interrupts have been disabled. Therefore, if all data synchronization clock signals are not received, the program will hang forever. Therefore the rack must be on and the cables correctly connected before this program is run. Also, this program can only be run with a memory mapped operating system.
	MSNAP.FR	AT00W1, FSIMAGE, MCN, PHEAD, Also requires the availability of the memory map compatible version of FSIMAGE for program swap.		Creates data file SNAPDATA. FSIMAGE processes the waveform vector into an image vector and displays this image on the Genisco. After permitting use of the standard image utilities, control of program environment is returned (swapped back to) SNAP to allow more data to be taken. This "infinite" loop may be escaped by using a "control-A" interrupt. WARNING: In subroutine which actually drives DGDAC (subroutine AT00FW1.SR), all interrupts have been disabled. Therefore, if all data synchronization clock signals are not received, the program will hang forever. Therefore the rack must be on and the cables correctly connected before this program is run. Also, this program cannot be run with a memory mapped operating system. Another version of this program MSNAP, has been written to run in the memory-mapped environment.
	SNAP.FR	AT00W1, FSIMAGE, MCN, PHEAD, WRDATA, WRHEAD. Also requires the availability of FSIMAGE for program swap.		

FILE NAME	PROGRAM NAME	CALLED BY	DESCRIPTION
STRF.FK BENCH (cont)	STRF, TINA, TOUTA		program to change frequency, gain, or start or stop ALT rack. May be used after rack is loaded with mutation pattern by ALTLU. (If rack is loaded by HLOAD, START must be changed so that the parameter "M" in both STRF and HLOAD have the same value.) First prompt asks frequency. Then one is asked if change of gain is required. After setting gain (or not), one is prompted to strike any key to start rack. Then one may strike any key to stop rack. Then one is asked if gain change is desired, etc. Same Apple note as ALTD.

NAME	PROGRAM NAME	CALLS	CALLED BY	DESCRIPTION
PHPIAG	PHPIAG PHPI0	ASSBLDR		This program is a version of program PHPIAG, created in an attempt to solve a communication problem between the Nova and the PHP. The operating system was not passing values which could be interpreted as the ASCII control characters 'CONTROL-Q' and 'CONTROL-S'. It would interpret and throw away these characters when reading them with a FORTRAN 'Read Binary', and then, the program would hang, waiting for the PHP to send another word only on a one byte prompt from the Nova. Therefore, it would also hang. This program attempted to circumvent the problem by reading the bytes from an Assembly language routine PHPI0. This did not solve the problem, since the RDS test for 'CONTROL-S' and 'CONTROL-P' was taking place at a "lower" level. (See PHPI0). This program lets the PHP do all the work. It just prints out error messages that the PHP sends to the Nova.
BOOT10		None		Program to take PHP bootstrap code in file BOOTCODE, and send it to \$PHP RS232 Port. Then the microcode program in file PROGCODE is shipped to the PHP. If the front panel lights on the PHP indicate that the load was successful, the user may then load memory with user determined file. The memory to be loaded determined by the user through a program prompt. The user is then presented with further prompts, permitting further PHP downloads. This program may be used to load boot and microcode program, using 'CONTROL-A' to leave this program after a successful load.
BOOTPSP10.FK	PHPSHLP.CKSUM			This fairly complicated program is a vehicle to download to the PHP all the data (except the boot and microcode program, which are loaded by program BOOT10) required by the PHP to run the optical bench, do real-time tracking, and imaging for the Linear Galvano-meter ALT System. Some of the information is picked up from files and shipped directly to the PHP. Some of the data is generated totally by this program, and some is picked up by this program and manipulated into the form required by the PHP microcode. Most of these manipulations will make sense only if you are fairly familiar with the system architecture of the PHP and also are familiar with the ALT project and the ALT microcode. Subroutine PHPSHLP ships the contents of the arrays that are passed to it to the PHP with the properly formatted commands and a CHECKSUM, calculated by subroutine CKSUM. The start command for these operations and the program to receive the imaging information from the PHP and display this information on the Tenisco monitor is the program ?GPPI.
BR310	BR310S, BR310X, BR310C	BR310P		Program to read object file generated by microassembler and download microcode, correctly formatted, to PHP via RS232 port. It is assumed that the microcode contains exactly 16 microwords, each 96-bits wide, formatted by the meta-assembler as modified by BR310HAP.06. BOOTCODE is the output file with the ASCII object code.
MEMC	MEMC, MEMCES			This program is a diagnostic tool used to test so-called C-MEMORY boards in the PHP. The column lengths of this memory is stored in variable NWORDS. Pacifiers containing NWORDS of data for the memory are shipped to the PHP and sent to the column determined by the address in variable LISTC. A menu of possible data patterns is presented to the user. The user also chooses the column address (as an integer between 1 and 63). The data shipped to memory is then read back into this program and the two patterns are compared. Any discrepancies are described to the user. Further prompts allow repetition of entire column. Pacifiers and outputs are used in appropriate places.

FILE NAME	PROGRAM NAME	CALLS	CREATED BY	DESCRIPTION
PGF111	PGF111	PGF111.COM	PGF111	<p>This program is an early version of PGF111, which in turn is an early version of BOOT111. These programs are useful in that they constitute progressively more of working tests of the PGP when they are run with the appropriate microcode routines in the PGP. For further documentation, see program GNDPGF111.</p>
PRINTF1	PRINTF1	None	None	<p>This program is used to produce printouts of various data patterns that are shipped to the PGP. This program was used for debugging purposes, and may be further hacked up and so used. Output is to file PRINTF1.</p>
PRINTF2	PRINTF2	None	None	<p>NOTE: This program is essentially obsolete, except as it can quickly create a file with 1024 data words in a floating one pattern. It was initially used to create this pattern to test the DATA map of the PGP.</p>
DBASMAP	DBASMAP	None	None	<p>This program downloads to the PGP 64 sets of 16 words, each word with one off set, all others cleared. It requests PGP 'ADDRESS - 1' from user. It uses the (at the time) standard format for the microcode controlled load of PGP memory. OUT is the array that is shipped to the output file, DBASMAP.</p>
DEC2BIN	DEC2BIN	None	None	<p>This program is a trivially simple but occasionally useful decimal-to-binary converter.</p>
PGF111A	PGF111A	None	None	<p>A test version of program PGF111 which calls COMPGP to attempt to set a handle on PGP-Nova communication problem. See programs ASSDIAG and PGF111 and COMGP. This program lets the PGP do all the work. It just prints out error messages that the PGP sends to the Nova.</p>
FORMAT1	FORMAT1	SCSI111, PGPFORMAT	None	<p>version of program ALTPKG which produces a pretty printout used in debugging the SCSI implementation of the All SCSI tracker algorithm. In its present form, this program uses the forward matrix, FMAT as its input file; that is, its source of detector vectors.</p>
FORMAT2	FORMAT2	None	None	<p>program to take PGP BOOT111.COM and send it to serial RS232 port. This is a version of BOOT111 that does not prompt user to provide a memory file directory, but instead chains to program PGF111.SV. This program may be used to load boot and microcode program using 'CON111-A' to leave this program after a successful load.</p>
FORMAT3	FORMAT3	None	None	<p>This is an earlier version of ALTPKG. This version differs from ALTPKG111 in that it does not use the generic programmable graphics processor displays. There was some kind of PGP bug in the way the relocatable reloader was operating which caused it help to return nonsense, or effect dependent on its location in the reloader line. Because of this problem, the original display of the PGP was chosen as a more convenient tool. This version of the program is best around to a possible future All tool, and also, as a possible tool to help one to examine the GS bus. The program flow is not too complicated, but for further documentation, see program PGF111.</p>

FILE NAME	PROGRAM NAME	CALLS	CALLED BY	DESCRIPTION
PhP Support Programs	MATMULT0	WRHEX,CKSM, FMOP,COMERR, ULMRG		<p>NOTE: This was a version of program MATMULT created to analyze the cause of the problem later diagnosed as a DG bug. Then this program was changed (FMOP call was commented out) so that it could be used as a debugging routine on the PhP. For further documentation, see PGPMULT.FP.</p> <p>This is an earlier version of PGPMULT.FP. This version differs from PGPMULT.FP in that it uses not use the Genisys programmable Graphics Processor display. There was some kind of DG bug in the way the relocatable reloader was operating which caused FMOP to return nonsense, an effect dependent on its location in the reloader line. Because of this problem, the graphic display of the PGF was chosen as a more convenient tool. This program is kept around as a possible future ALT tool, and also as a possible tool to be used to examine the DG bug. The program flow is not too complicated, but for further documentary reference, see PGPMULT.FP.</p>
	MEMTST	M8BYTES,MEMHEX, WRHEX,ULMRD		<p>NOTE: This program is a variant of program CMATTEST. It is an adaptation of that program to test other memories, in this case, the main memory. The command code in variable ICOM tells the PhP which memory to test and which data path to take in the test. This version uses ICOM=6 which tests the main memory using the Y-bits. (These conventions are determined in the microcode.)</p> <p>This program is a diagnostic tool used to test so-called 'C-MEMORY' boards in the PhP. The column lengths of this memory is stored in variable NMRDS packets containing NMRDS of data for the memory are shipped to the PhP and sent to the column determined by the address in variable LISCOM. A menu of possible data patterns is presented to the user. The user also chooses the column address (as an integer between 0 and 63). The data shipped to memory is then read back into this program and the two patterns are compared. Any discrepancies are described to the user. Further prompts allow repetition of this scheme. Hexadecimal inputs and outputs are used in appropriate places.</p>
	MEMTSTB	M8BYTES,MEMHEX, WRHEX,ULMRD		<p>NOTE: This program is a variant of program CMATTEST. It is an adaptation of that program to test other memories, in this case, the main memory. The command code in variable ICOM tells the PhP which memory to test and which data path to take in the test. This version uses ICOM=11 which tests the main memory using the B-Bus. (These conventions are determined in the microcode.)</p> <p>This program is a diagnostic tool used to test so-called 'C-MEMORY' boards in the PhP. The column lengths of this memory is stored in variable NMRDS. Packets containing NMRDS of data for the memory are shipped to the PhP and sent to the column determined by the address in variable LISCOM. A menu of possible data patterns is presented to the user. The user also chooses the column address (as an integer between 0 and 63). The data shipped to memory is then read back into this program and the two patterns are compared. Any discrepancies are described to the user. Further prompts allow repetition of this scheme. Hexadecimal inputs and outputs are used in appropriate places.</p>
	MICAO	M8BYTES,MHEX, HEITS		Program to read object file generated by microassembler and download microwords, correctly formatted, to PhP via RS232 port.

FILE NAME	PROGRAM NAME	CALLS	CALLED BY	DESCRIPTION
PH Support Programs	NECHMAI	MAIN, MEMEX, MAINX		<p>NOTE: This program is an enhancement of program CHA151. NECHMAI has the test run through all the columns, therefore the prompt requesting the column number has been commented out.</p> <p>WARNING: The subroutine for reading the information sent back from the PHF (ALPD) has not been installed in this program, so the 'CONTROL-0', 'CONTROL-5' BIOS operating system bus is still in this program, limiting its usefulness. UMEG was never installed in this program (it replaces binary read and writes to the CM) because the C-Memory was proven reliable by other means (doing matrix multiplication).</p> <p>This program is a diagnostic tool used to test so-called 'E-MORY' boards in the PHF. The column contents of this memory is stored in the variable NUFICS. Packets containing NWORDs of data for the memory are shipped to the PHF and sent to the column determined by the address in variable LS100M. A menu of possible data patterns is presented to the user. The user also chooses the column address (as an integer between 0 and 63). The data shipped to memory is then read back into this program and the two patterns are compared. Any discrepancies are described to the user. Further prompts allow repetition of this scheme. Hexadecimal inputs and outputs are used in appropriate places.</p>
	PGPLD	PHSHIP CKSH		<p>This version of PGPLD is virtually identical to BOTHGOLD (in fact, I cannot see any difference between them, though there may be one). This fairly complicated program is a vehicle to download to the PHF all the data (except the boot and microcode programs), which are loaded by program BD01LC required by the SP to run the optical bench, do real-time tracking, and do imaging for the linear galvanometer ALT system. Some of the information is picked up from files and shipped directly to the PHF. Some of the data is generated totally by this program, and some is picked up by this program and manipulated into the form required by the PHF microcode. Most of these manipulations will make sense only if you are fairly familiar with the system architecture of the PHF and also are familiar with the ALT project and the ALT microcode. Subroutine PHSHIP ships the content of the arrays that are passed to it to the PHF with the properly formatted commands and a checksum, calculated by subroutine CKSH. The start command for these operations and the program to receive the imaging information from the PHF and display this information on the Genisco monitor is the program GPHT.</p>
	PGPHM1	PGF, PGF0R, FIND, CKSH, ULMD		<p>NOTE: This program displays the 64 detector vectors obtained from the back matrix (under user control), sends the proper run command to the PHF, reads back the image vector (pixel vector) from the PHF, and displays the image on the Genisco color system. The detector vector is obtained from a detector vector file, the name of which is obtained from the user by a program prompt.</p>
	PGPHM164	PGF, PGF0R, FIND, CKSH, ULMD		<p>NOTE: This is a variant of program PGPHM1. The only difference between this program and PGPHM1 is that this program displays the 64 detector vectors obtained from the back matrix (under user control), one after another, rather than a single detector vector obtained from a user determined file, as in PGPHM1.</p> <p>This program sends a detector vector to the PHF, optionally loads the C memory with the back matrix (under user control), sends the proper run command to the PHF, reads back the image vector (pixel vector) from the PHF, and displays the image on the Genisco color system. The detector vector is obtained from a detector vector file, the name of which is obtained from the user by a program prompt.</p>
	PGPHN			<p>NOTE: This is a program very similar to PGPHM164, except that it is made to run forever (by a forever loop). For documentation, see program PGPHM164.</p>

FILE NAME	PROGRAM NAME	CALLS	CALLED BY	DESCRIPTION
MP Support Programs	PGPMKT	PGPIMH PGPFAST FPGPM SING PART1 JLMRD		This program was written to be used with program PGOLD (or B01NEP01). After PGOL has downloaded all the information required by the PGP to do its work, PGPMK sets up the image display hardware (using subroutine PGTL) and then gives the PGP the 'RUN' command. This program then receives the 64 element pixel vector from the PGP and ships it to the display system (the Genesic color display system). The program then returns to waiting for the next pixel vector to be received from the PGP. This goes on until interrupted by a 'CONTROLL'. PGPMK is a dedicated program, with some special purpose subroutines that are variants of some standard, heavily used ALT subroutines. This special machine operation, is needed to solve a timing problem: the PGP microcode, for efficient machine operation, needs to send each pixel vector element to the Nova, as soon as it is calculated (that is, at the end of each matrix column X detector vector dot (inner) product). Therefore, the interval between the receipt of the last element in one pixel vector and the receipt of the first element of the next pixel vector is very short. This is the interval of time permitted for the scaling and data packing of the imaging information, and the transporting of this data package to the PGP. This process had to be streamlined. Further, the Assembly language driver, PGPM, has a waiting loop in its code which requires the 'Ready to Receive' interrupt from the PGP before the loop is exited. This loop had to be eliminated in the driver FPGPM.
	PHOTAG	NONE		This program lets the PGP do all the work. It just prints out error messages that the PGP sends to the Nova.
	PHODIAG.2	PHODIAG, PHPIO, URHEX		This program is a version of program PHODIAG, created in an attempt to solve a communication problem between the Nova and the PGP. The operating system was not passing 'CONTROL-S'. It could be interpreted as the ASCII control characters 'CONTROL-G' and 'CONTROL-S'. It would interpret and throw away these characters when reading them with a PORTMAN 'Read Binary', and then the program would hang, waiting for the PGP to send another word. The PGP was programmed to send another word only or a one byte packet from the Nova. Therefore, it would also hang. This program lets the PGP do all the work. It just prints out error messages that the PGP sends to the Nova.
	SIMPHM	CKSM		This program loads the PGP 64 sets of 16 words, each word with one bit cleared, all others set. It requests PGP 'ADDRESS - 1' from user. It uses the (at the time) proper format for the microcode controlled load of PGP memories. (001 is the array that will be shipped to the output file, THE0 the file this program creates may be used with program B01NOLG0 to test PGP memory. (See the end of program B01L01.)
	SIMHMF0	CKSM		This program downloads to the PGP 64 sets of 16 words, each word with one bit set, all others cleared. It requests PGP 'ADDRESS - 1' from user. It uses the (at the time) proper format for the microcode controlled load of PGP memories. (001 is the array that will be shipped to the output file, THE0 the file this program creates may be used with program B01NOLG0 to test PGP memory. (See the end of program B01L01.)

FILE NAME	PROGRAM NAME	CALLED BY	DESCRIPTION
RMP Support Programs	ULMISI.FP	HOME	This version of PROBAG is used to test the 16K board using Assembly language subroutines. It examines and displays the status words on error. This prepares lets the RMP do all the work. It just prints out error messages that the RMP sends to the Nova.
VECT10	RMPSHIP.CSH, UCMRC		This program is an early version of CUC10, which in turn is an early version of DGIFGPI. These programs are useful in that they constitute progressively more demanding tests of the RMP when they are run with the appropriate microcode routines in the RMP. This version asks the RMP to find only one displacement (the X displacement) of only one tracker cycle (tracker cycle 10). The user is prompted for the name of the detector vector file to be so analyzed.

FILE NAME	PROGRAM NAME	CALLS	CALLED BY	DESCRIPTION
SUBROUTINES	OVERLAY_OCP1L ACCP1	IMAGE		This subroutine finds the average energy in the waveform of each quadrant and subtracts this average from each value of the corresponding quadrant's waveform.
	OVERLAY_OACF1L ACF1L	IMAGE		When the parameters are correctly set, this subroutine removes the DC offset from a waveform vector on a quadrant-by-quadrant basis. For each quadrant, the offset is found by looking at the energy in that quadrant at points in the nutation pattern when the pattern is furthest from that quadrant. Theoretically, the average of these points can represent the DC bias. The algorithm below is a straightforward application of this theory.
	ACFLGN	ACGEN		This routine is called by ACGEN once per nutation point. It tests the point to find if it is a current extreme point from any quadrant, and if it is, it has this point replace the appropriate obsolete extreme point and moves the points in storage arrays, RPTS and NPTS, so that the values are always stored with the least extreme values first. It does this on a quadrant-by-quadrant basis.
	ALG2	FMOP	IMAGE	This routine receives from the calling program, a buffer containing detector data (either real or simulated). It then treats this buffer as a vector and multiplies this vector with the appropriate back matrix transpose. The product is returned to the calling program with the detector data left unchanged. This product is a "pixel" vector representing the pixel intensities in an "image" reconstruction. This routine calls a matrix multiplication subroutine, MULT , which does the actual multiplication. See the header on that routine for explanation of how it works.
	ALG2_FH	FMOP	IMAGE	This routine receives from the calling program, a buffer containing detector data (either real or simulated). It then treats this buffer as a vector and multiplies this vector with the appropriate back matrix transpose. The product is returned to the calling program with the detector data left unchanged. This routine calls a fast matrix multiplication subroutine, FMOP, which does the actual multiplication. FMOP is an assembly language routine (see FMOP.SR for calling sequence), which does its own disk I/O. It cuts processing time from about 5 minutes to about 6 sec.
	ATODF1L.SR		NONE	Routine to initiate A/D conversions with DGDAC but sans SAM. DMA mode of data collection is used. This version is for a non-memory mapped environment. The A to D conversions are started on a signal from the rack and each sample is clocked on signals from the rack. DGDAC = Data General Analog to Digital Converters. SAM = Data General Sensory Access Monitor Software Package. It is very slow. This routine is for RACK calltable. The calling parameters are as follows: NPT = Number of Conversions N256 = Number of Blocks of 256 PTS to Convert NREM = Number of Remaining Conversions After 256 Blocks Done RCHAN = Number of Channels to Convert ICHAN = Beginning or Only MUX Channel Number. CLK = Clocking Mode Selector (EXT or INT) 0 = EXT, 1 = INT for Single Channel DATA ADDRESS = Address at which Data is to be Stored

FILE NAME	PROGRAM NAME	CALLS	CALLED BY	DESCRIPTION														
SUBROUTINES				<p>Routine to initiate A/D conversions with DSDAC but sans SAM. SAM = Data General Sensory Access Monitor Software Package. It is very slow. DMA = Direct Memory Access. Routine is of data collection is used. This version is for a memory mapped environment. Routine is FORTRAN callable. The calling parameters are as follows:</p> <table> <tr> <td>NPI</td> <td>- Number of Conversions</td> </tr> <tr> <td>N256</td> <td>- Number of Blocks of 256 PTS to Convert</td> </tr> <tr> <td>NREM</td> <td>- Number of Remaining Conversions after 256 Blocks Done</td> </tr> <tr> <td>NCHAN</td> <td>- Number of Channels to Convert</td> </tr> <tr> <td>ICHAN</td> <td>- Beginning or Only MIX Channel Number</td> </tr> <tr> <td>CLK</td> <td>- Clocking Mode Selector (EXT or INT)</td> </tr> <tr> <td>0 = EXT, 1 = INT for Single Channel</td> <td></td> </tr> </table> <p>DATA ADDRESS - Address at which Data is to be Stored</p>	NPI	- Number of Conversions	N256	- Number of Blocks of 256 PTS to Convert	NREM	- Number of Remaining Conversions after 256 Blocks Done	NCHAN	- Number of Channels to Convert	ICHAN	- Beginning or Only MIX Channel Number	CLK	- Clocking Mode Selector (EXT or INT)	0 = EXT, 1 = INT for Single Channel	
NPI	- Number of Conversions																	
N256	- Number of Blocks of 256 PTS to Convert																	
NREM	- Number of Remaining Conversions after 256 Blocks Done																	
NCHAN	- Number of Channels to Convert																	
ICHAN	- Beginning or Only MIX Channel Number																	
CLK	- Clocking Mode Selector (EXT or INT)																	
0 = EXT, 1 = INT for Single Channel																		
CELL2.FR	MULPS OVNLAP IBOX 1HR!	QCELL		<p>This program is called NSTEP/NOUT times per mutation point in the image cycle. These NSTEP NOUT values of Q(1-4) produced in this program are integrated by subroutine INTEG to produce four points in the final detector vector, one for each Quadrant (waveform). Arguments are identical to QCELL. All of the work is done here.</p>														
CFIL(IER)	EARCK	NAMFIL		<p>This routine creates a file on the current partition. It is named NAME. If the file already exists, the low order ASCII digit of the name is incremented. When it reaches 5, the next highest digit is incremented.</p>														
CKSH	NONE	Almost all PHE Download-Data Creation Routines		<p>This program is a FORTRAN callable routine to calculate the CHECKSUM required by PHE data packets. There are two parameters passed to this subroutine, INHDO and ICLEAR. INHDO contains the next integer value to be added to the CHECKSUM. If ICLEAR is not equal to zero, the CHECKSUM, stored in this program, is set to zero. If ICLEAR is equal to zero, then the current value of the CHECKSUM is stored in this routine and also returned to the calling program in the variable, INHDO. Obviously, this subroutine is not re-entrant.</p>														
CHP	GENGRAPH, PGPDR, FIND	IMAGE		<p>Routine to compare the present detector vector with another detector vector on file in the user's directory. The comparison is made graphically on the Genisco monitor. There are two modes of display. If a particular quadrant is requested, three graphs will be presented. The first is the newly requested detector vector (in ARRAY !COMP), the second is the old detector vector (in IBUF), and the third is the difference of the two. If the user answers "5" to the prompt, there will be 4 graphs presented to the screen. They will be the difference graphs for each of the four quadrants. A carriage return answer to the request for the name of a file will preserve the present !COMP buffer.</p>														
CHP2	GENGRAPH, PGPDR, FIND	FSIMAGE		<p>This is a variant of CHP. See that program for documentation. This differs from CHP in that no difference graph is shown. In Option 5, the !COMP detector vectors are graphed.</p>														
CODER	NONE			<p>This program was written as a diagnostic tool to help understand a communication problem we were having with the RROS operating system. The operating system was not passing values which should be interpreted as the ASCII control characters CONRO-G and CONTROL-S. It would intercept and throw away these characters when reading them with a FORTRAN READ. It would then send another word only on a one byte prompt from the PHE. The PHE was not programmed to send another word only on a one byte prompt from the RROS. Therefore, it would hang. This program attempted to read the status of the ULM at the time of failure. It would also obtain affiliation with RETD BINARY, which would send control characters to the program to a location where this subroutine was called. This problem was later solved.</p>														

FILE NAME	PROGRAM NAME	CALLS	CALLED BY	DESCRIPTION
SUBROUTINES				
CONO	None	FSIMAGE, CIMAGE		Routine to condition the waveforms in various ways.
CTLC	none	A number of programs		This subroutine enables the user to interrupt the program with a CONTROL-C and to later use the BREAK.SV file created by the CONTROL-C to restart the program at the point of inter-ruption.
DTDASC	None			Subroutine to convert from binary to ASCII values. Input is a 16 bit quantity found in IVAC. Output is into the 3 word quantity, JVAC. A sign and 5 digits are returned.
DTA4F	None			Data General data access and control digital to analog. This routine sends output to SG/CAC D/A converter, without SAM (Sensor Access Manager Software Package). This routine is FORTRAN IV callable. The routine expects input in 2 calling parameters: ARG1 - Mask for Channel Select. Using 4 least significant bits; 3 set bit selects channel. ARG2 - 1 - 4 word block containing data in 12 most significant bits.
ERACK	None			Subroutine to check FORTRAN error return flag. If not one, the flag is converted to the appropriate format for DG/CAC error messages. 3 is subtracted and the number is printed in actual.
FIND	None			This program is passed the name of an array. It returns in variable ISTART, the pointer to the memory location of the first element of the array NAME. (That is, ISTART contains the "logical" address of the first element of array NAME.)
FHOP	None			This program multiplies a vector by a matrix. In its present configuration, the column size is 1860, and the output vector has length 64. The program works with integers, and uses double precision integer multiplies with a double precision integer buffer for the partial sums of each dot product calculation. This program should be passed 3 buffers, one large enough to contain a column of the matrix, one the size of the output vector, and one containing the vector (the same size as the first buffer). The dimensions used by the program are set in the constants section. This program opens matrix file B10 and handles all the I/O itself, opening a free channel, then closing it again when it is done.
FORW	None			Used by program GFMX in creation of the forward matrix.
PPGDM	None			This is a version of the FORTRAN callable Assembly language driver for communicating with the PGP in a memory-mapped RGS environment. It is for high-speed applications. This version does not wait in loop for interrupt handler to report; therefore, it is to be used when intermediate processing is necessary and this processing will take enough time to prevent another call to Genisco before Genisco is ready.
				Subroutine PGD09 is an interface between a Nova RGS program, written in FORTRAN, and the Genisco GC13 operating system. It talks to the Genisco programmable Graphics processor. It includes the following user callable routines: DPGP - Defines the PGP to RGS RMPGP - Removes the PGP from RGS WRGP - Starts a write of graphics file to PGP from Nova RPGP - Reads data from PGP into Nova memory

FILE NAME	PROGRAM NAME	CALLS	CALLED BY	DESCRIPTION
SUBROUTINES	GETDAT	ROHEAD, RODATA		These subroutines are in OSCULL1.LB. This program is a variant of subroutine SETDAT. It differs from SETDAT in the value of the variable NADJIR, which is the name of the directory the image-type program is required to work in. Also, the call to NMFILE is suppressed. The program is required to read data from file SNAPDATA, the output of the bench input program, SNAP. This subroutine picks up header and detector vector information for use by the FSIMAGE program. See FSIMAGE, SNAP.
	FSHEADN, FR	NONE		Subroutine to generate a header array for a detector vector file. This is a variant of HEADN, FR that eliminates most of the user prompts. It is used in program SNAP which runs in conjunction with FSIMAGE. FSHEADN does not issue calls to the usual subroutines. A further trimming could eliminate the one remaining user prompt.
	GEN2GRAPH	PGPDR, FINC		This version is exactly the same as GENGRAPH, but has a different name so that it can be used in the same overlay file with GENGRAPH, but in a different overlay.
	GENGRAPH Program GENGRAPH	PGPDR, FINC		Subroutine to graph 6 X-Y plots to the Genisco, each in a different color. This version of GENGRAPH is tailored for use with the tracking transfer function graphing programs, TENSGRAPH, TRKGRAPH, PIGRAPH. The program is no longer self-scaling in Y, requiring YMIN and YMAY to be passed. Also, the Y = 0 line is printed for each call to this routine. The 6 graphs will appear in same region of the screen. Each graph represents the transfer curve for a single tracker cycle.
	GENGRAPH Program GENGRAPH	PGPDR, FINC		Subroutine to graph an X-Y plot to the Genisco. The graphs will appear in same region of the screen. NOTE: Subroutine FIND returns the initial logical memory address of the first element in the passed array. Further NOTE: There are many variants of this program floating around, each of which have some slight wrinkle or added feature. They should each describe how they differ from this one in their documentation. The name of these variants all end in 'GRAPH'.
	GENGRAPH Program GENGRAPH	PGPDR, FINC		Subroutine to graph an X-Y plot to the Genisco. This version of GENGRAPH will produce up to four single graphs on the screen in four different colors. It divides the screen vertically into four regions, one for each graph. The first graph (IGR=1) will be at the top of the screen.
	SETDAT	ROHEAD, RODATA, ERCK	IMSSK	These subprograms are in OSCULL1.LB. This subroutine picks up header and detector vector information for use by IMSSK program. This differs from GETDAT used by IMSSK in that the name of the file to be opened is passed by the file NAMES (created by program SMSSK); rather than prompted from the keyboard.
	GETDAT	ROHEAD, RODATA, ERCK	IMAGE, CIMAGE	These subprograms are in OSCULL1.LB. This subroutine picks up header and detector vector information for use by IMAGE program.
	SNVIS	FINC	ICUBE IN SINISK	This program adds some noise to the waveform being produced by SINISK. The parameters of the noise generation are determined by prompts in subroutine HEADIN.
	SNPDR, FR	NONE	SOCAL	This program determines the integrated power reading from each detector during an arc of an AT&T SIS tracker cycle. The input is from a bench or simulates detector vector.

FILE NAME	PROGRAM NAME	CALLS	CALLED BY	DESCRIPTION
SUBROUTINES				
GSCS	POWER (GPOW)	GOCALC		This subroutine determines the X and Y tractive ratios for a given track cycle, and optionally writes some intermediate values out to file 'PRINTER'. (This option is usually converted out.) The data file buffer (BUF) is assumed to contain a detector vector, obtained from Lench or from simulation.
GPLONT	SENSEGRAPH, PPDR, FINO	FSTIMAGE, CIMAGE	GROGEN	Routine to plot the 4 time waveforms for AIT image reconstruction program. They are plotted on the Genisco color monitor.
GROGEN				Oscilloscope display. Subroutine to generate a visual display of image for AIT program. The display is a rectangular grid of size NSIZ by NSIZ.
GCSF	None	SIMOSK, SMOISK		This routine generates a distribution to be used as an image by SIMOSK. The size is of the "Turned On" area is determined by alpha. This is for the cigar-shaped distribution.
GSPSF	None	SIMOSK, SHOSK		This routine generates a distribution to be used as an image by SIMOSK. The size is of the "Turned On" area is determined by alpha. This is for the circular spot-shaped distribution.
GSQSF	None	SIMOSK, SMOISK		This routine generates a distribution to be used as an image by SMOISK. The size is of the "Turned On" area is determined by alpha. This is for the square-shaped distribution. W is the parameter governing the size of the square.
HEADGN	PHEAD, ILIPSS, INDXK, WRHEAD, ERRCK	SMOSK		Subroutine to generate a header array for AIT simulation study. The array is configured as an 80 word array and returned to the calling routine. This program is the version of HEADAN used by SMOSK, which is an "Automatic" version of SMOSK. SMOSK runs with IMGW, DSTB, and DSTB in a macro form. HEADGN differs from HEADGN.FR in that the prompts to the terminal have been removed. Therefore, you must set the proper parameter values before compiling HCCN and loading SMOSK takes place.
HCNP.FR	PHEAD, WRHEAD, ERRCK	PRGHD		Subroutine to generate a header array for AIT simulation study. The default values are set by this routine, and the user may change any of them at run time by issuing a 2 letter command followed by the new value. For the case of title, the entire array must be entered again. The array is configured as an 80 word array and returned to the calling routine. This program is the version of HEADGN used by PRGHD, which is a program that produces a file that contains only a header (without waveform data) in the format used by the GETDAT subroutine of image.
HEADGN	ILIPSS, INCIQ, INSO, INDSK, ICIR, WRHEAD, ERRCK	SMOSK		Subroutine to generate a header array for AIT simulation study. The default values are set by this routine, and the user may change any of them at run time by issuing a 2 letter command followed by the new value. For the case of title, the entire array must be entered again. The array is configured as an 80 word array and returned to the calling routine.
IECX	None	CELT		Performs simple integration on X.

FILE NAME	PROGRAM NAME	CALLS	CALLED BY	DESCRIPTION
SUBROUTINES				
	COMPILER NOSTACK	OGEN, QVECT, GNOIS which in turn call: OCELL, CELL, ONLAP, ONLAP, NULPS, etc.	SIMOSK, SMOISK	This routine returns one cycle of waveforms (before integration by INTEG) to SIMOSK. The information is stored in the time array. This version is shortened to take output from 'TIME' array.
	ISIS	GROGEN		Subroutine to generate image display on oscilloscope.
	ILIPSS	NULPS	HEADGN in SIMOSK, SMOISK	This is the initialization subroutine that initializes the parameters for NULPS. If the user desires, it can also create the file NUTX, a file containing the elliptical nutation pattern.
	ILIPSS	NULPS	SMOSK	To generate elliptical nutation pattern. This is the version of ILIPSS called by SMOSK, the "automatic" version of SIMOSK. It differs from ILIPSS.FR in that the user prompt have been removed and the capacity to produce file NUTX has been deleted. This subroutine initializes the parameters for the elliptical nutation pattern.
	[INCIG(COMST)]	NONE	HEADGN in SIMOSK, SMOISK	This program creates and returns the proper distribution title.
	INCIR(COMST) Compiler NOSTACK	NONE	HEADGN in SIMOSK, SMOISK	This program creates and returns the proper distribution title.
	INOSK(COMST) Compiler NOSTACK	NONE	HEADGN in SIMOSK, SMOISK	This program creates and returns the proper distribution title. Initialization subroutine to read intensity distributions stored in disk files.
	INR!(X) Integer Function	NONE	Various sub- routines in SIMOSK, SMOISK	X is converted to nearest integer.
	INSS(COMST) Compiler NOSTACK	NONE	HEADGN in SIMOSK, SMOISK	This program creates and returns the proper distribution title.
	INTEG	NONE	SIMOSK, SMOISK	Subroutine to integrate time waveform output from ICUE.
	INTFC	NONE	SIMOSK, SMOISK	Subroutine to read an optical intensity distribution from disk. A user prompt is used to determine the name of the disk file containing the distribution. The disk f/o is handled.
	NPSS	NONE	SIMOSK	This is the version of INTFC adjusted to run with SMOISK. SMOISK is the "automatic" version of SMOISK that runs with ISIGS, DISR, DISB, and INCSW without operator intervention.

FILE NAME	PROGRAM NAME	CALLS	CALLED BY	DESCRIPTION
SUBROUTINE	IPILOT	None		General purpose TTY plot subroutine.
	IPRINT	None	IMAGE	Subroutine to print AIT image array. (Note: IM1 is an obsolete 4x4 pixel vector array.)
	UPRTSM	None	IMSSM	Subroutine to print AIT image array. (Note: IM1 is an obsolete 4x4 pixel vector array.)

FILE NAME	PROGRAM NAME	CALLS	CALLED BY	DESCRIPTION
PLTIV.FP	PLTIV			Used by PLTIV (See PLTIV.FP). This routine plots the data passed to it by the program PLTIV on the XY flatbed plotter.
LSF-CPYFC.FP	LSF-CPYFC			
PLTIV	PLTIV	MICRO		This subroutine takes 8 word array, IWORD; assumes integers in IWORD are ASCII coded representations of '0', '1', or 'X'. Thus IWORD array represents binary coded microword (with X's standing for "Don't Care" bits. The subroutine translates X's into 0's, and returns in '12BYTES'. The 16-bit value represented by the characters in the array IWORD.
MEX - Matrix Inversion	MEX	None		The arguments are the dimensions (NDIM,NDIMCR) of the matrix itself (it must all be 16), the determinant, and a work vector of dimensions (NDIM,2). Compile with the X switch for double precision.
MEX (MEX, TSUM)	MEX	MICRO		This program is changed from original version of MEX in that it assumes four, rather than six hex digits, and assumes they are in the form 'XX'. This subroutine takes 3 ASCII coded words in array MEX and returns in IWORD the decimal integer that the 2 words represent. It is assumed that the 6 characters in the 3 words represent four hex decimal digits. REGIS defines how those four digits are packed in the three words. There are two possibilities: "-X XX Y-" and "-- XX XX". REGIS=0 signals the first pattern, REGIS=1 signals the second. Any character out of range is assumed to represent '0'.
MEX (MEX, TSUM, REGIS)	MEX	MICRO		Subroutine that takes 3 ASCII coded words in array MEX and returns in IWORD the decimal integer that the 3 words represent. It is assumed that the 6 characters in the 3 words represent four hex decimal digits. REGIS defines how those four digits are packed in the three words. There are two possibilities: "-X XX Y-" and "-- XX XX". REGIS=0 signals the first pattern, REGIS=1 signals the second. Any character out of range is assumed to represent '0'.
MEX (M, JH, REGIS, IT)	MEX	MICRO		Program takes 16 bit word, 'M', assumes it is an ASCII representation of a pair of hexdecimal (or decimal) digits. It returns in integers 'JH' and 'JL' the numbers (0 to 15) that those digits represent. If any ASCII character is out of range, a 0 is returned for that character. A one is returned for 'X'.
MEX	MEX	ALG. FP		All matrices must have integer elements. NOTE: Current version takes integer detector vector, multiplies it by integer matrix and stores in integer image array. Even though arithmetic is done floating point, there is a software check for any intermediate result overflowing double precision integer.
TRANS	TRANS	None		This is a transpose for large matrices stored on disk. It reads an input matrix from disk and writes the transpose to disk in channel's designated by the calling sequence. The routine assumes that matrices are stored on disk with the first 2 integer words giving dimensions (rows first) and data following (row index varying fastest). Either read or double precision will work (X switch on compile for double) -- but not mixed files without dimensions at the beginning will also work as long as the calling routine positions channels at the start of the data area.
TRANS	TRANS	None		Subroutine to create a disk file for data taking. The file name consists of 10 unique characters. The first letter is a 'T' for SOURCE=1 and a 'B' for SOURCE=2, an 'P' for SOURCE=3, an 'S' for SOURCE=4. The date follows (month and day). Next is a delimiting character, finally the time (hour and minutes) is included. Hence: XXXXSYTT, where N is 'B', T is 'P' or 'S', X is '5', Y is '15', Z is '10', and YY is the time.

FILE NAME	PROCEDURE NAME	CALLS	CALLED BY	DESCRIPTION
DDAC2REC	NC2N	None		Subroutine to convert from DDAC units to integer values.
NUAT	None			Several programs (NUSS, NLIPSS, & CELL) in SIMSPY, generate parmetrically as a function of theta as theta varies between zero and two-pi.
NUAT2	.R2I	CELL in SIMSPK, SIMSPR		This subroutine calculates the proper parameters so that CELL can calculate the amount of power in the image that falls on each quad cell.
PGP	PGPCE, FIND	IMAGE, CIMAGE, FSIMAGE		Version 0 of PGP with movie-making option, called by programs FSIMAGE, CIMAGE. This is a subroutine to display 64-pixel psuedo-color coded image on Genisco color system monitor. Includes color key and labeling.
PGP	PGPCH, FIND	IMAGE, CIMAGE, FSIMAGE		Subroutine to display 64-pixel psuedo-color coded image on Genisco color system monitor. Includes color key and labeling.
PGPCH, SR	None			This program is exactly the same as PGPCH, but with its name changed to PGPDH. This was done to allow this program to be called in a program which calls another routine named PGPDH in a different overlay.
PGPCH	None			This version is for a non-memory-mapped environment. Use PGPDH in a memory-mapped environment. Subroutine PGPR is an interface between a Nova RDOS program, written in FORTRAN, and the Genisco GC13 operating system. It talks to the Genisco programmable graphics processor. It includes the following user callable routines:
		DFFGP -- Defines the PGP to RDOS RPGP -- Removes the PGP from RDOS WRGP -- Starts a write of graphics file to PGP from Nova WCGP -- Continues write of graphics file to PGP from Nova RNGP -- Reads data from PGP into Nova memory.		
PGPCH	None			Does not work in non-memory-mapped environment. Must use PGPDH in non-memory-mapped environment. Listing of driver for GC1-3000 PGP. Subroutine PGPR is an interface between a Nova RDOS program, written in FORTRAN, and the Genisco GC13 operating system. It talks to the Genisco programmable graphics processor. It includes the following user callable routines:
		DFFGP -- Defines the PGP to RDOS RPGP -- Removes the PGP from RDOS WRGP -- Starts a write of graphics file to PGP from Nova WCGP -- Continues write of graphics file to PGP from Nova RNGP -- Reads data from PGP into Nova memory.		
PGPCH, SR	None			Subroutine to display 64-pixel psuedo-color coded image on Genisco color system monitor. This program does not include color key and labeling. This is because it is streamlined to run at maximum speed.

FILE NAME S/CS-OUTLINES	PROGRAM NAME	CALLS	CALLED BY	DESCRIPTION
SCS.FW	POINTR			This program is called by ALTS/5. Using the subroutine 'POINTR', it determines the amount of power detected in each quadrant during a given tracer cycle. Assuming the nutation of a point source, it also determines the point at which the source crosses the axis. The normalized X and Y ratios are then calculated and returned to the calling program. Code is provided for outputting to file 'POINTR' various intermediate results.
SCS.FM	POINTR			This program is a version of program SCS/PA to be used with program FMATRIX. (It has its own output to file 'POINTR'.) For further documentation, see programs SCS/PA, FMATRIX.
SCS.GOF	POINTR			This program is a special purpose version of SCS.FW used by the program ALTS/OF. This program is not likely to be used again, but is being saved anyway. For further documentation, see ALTS/OF and SCS.
SCS/PA	POINTR (POINTR)			This subroutine determines the X and Y tracker ratios for a given tracer cycle (ITR), and optionally writes some intermediate values out to file 'POINTR'. (This option is usually commented out.) The data file buffer (BUF) is assumed to contain a detector vector, obtained from the bench or from simulation.
SCS/UT	POINT			Subroutine SCS/UT is matrix multiplication routine. It is a special version of MULIT to take single precision input and produce double precision output.
SCS/UT	SCS/UT (S/CS/AT)	TO/TA		Uses serial I/O format to send 16-bit data and control words to the AIT nutation controller through a routine that addresses the Data General 6084AC Digital to Analog Converter
SCS/UT	POINT	POINT		Special purpose version of subroutine SCS/PA for use with subroutine TRX, which is used in programs FSIMAGE, CIMAGE. This routine differs from SCS/PA only in the fact that there is no common all parameters are passed. This is for compatibility with IMAGE program structure. See SCS/PA for further documentation.
				Routine to handle ITL/UT input device on Data General Data Acquisition and Control subsystem without Sensory Access Manager software package. Routine is FSUTRA in calltable
				The variables in DATA common block below are provided by FSUTRA. The meaning of other variables may be obtained from Sue Landen's memo of 11/14/79 on the terminal pilot package
				Routine to handle Data Access and Control subsystem ITL Output device without Sensory Access Manager software package. Routine is FSUTAI in calltable
				Special purpose version of program ALTS/UT used in program CIMAGE, FSIMAGE. This routine is in ALTS/UT, due to the fact that there is no common all parameters are passed. This is for compatibility with IMAGE program structure. See ALTS/UT for further documentation.

FILE NAME	PROGRAM NAME	CALLS	CALLED BY	DESCRIPTION
SUBROUTINES				
	ULMFO.SR	None		This program is used in communicating with PDP microcode. The protocol for the PDP is, each to be sent to the Nova is prompted by a one-byte communication from the Nova (value of the byte is not relevant). This program returns three integer parameters to the SORTIM calling routine. The first parameter is the integer passed by the PDP. The next two are status words from the UMB board, one for each byte. The UMB-S documentation can be used in interpreting them as error situations arise.
	WAITGRAPH	WAITLOOP, POPDR, FIND		Version of GEMGRAPH with a wait parameter which enables user to plot graphs in slow motion
	WAITLOOP	None		This program introduces a wait of approximately one second for each increment of ten in the parameter 'INDEX'.
	WAITLOOP	None		This program causes a delay each time it is called. The extent of the delay depends on the index parameter. Each increment of 10 in index introduces about 1 second of delay.
	HRBIN	None		This program receives an integer in variable 'INP'. It then puts into array 1001 ones and zeros corresponding to the binary representation of the integer INP.
	WRDATA	ERRCK		Subroutine to append data to a file with a header. RDATA is the number of words. 1001 is the address of the data. HDIR is the directory name. Hofil is the file name. DEV is the device number. A '0' will select #15 as the device number. IFR is the error return.
	WRHEAD	ERRCK		Subroutine to write header to disk file NAMEfil on directory NAMDIR. Device number IDEV is used
	WRHEX	None		This program receives an integer in variable INP. It translates this integer into ASCII hex representation, which is placed in array 1001. INP should be given in word at least two.

addresses	number of copies
Capt. Patrick J. Martone RADCOMSE	15
RADC/TSL GRIFFISS AFB NY 13441	1
RADC/DRP GRIFFISS AFB NY 13441	2
ADMINISTRATOR SAC TECH INF CTR ATTN: DFIC-DPA CAMERON STA BG 5 ALEXANDRIA VA 22314	12
Adaptive Optics Associates Attn: Dr. L. E. Schmutz 2330 Massachusetts Avenue Cambridge, Massachusetts 02140	5
AFL/AA/AO Attn: Dr. William Lowrey Kirtland AFB, NM 87117	1
AFL/AA/AA Attn: Dr. J. Fender Kirtland AFB, NM 87117	1

AFW/LARAS
Attn: Lt Col Paul Bovenkirk
Kirtland AFB, NM 87117

The Aerospace Corp
Attn: Dr. C.W. Silvertooth
Bldg 110 MS 2339
PO Box 92957
Los Angeles, CA 90009

The Aerospace Corp
Attn: T. Taylor
Bldg 115 Room 1334C
PO Box 92957
Los Angeles, CA 90009

Analytic Decisions Inc
Attn: Emmanuel Golusstein
1401 Wilson Blvd
Arlington, VA 22209

BOM Corp
Attn: William Gurley
1820 Randolph Rd
Albuquerque, NM

BAB/ATC
Attn: M. Carmichael
PO Box 1500
Huntsville, AL 35807

Boeing Aerospace Co.
Attn: D. Allasina
PO Box 3999
Seattle, WA 98124

Charles Stark Draper Labs
Attn: Frank Scammon
DDO Technology Dr.
Cambridge, MA 02139

Charles Stark Draper Labs
Attn: Mr. Kato Soosar
DOD Technology Dr
MS 95
Cambridge, MA 02139

Corning Glass Works
Attn: W.F. Becker
Technical Products Division
Corning, NY 14830

DARPA/DEO
Attn: Col Ronald Prater
Arlington, VA 22209

Eastman Kodak
Attn: Robert Keim
Kodak Apparatus Division
121 Lincoln Ave.
Rochester, NY 14650

Eastman Kodak
Attn: Richard Price
Kodak-Lincoln Park
901 Elmwood Rd
Rochester, NY 14650

URC
Attn: Mr. Jurski
1655 Old Springhouse Rd
McLean, VA 22102

Hughes Aircraft
Attn: Martin Flannery
MS 27125 Bldg 6
Centenela & Teal Sts
Culver City, CA 90230

Hughes Aircraft
Attn: Mr. Fred McColling
MS 27125
Centenela & Teal Sts
Culver City, CA 90230

Itek Corp
Attn: Roland Plante
Optical Systems Division
10 Maguire Rd.
Lexington, MA 02173

Lockheed Palo Alto Research Lab
Attn: Richard Feaster
0752-03, 3201
3251 Hanover St.
Palo Alto, CA 94304

Lockheed Space and Missile Co.
Attn: Dennis Aspinwall
Dept 5203 Bldg. 201
3251 Hanover St.
Palo Alto, CA 94304

Lockheed Space and Missile Co.
Attn: Dick Wallner
Dept 5203 Bldg 201
3251 Hanover St.
Palo Alto, CA 94304

Martin Marietta Aerospace
Attn: C.W. Spieth
Denver Division
PO Box 179
Denver, CO 80201

Denver Division
PO Box 179
Denver, CO 80201

MIT/Lincoln Laboratory
Attn: Alex Parker
PO Box 73
Lexington, MA 02173

Itek Corp.
Attn: Mr. Kenneth Robinson
71 Blake St.
Lexington, MA 02192

NASA Ames
Attn: James Murphy
MS 244-7
Moffett Field, CA 94035

NASA Marshall Space Flight Center
Attn: Charles O. Jones
Mail Code EC32
Huntsville, AL 35812

Naval Sea Systems Command
Attn: Dr. Sadeq Sianatgar
PMS-400
NC 1 ROOM 11N08
Washington, DC 20742

Naval Weapons Center
Attn: Mr. H. Bennett
Code 6018
China Lake, CA 93555

Perkin Elmer
Attn: Dr. David Sean
MS 241
Main Ave
Norwalk, CT 06850

Perkin Elmer
Attn: Henry Dieselmen
100 Wooster Heights Rd.
Danbury, CT 06810

Rockwell International
Attn: R. Brandenier
Rocketyne Division
1033 Canoga Ave
Canoga Park, CA 91304

Rockwell International
Attn: S. Murphy
Space Division
12214 Lakewood Blvd
Downey, CA 90241

Rockwell International
Attn: R. Greenberg
Space Division
12214 Lakewood Blvd
Downey, CA 90241

Riverside Research Institute
Attn: Dr. Robert Kappesser
1701 N Fort Myer Dr.
Suite 711
Arlington, VA 22209

SDVNS
Attn: Col H.A. Snelton
PO Box 92900
Worldwide Postal Center
Los Angeles, CA 90009

United Technologies Research Center
Attn: Dr. J. Pearson
Optics & Applied Technology Lab
PO Box 2091
West Palm Beach, FL 33402

University of Arizona
Attn: Prof Robert Shannon
Charles Peyton
Administration Bldg
Tucson, AZ 85721

W.O. Schaefer Assoc. Inc.
Attn: Edward Borsare
10 Lakeside Office Park
Waterfield, MA 01083



MISSION *of* ***Rome Air Development Center***

RADC plans and executes research, development, test and selected acquisition programs in support of Command, Control Communications and Intelligence (C³I) activities. Technical and engineering support within areas of technical competence is provided to ESD Program Offices (POs) and other ESD elements. The principal technical mission areas are communications, electromagnetic guidance and control, surveillance of ground and aerospace objects, intelligence data collection and handling, information system technology, ionospheric propagation, solid state sciences, microwave physics and electronic reliability, maintainability and compatibility.